@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 16 जुलाई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 246 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

टल गई निमिषा की फांसी, यमन से आई गुड न्यूज

● हूती विद्रोहियों से भारत सरकार की बन गई है बात

सना (एजेंसी)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा टल गई है। प्रिया को 16 जुलाई को फांसी दी जानी थी, लेकिन फिलहाल सजा पर अमल को टाल दिया गया है। भारत सरकार के सूत्रों ने बताया है कि स्थानीय अधिकारियों ने यह फैसला लिया है। निमिषा प्रिया यमन के हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले सना की जेल में मौत की सजा का सामना कर रही हैं। भारत सरकार इस मामले में निमिषा प्रिया के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। इसने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। सूत्रों ने बताया कि इसमें शामिल संवेदनशीलता के बावजूद भारतीय अधिकारी स्थानीय जेल अधिकारियों और अभियोजक कार्यालय के साथ नियमित संपर्क में रहे हैं, जिसके कारण फांसी की सजा को फिलहाल के लिए रोकना संभव हो पाया है। सजा स्थगित होने के बाद प्रिया के परिवार के लिए पीड़ित परिवार के साथ आपसी समझौते के लिए समय मिल सकेगा। इस बीच निमिषा प्रिया को बचाने के लिए कोशिशें तेज हो गई हैं। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के प्रभावशाली सुन्नी मुस्लिम धर्मगुरु निमिषा को फांसी से बचाने के लिए पीड़ित परिवार को ब्लड मनी के लिए मनाने का प्रयास कर रहे हैं। यमन के शरिया कानून के मुताबिक, ब्लड मनी के लिए सहमति बनने पर निमिषा प्रिया को सजा से माफी मिल सकती है। फिलहाल, पीड़ित परिवार ने अभी तक इस तरह का कोई संकेत नहीं दिया है। केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया पर साल 2017 अपने यमनी बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो महदी की हत्या करने का आरोप है।

प्रिया को हत्या के बाद देश छोड़ने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। साल 2020 में एक अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने ईरान से भी इस संबंध में मदद मांगी थी।

ट्रंप की धमकी, रूस से तेल खरीदा तो खैर नहीं

● मास्को पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी

मास्को (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन में हमले कर रहे रूस के बीच चल रही जुबानी जंग में अब भारत और चीन जैसे देश भी फंस सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि रूस अगर 50 दिनों में यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर सहमत नहीं होता है तो अमेरिका मास्को के खिलाफ 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। यही नहीं ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर रूस 50 दिन में तैयार नहीं होता है तो उससे तेल खरीदने वाले देशों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। ट्रंप की इस धमकी का इशारा सीधे भारत और चीन की ओर है जो रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहे हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस भारत को अब सबसे ज्यादा तेल का निर्यात कर रहा है। अमेरिका लगातार कई साल से भारत को धमका रहा है लेकिन दिल्ली ने वॉशिंगटन के आगे घुटने नहीं टेके हैं। ट्रंप ने नाटो के सेक्रेटरी मार्क रुट्टे से मुलाकात की है जहां पर उन्होंने नाटो के जरिए यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार भेजने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा, हम रूस से बेहद नाखुश हैं। अगर रूस ने 50 दिन में डील नहीं किया तो उसके खिलाफ भारी टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ 100 फीसदी होगा।

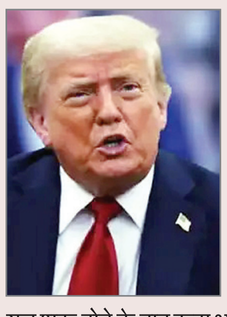

18 दिन बाद सकुशल धरती पर लौटे 'अंतरिक्षवीर' शुभांशु

● यान से निकले शुभांशु, मुस्कुराए, नजर आई तिरंगे की शान

कैलीफोर्निया (एजेंसी)। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 18 दिन अंतरिक्ष में रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की दोपहर 3 बजे कैलीफोर्निया के समुद्र में लैंडिंग हुई। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4.45 बजे आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4.01 बजे आईएसएस पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के

स्पेसक्राफ्ट की सफल लैंडिंग कैलीफोर्निया के तट पर हुई

फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। आखिरकार वो ऐतिहासिक क्षण पूरी दुनिया ने देखा जब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार एक्सिओम-4 क्रू मेंबर्स के साथ 18 दिनों धरती पर पहुंचे। ये अंतरिक्षयात्री प्रशांत महासागर में उतरे। एक्सिओम-4 मिशन में शुभांशु शुक्ला के साथ कमांडर पैगी व्हिट्सन, मिशन एक्सपर्ट पोलैंड के स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू भी शामिल थे। ये ड्रैगन 'ग्रेस' अंतरिक्ष यान से भारतीय समयानुसार सोमवार शाम 4.45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से धरती की ओर रवाना हुए थे। शुभांशु ने मिशन के दौरान 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों में हिस्सा लिया।

इनमें भारत के सात प्रयोग शामिल थे। उन्होंने मेथी और मूंग के बीजों को अंतरिक्ष में उगाया। स्पेस माइक्रोएल्गी प्रयोग में भी हिस्सा लिया। अंतरिक्ष में हड्डियों की सेहत पर भी प्रयोग किए। 28 जून 2025 को शुभांशु ने आईएसएस से पीएम नरेंद्र मोदी के साथ लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। पीएम ने पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर गए हैं। क्या साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा- हां साथियों के साथ बैठकर खाया। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया था।

डीटीसी का कायापलट करेगी रेखा सरकार

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 जुलाई। दिल्ली सरकार ने राजधानी के लोगों को बेहतरीन व विश्वस्तरीय परिवहन सेवा मुहैया कराने के लिए दिल्लीपरिवहन निगम (डीटीसी) का कायापलट करने की प्रक्रिया शुरूकर दी है। इस योजना के तहत जल्द ही स्मार्ट कार्ड जारी होंगे, डीटीसी की बसों के रूट नए तरह से निर्धारित किए जा रहे हैं, दिल्ली के अंतरराज्यीय बस अड्डों को अति आधुनिक बनाने कानिर्णय लिया गया है। साथ ही बस क्यू शैल्टर (बस स्टैंड) कोयात्रियों के लिए सुविधाजनक और हाईटेक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और सहयोग से दिल्ली को विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन सुविधा से सुसज्जित करने का सपना शीघ्र साकार होगा। इस मसले को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आजपरिवहन विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह, चीफ सेक्रेटरी श्री धमेंद्र, परिवहन आयुक्त श्रीमती निहारिका राय व अन्य आलाअधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पूर्व सरकारकी बदइंतजामी के कारण 60 हजार करोड़ के घाटे में चल रहीडीटीसी को हर हाल में उबारकर उसे बेहतरीन परिवहन सेवा मेंबदला जाएगा। हमारी सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इसकेलिए छोटी (DEVI) और बड़ी बसों की संख्या तो बढ़ाई ही जारही है,

साथ ही इनके रूट भी इस तरह से बनाए जा रहे हैं ताकिलोगों की पहुंच उन तक आसानी से हो जाए। मुख्यमंत्री श्रीमतीरेखा गुप्ता का कहना है कि हमारी सरकार चाहती है कि दिल्लीमें डीटीसी शानदार परिवहन सेवा के रूप में नाम कमाए। बैठक में मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री के समक्ष यह बताया गयाकि किस तरह डीटीसी के पूरे सिस्टम को चुस्त-दुरुस्त व लोगोंके लिए सुविधाजन बनाया जा सकता है। **शेष पृष्ठ 3 पर**

राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर, पांच मिनट बाद जमानत

● सांसद प्रमोद तिवारी की पुलिस से हो गई नोकझोंक

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार दोपहर को लखनऊ कोर्ट में सरेंडर किया। इसके 5 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने 20-20 हजार के दो बॉन्ड पर राहुल को जमानत दी। राहुल के वकील ने जमानत याचिका डाली थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। राहुल कोर्ट के अंदर करीब 30 मिनट तक रहे। राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट आने के बाद सीधे एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे थे। भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर कोर्ट ने उन्हें पेश होने का आदेश दिया था। पिछली 5 सुनवाई के दौरान राहुल हाजिर नहीं हुए।

इसके बाद कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। जमानत मिलने के बाद राहुल कोर्ट से सीधे अमौसी एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए। राहुल के वकील प्रांशु अग्रवाल ने कोर्ट से राहुल की पेशी पर छूट की मांग की थी। मगर कोर्ट ने राहुल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट गेट पर गाड़ियों का काफिला पहुंचते ही पुलिस ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा की कार रुकवा दी। पुलिस से नोकझोंक के बाद दोनों लोग पैदल चलकर अंदर गए। बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने 11 फरवरी को सीजेएम कोर्ट में राहुल के खिलाफ केस दायर किया था।

कांवड़ मार्ग में क्यूआर कोड पर गरम हुआ सुप्रीम कोर्ट

योगी सरकार को नोटिस, पूछा-ऐसा करना क्यों है जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानों और रेस्तरां संचालकों को आदेश दिया गया है कि वे क्यूआर कोड लगाएं और नाम भी लिखें। यह मामला मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा कि आखिर इसकी जरूरत क्या है। अब इस केस की अगली सुनवाई 22 जुलाई तय की गई है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और शिक्षाविद अपूर्वानंद झा व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की अगली तारीख तय की। शीर्ष अदालत ने पिछले साल भाजपा शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी इसी तरह के निर्देशों पर रोक लगा दी थी, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था। उत्तर प्रदेश प्रशासन द्वारा 25 जून को

जारी एक प्रेस रिलीज का हवाला देते हुए झा ने कहा, 'नए उपायों में कांवड़ मार्ग पर स्थित सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिससे मालिकों के नाम और पहचान का पता चलता हो।

दिल्ली सरकार 6 अगस्त को मनाएगी राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस: सिरसा

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 15 जुलाई। दिल्ली की समृद्ध हैंडलूम विरासत को पुनर्जीवित करने और ईको-फ्रेंडली फैशन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार 6 अगस्त को 'राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस' मनाने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगी, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया। 'वस्त्र कथा' नामक यह कार्यक्रम दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) के तहत आयोजित होगा — जिसमें हेरिटेज, सस्टेनेबिलिटी और युवाओं की रचनात्मकता का संगम होगा। कार्यक्रम में जी.आई. टैग वाले कपड़ों की प्रदर्शनी, वैदिक सभ्यता पर आधारित फैशन रैम्प वॉक और स्टूडेंट डिज़ाइन प्रोजेक्ट्स शामिल होंगे। माननीय मंत्री सिरसा ने कहा- हम डीकेवीआईबी में लंबे समय से रुके हुए सुधार ला रहे हैं, ताकि यह बोर्ड इस साल के अंत तक आर्थिक रूप से मजबूत बन सके और 2026 तक एक प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में उभरे। सरकार पहले ही ?50 करोड़ की राशि कौशल प्रशिक्षण के लिए आवंटित कर चुकी है, और अब हम 'वस्त्र कथा' जैसे मंचों के माध्यम से कारीगरों को रोज़गार और पहचान दोनों दे रहे हैं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होगा — 24 स्टॉल्स की प्रदर्शनी, जिसमें भारत के विभिन्न प्रदेशों से दुर्लभ, जी.आई. टैग वाले हैंडलूम साड़ियाँ और कपड़े प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें असम की मोंगा सिल्क, तेलंगाना की पोचमपल्ली और गडवाल, तमिलनाडु की कांजीवरम

सिल्क, मध्य प्रदेश की चंदेरी और महेश्वरी, केरल की कसावु, गुजरात की पटोला, पश्चिम बंगाल की कांथा और ओडिशा की बुनकाई सिल्क जैसे खास कपड़े शामिल होंगे। हर स्टॉल उस राज्य की विशेष वस्त्र को दर्शाएगा। साथ ही, एक फैशन शो के ज़रिए इन पारंपरिक कपड़ों को आधुनिक नजरिए से पेश किया जाएगा, जिसमें पेशेवर डिज़ाइनर्स, फैशन मॉडल्स और स्टूडेंट्स फैशन क्लब हिस्सा लेंगे। दिल्ली के प्रमुख कॉलेजों — मिरांडा हाउस, लेडी श्रीराम कॉलेज, हिंदू कॉलेज, जीटीबी खालसा कॉलेज, गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज और पर्ल अकैडमी — के 150 से अधिक छात्र-छात्राएं इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। प्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर जैसे राहुल मिश्रा, संजय गर्ग, सुरेखा जैन, रीना ढाका और पर्निया कुरैशी भी इस पहल को रचनात्मक समर्थन देने के लिए कार्यक्रम में भाग लेंगे। सिरसा ने कहा फैशन इंडस्ट्री पर्यावरण पर असर डालती है। इसके विपरीत, हैंडलूम प्राकृतिक होता है, रसायनों के बिना बनता है और गांवों में खासकर महिलाओं को आजीविका देता है। यह सिर्फ परंपरा नहीं — यह संस्कृति के साथ जलवायु संरक्षण है। मंत्री ने डीकेवीआईबी को फिर से खड़ा करने में निरंतर सहयोग देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का आभार प्रकट किया। साथ ही, उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से मिली प्रेरणा को भी स्वीकार किया, जिसके तहत दिल्ली सरकार 'वस्त्र कथा' जैसी पहलें शुरू करने जा रही हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य 'वस्त्र कथा' को दिल्ली का सालाना प्रमुख आयोजन बनाना है — जिससे डीकेवीआईबी एक आदर्श संस्था बन सके जो कारीगरों के हित, सस्टेनेबल फैशन और आर्थिक मजबूती का प्रतीक हो।

मात्र 2.5 घंटे में पहुंचेंगे दिल्ली से पटना!

● भारत में दौड़ेगी जापान की सबसे तेज बुलेट ट्रेन, जल्द होगी शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन का ...म तेजी से चल रहा है। अहमदाबाद-मुंबई के बीच ...न रही बुलेट ट्रेन ...रियोजना में एक नया ...पडेट आया है। रेलवे ...धिकारियों ने बताया है ...क इस प्रोजेक्ट में जापानी ...शिंकानसेन ट्रेनों के ई 5 ...मॉडल का इस्तेमाल होगा। ई 5 मॉडल गुजरात ...सेक्शन में 2026-27 में ट्रायल रन के लिए उपयोग ...किए जाएंगे। इसके बाद भारत ई 10 मॉडल खरीदेगा। ... और भी आधुनिक ट्रेनें होंगी। ई 10 शिंकानसेन ट्रेनें भारत और जापान में एक साथ 2030 में शुरू होने की संभावना है। मतलब, जिस साल ये ट्रेन जापान में शुरू होगी, उसी साल भारत में भी दौड़ेगी। ई 10 को अल्फा एक्स भी कहा जाता है। यह 400 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। यानी दिल्ली से पटना की 1,000 किमी दूरी मात्र 2.5 घंटे में पूरी की जा सकती है। यह अहमदाबाद और मुंबई की 508 किलोमीटर की दूरी को करीब सवा घंटे में पूरा करेगी।

जम्मू में खाई में गिरी मिनी बस, पांच लोगों की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक मिनी बस के खाई में गिर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की जगह से चार शव बरामद किए गए थे, जबकि गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले के चीफ मेडिकल ऑफीसर ने बताया कि मौतों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। कई घायलों की हालत गंभीर है। हादसा मंगलवार को डोडा-बराथ रोड पर पोंडा इलाके हुआ। मिनी बस के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने की खबर है।

हैरान कर रहीं छांगुर बाबा गैंग की 'करतूतें'

● धर्म बदलवाने के लिए महिलाओं संग रेप, वीडियो वायरल करने की धमकी

बलरामपुर (एजेंसी)। जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह में शामिल लोग धर्मांतरण के लिए राजी नहीं होने वाली महिलाओं का दुष्कर्म कर वीडियो बनाते थे। वीडियो वायरल करने का दबाव डालकर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। इस मामले में छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन सहित कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। एटीएस को जांच में धर्मांतरण के नेटवर्क और पीड़ितों के बारे में कई अहम जानकारियां मिली हैं। पता चला है कि छांगुर बाबा ने महिलाओं के जबरन धर्मांतरण का गंदा काम गिरोह की महिलाओं को ही सौंप रखा था। नाम बदलकर मुस्लिम युवक हिंदू घर की महिलाओं और युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण कराते थे। बलरामपुर के उतरौला कोतवाली का मधपुर गांव धर्मांतरण का केन्द्र बिन्दु बन गया था। यहां बैठकर जलालुद्दीन नेटवर्क चला रहा था।

संक्षिप्त समाचार

कैमरून में 8वीं बार राष्ट्रपति बनना चाहते हैं 92 साल के पॉल बिया

हवे, एजेंसी। कैमरून के 92 वर्षीय राष्ट्रपति पॉल बिया ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को घोषणा की है कि वह इस साल अक्तूबर में होने वाले चुनावों में फिर से खड़े होंगे। वह पहले ही सात बार राष्ट्रपति रह चुके हैं, और अब आठवीं बार चुनाव लड़ना चाहते हैं। यह एलान तब हुआ जब कई लोग सोच रहे थे कि उनकी उम्र और सेहत को देखते हुए वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। पॉल बिया, जो अफ्रीका के सबसे लंबे समय तक राज करने वाले नेताओं में से एक हैं, अक्सर बीमार रहते हैं और देश के बाहर रहते हैं। पिछले साल उनके बारे में अफवाह फैली थी कि उनकी मौत हो गई है, जिसे सरकार ने गलत बताया। 1960 में फ्रांस से स्वतंत्रता के बाद कैमरून के दूसरे राष्ट्रपति, बिया 1982 से सत्ता में हैं।

पाकिस्तान में 20 सीवेज नमूनों में फिर मिला पोलियो वायरस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पोलियो का खतरा अभी भी बना हुआ है। एआरवाई न्यूज ने रविवार को राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला के हवाले से बताया कि देश के अलग-अलग इलाकों से लिए गए 20 सीवेज नमूनों में पोलियो वायरस पाया गया है। राष्ट्रीय संदर्भ प्रयोगशाला ने इस्लामाबाद समेत 20 जिलों से कुल 28 सीवेज नमूने लेकर जांच की। इनमें से 20 नमूनों में पोलियो वायरस मिला है। इन नमूनों में वाइल्ड पोलियोवायरस टाइप 1 की पुष्टि हुई है। ये नमूने 8 मई से 17 जून के बीच लिए गए थे।

मंगल के उल्कापिंड की न्यूयॉर्क में होगी नीलामी

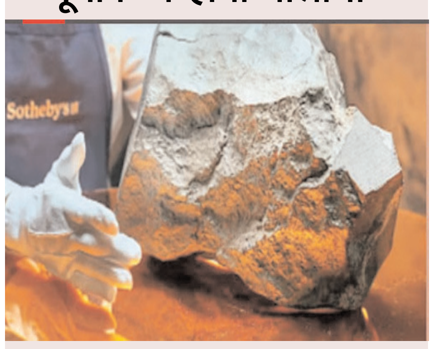

न्यूयॉर्क, एजेंसी। धरती पर अब तक मिला मंगल ग्रह का 25 किलो वजनी सबसे बड़ा उल्कापिंड न्यूयॉर्क के सोथबी में नीलामी के लिए रखा गया है। इसकी कीमत 20 लाख डॉलर से 40 लाख डॉलर तक लगाई गई है। एनडब्ल्यूए 16788 नाम का यह उल्कापिंड बुधवार को प्राकृतिक इतिहास पर आधारित नीलामी के तहत नीलाम किया जाएगा। इसके साथ ही एक 6 फीट ऊंचा और लगभग 11 फीट लंबे किशोर सेराटोसॉरस डायनासोर के कंकाल भी नीलामी की जाएगी। मशहूर नीलामी घर सोथबी के मुताबिक, बुधवार की यह नीलामी सोथबी की गीक वीक 2025 का हिस्सा है। इसमें उल्कापिंड, जीवाश्म और कीमती खनिज समेत कुल 122 वस्तुएं शामिल हैं। यह पत्थर एक विशाल क्षुद्रग्रह टकराव के बाद मंगल से उड़कर 14 करोड़ मील का सफर तय कर सहारा में गिरा। इसे नवंबर 2023 में नाइजर में एक उल्कापिंड खोजी ने ढूंढा था। यह लाल, भूरा और स्लेटी रंग का पत्थर अब तक पाए गए मंगल के किसी भी टुकड़े से 70 फीसदी बड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका में भारतवंशी फिरोज कचालिया पुलिस मंत्री नियुक्त

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को भारतीय मूल के वरिष्ठ कार्यकर्ता फिरोज कचालिया को देश का नया पुलिस मंत्री नियुक्त किया है। यह फैसला मौजूदा पुलिस मंत्री सेन्जो मचुनु को विशेष अवकाश पर भेजे जाने के बाद लिया गया है। राष्ट्रपति रामफोसा ने एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन में इसकी घोषणा की, क्योंकि लेफ्टिनेंट जनरल नहलानहला मखवानाजी, जो क्वाजुलु-नताल प्रांत के पुलिस प्रमुख हैं, ने मचुनु और कुछ अन्य बड़े पुलिस अधिकारियों पर आपराधिक गिरोह के नेताओं के साथ मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए थे। राष्ट्रपति रामफोसा ने कहा कि एक जांच आयोग का गठन किया गया है, जो इन आरोपों की जांच करेगा और तीन महीने में रिपोर्ट देगा। जांच का नेतृत्व कार्यवाहक उप मुख्य न्यायाधीश म्बुइसेली मदलंगा करेंगे।

गाजा सहायता नीति नरसंहार का घटिया रूप: खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने गाजा में इस्राइली सहायता वितरण प्रणाली की कड़ी आलोचना की और उसे नरसंहार का घटिया रूप बताया। खामनेई ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, इस्राइल ने गाजा में फलस्तीनियों के सामने एक गंभीर विकल्प रखा है-या तो वे भूखे मर जाएं, या भोजन का पैकेट प्राप्त करने की कोशिश में गोली खा लें। बता दें कि गाजा में सहयाता केंद्रों के पास इस्राइली गोलीबारी की कई घटनाएं हो चुकी हैं।

लंदन में एयरपोर्ट पर विमान क्रैश, आसमान में कई मीटर ऊंचा उठा आग का गोला

लंदन , एजेंसी। लंदन के साउथेंड एयरपोर्ट पर रविवार को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया है।ब्रिटिश समाचार एजेंसियों के मुताबिक बी 200 सुपर किंग एयर नामक या विमान कथित तौर पर साउथेंड से नीदरलैंड की तरफ जा रहा था। शाम चार बजे के आसपास उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय पुलिस ने भी इसे एक गंभीर घटना बताया है। सोशल मीडिया पर इस घटना के कथित दृश्य सामने आए, जिनमें एक विशाल आग का गोला और फिर आसमान में काले धुएँ का घना गुबार उठता हुआ दिखाई दे रहा है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा, हमें शाम 4 बजे से कुछ पहले एक 12 मीटर लंबे विमान की टक्कर की सूचना मिली थी... हम घटनास्थल पर सभी इमरजेंसी सेवाओं के साथ काम कर रहे हैं और यह काम कई घंटों तक जारी रहेगा। पुलिस ने जनता से अनुरोध किया है कि जहाँ तक हो सके, उस इलाके से दूर रहें। ईस्ट ऑफ़ इंग्लैंड एम्बुलेंस सर्विस ने कहा कि उसने दुर्घटनास्थल पर चार एम्बुलेंस और अन्य प्रतिक्रिया वाहन भेजे हैं। साउथएंड वेस्ट और लेह के सांसद डेविड बर्टन-सैम्पसन ने सोशल मीडिया पर इस घटना के बारे में पोस्ट किया और जनता से उस इलाके से दूर रहने का भी अनुरोध किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे साउथएंड एयरपोर्ट पर हुई एक घटना की जानकारी है। कृपया दूर रहें और इमरजेंसी सेवाओं को अपना काम करने दें। मेरी संवेदनाएँ सभी संबंधित लोगों के साथ हैं। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दुर्घटना स्थल के निकट होने के कारण रोचफोर्ड हंड्रेड गोल्फ क्लब और वेस्टक्लिफ रग्बी क्लब को खाली करा दिया। टेकऑफ के बाद बाईं ओर झुका, पलटा फिर जमीन से टकराया प्रत्यक्षदर्शियों में शामिल 40 वर्षीय जॉन जॉनसन ने बीबीसी से बात करते हुए बताया कि टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद बाईं ओर झुका विमान, फिर पलटा और जमीन से टकरा गया। उन्होंने कहा, हमने पायलट को मुस्कुराते देखा। प्लेन टेकऑफ की तैयारी में रनवे पर दौड़ता हुआ हमारे पास से गुजरा और कुछ ही सेकंड में उड़ गया। लेकिन तुरंत ही वह बाईं ओर झुकने लगा। मैंने पत्नी से कहा- ये सामान्य नहीं है। फिर अचानक प्लेन उल्टा होकर जमीन से जा टकराया। एक जबरदस्त धमाका हुआ और आग का एक बड़ा गोला बन गया। पास के गोल्फ क्लब में बारटेंडर जेम्स फिलपॉट ने बताया- मैं गोल्फ कोर्स के बीच में झोपड़ी में था, तभी तेज गर्मी की लहर सी महसूस हुई। ऊपर देखा तो आग का बड़ा गोला दिखा। लोग दौड़कर देखने पहुंचे कि कोई जिंदा है या नहीं। दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान नीदरलैंड की कंपनी का था डच एविएशन कंपनी ज्यूश एविएशन ने पुष्टि की है कि उसका विमान एसयूजेड1 इस हादसे में शामिल था।

कंपनी ने बताया कि यह फ्लाइट ग्रीस की राजधानी एथेंस से क्रोएशिया के पुला शहर होते हुए साउथेंड पहुंचा था और वहां से नीदरलैंड के लेलीस्टाड एयरपोर्ट लौटने वाला था। कंपनी ने बयान में कहा- हमारी फ्लाइट एसयूजेड1 हादसे में शामिल थी। हम स्थानीय अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जो इस घटना से प्रभावित हुए हैं।

अमेरिका- लेक्सिंग्टन में चर्च में फायरिंग, दो महिलाओं की मौत:2 घायल

केंटकी, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी राज्य के लेक्सिंग्टन में रविवार को एक चर्च में फायरिंग में दो महिलाओं की मौत हो गई। दोनों महिलाओं की उम्र 72 साल और 32 साल बताई जा रही है। इसके अलावा दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि दूसरे की हालत स्थिर है। पुलिस ने बताया कि हमलावर को घटनास्थल पर ही मार गिराया गया। उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि अभी उसके परिवार को सूचना दी जानी बाकी है। हमलावर लेक्सिंग्टन के ब्लू ग्रास एयरपोर्ट पर एक पुलिस अधिकारी को गोली मारकर भागा था। इसमें पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, अब उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। एयरपोर्ट पर फायरिंग से यात्रियों में भी दहशत फैल गई। संदिग्ध ने चेकिंग के दौरान पुलिस पर गोली चलाई अधिकारियों ने बताया कि घायल पुलिस कर्मी ने सुबह 11:30 बजे ब्लू ग्रास एयरपोर्ट के पास चेकिंग के लिए एक कार रोकी थी। तभी कार सवार संदिग्ध ने उन्हें गोली मार दी। इसके बाद संदिग्ध वहां से भाग गया। उसने एयरपोर्ट से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक कार लूटी। वहां से लेक्सिंग्टन के रिचमंड रोड बैपटिस्ट चर्च भाग गया और लोगों पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस चोरी की कार का लोकेशन ट्रैक करते हुए चर्च तक पहुंची और हमलावर को मार गिराया। अभी संदिग्ध का नाम औप उसकी उम्र पता नहीं चली है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने फायरिंग क्यों की, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

अमेरिका में ग्रैंड कैन्यन के जंगल में लगी आग, ऐतिहासिक लॉज और कई इमारतें नष्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में जंगल में लगी भीषण आग ने एक पुराने ऐतिहासिक लॉज और कई अन्य इमारतों को नष्ट कर दिया है। इस वजह से अधिकारियों को पूरे गर्मियों के मौसम के लिए उत्तरी रिम को आम लोगों के लिए बंद करना पड़ा है। यह जानकारी पार्क के अधिकारियों ने रविवार को दी। ग्रैंड कैन्यन के इस हिस्से में एकमात्र लॉज- ग्रैंड कैन्यन लॉज आग में जल गया। पार्क के प्रभारी अधिकारी एड केबल ने बताया कि इस आग में आगंतुक केंद्र, पेट्रोल पंप, एक पानी साफ करने वाला संयंत्र, ऑफिस बिल्डिंग और कर्मचारियों के घर जैसी 50 से 80 इमारतें जल चुकी हैं। इनमें कुछ पुरानी और ऐतिहासिक झोपड़ियां भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की पत्थरों से पीट-पीट कर हत्या पांच हमलावर गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। जहां, एक हिंदू कबाड़ व्यापारी की भीड़ ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। हमलावरों ने 9 जुलाई को मिटफोर्ड अस्पताल के पास कारोबारी लाल चंद सोहाग (39) को पहले ईंटों और पत्थरों से पीटा फिर सिर और शरीर बुरी तरह कुचल दिया। भीड़ ने कारोबारी के कपड़े तक उतार दिए और कुछ हमलावर उनके शरीर पर कूदते-नाचते हुए देखे गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा की वजह जबरन वसूली और कारोबारी विवाद को बताया जा रहा है। हालांकि, अभी घटना के पीछे का असल मकसद सामने नहीं आया है। घटना के बाद पूरे देश में भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। हत्या की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी के गठन की मांग को लेकर वकील यूनुस अली अकंद ने रविवार को हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की। मामले में 19 आरोपियों को नामजद किया गया है, और 15-20 अज्ञात भी शामिल हैं। पुलिस ने अब तक पांच लोगो को गिरफ्तार किया है। मामले की सुनवाई सोमवार को होगी।

बहन ने दर्ज कराई शिकायत : घटना को लेकर लाल चंद की बहन मंजुआरा बेगम (42) ने गुरुवार को पुलिस थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने महमूदुल हसन

मोहिन, तारेक रहमान रॉबिन, आलमगीर, मोनिर और एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

दोषियों को सजा की मांग को लेकर विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन

घटना के बाद हत्या के दोषियों के लिए कठोर सजा की मांग को लेकर बीती रात कई विश्वविद्यालयों और कुछ जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए। रैलियों में स्टूडेंट ने बीएनपी पर अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। छात्र फेडरेशन के अध्यक्ष सैकत आरिफ ने कहा, हसीना के सत्ता से हटने के बाद, बीएनपी नेता नियंत्रण के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जिसके कारण हत्याएं हो रही हैं। बीएनपी को लगता है कि निष्कासन ही काफी है, लेकिन हम मांग करते हैं कि दोषियों पर मुकदमा चलाया जाए।

अप्रैल में हिंदू नेता की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी : बांग्लादेश में 19 अप्रैल, 2025 को अज्ञात लोगों ने एक बड़े हिंदू नेता की हत्या कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाबेश चंद्र रॉय (58) को उनके घर से किडनैप किया गया।

स्पेन के कई शहरों में भारी बारिश से बाढ़:गाड़ियां बही, दो लोग लापता; मदद के लिए सेना तैनात

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन हाल ही में भीषण गर्मी से जूझ रहा था, लेकिन अब बाढ़ की चपेट में है। यहां शनिवार को भारी बारिश और ष्ठद्ग नाम के तूफान के कारण बाढ़ आ गई है। स्पेन की क्वील्स नदी, लोब्रेगाट नदी और एल कार्डेनर नदी उफान पर है। वहीं, स्पेन के बार्सिलोना (कैटेलोनिया) में बाढ़ से दो लोग लापता हो गए। स्पेन के शहर ताराजोना में 11 जुलाई को एक घंटे में 100 मिमी (3.9 इंच) बारिश दर्ज की गई, जिसके कारण सड़कों पर पानी भर गया। कई कारें पानी में बह गईं और घरों-इमारतों को भारी नुकसान हुआ। प्रभावित इलाकों में मदद के लिए सेना को तैनात किया गया। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

मौसम एजेंसी ने बारिश की चेतावनी दी : स्पेन की मौसम एजेंसी एईएमईटी ने उत्तरी और पूर्वी स्पेन में 30-40 मिमी प्रति घंटा बारिश और ओलों की चेतावनी दी। यह मौसमी बदलाव हीट डोम के कारण था, जिसने यूरोपीय देशों में तापमान को 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा दिया था। जून में स्पेन का पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

स्पेन में पिछले साल बाढ़ से 205 लोगों की मौत हुई थी स्पेन में नवंबर 2024 में भीषण बाढ़ आई थी। जिसमें कम से कम 205 लोगों की मौत हो गई थी। स्पेन के वैलेंसिया में 29 अक्टूबर को सिर्फ आठ घंटे में 12 इंच बारिश हुई थी। इतनी बारिश सालभर में होती है। भारी बारिश से अचानक बाढ़ आ गई थी, जिससे कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का मौका नहीं मिला पाया। स्पेन के हालिया इतिहास में यह पहली बार था, जब इतने लोगों की बाढ़ से मौत हो गई थी। बीबीसी के मुताबिक, स्पेन में इससे पहले साल 1973 में सबसे बड़ी बाढ़ आई थी। तब 150 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 1957 में वैलेंसिया शहर में भीषण बाढ़ आई थी, इसमें 81 लोगों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में नजर आए राम, लक्ष्मण और सीता, कराची में रामायण का मंचन, दर्शकों की मिल रही सराहना

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में एक पाकिस्तानी नाटक समूह रामायण का मंचन करके सुर्खियां बटोर रहा है। सप्ताहांत में कराची आर्ट्स काउंसिल में रामायण का मंचन करने वाले नाटक समूह 'मौज' को एआई संवर्द्धन का उपयोग करके महाकाव्य को जीवंत बनाने के उनके प्रयासों के लिए सराहना मिली है। निर्देशक योहेश्वर करेरा ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि 'रामायण' का मंचन करने से लोग उन्हें नापसंद करेंगे या उन्हें किसी तरह की धमकी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए, रामायण को मंच पर जीवंत करना एक अद्भुत दृश्य अनुभव है और यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक सहिष्णु है। करेरा ने कहा कि नाटक को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और कई समीक्षकों ने इसके निर्माण और कलाकारों के अभिनय की सराहना की है। कला और फिल्म समीक्षक ओमैर अलवी ने कहा कि वे कहानी कहने की ईमानदारी से प्रभावित हुए और प्रकाश व्यवस्था, संगीत, रंग-बिरंगे परिधान और भावपूर्ण डिजाइन ने इस शो की भव्यता में चार चांद लगा दिये। उन्होंने कहा, रामायण एक ऐसी कहानी है जो दुनिया भर के लाखों लोगों के साथ जुड़ती है। सीता की भूमिका निभाने वाली निर्माता राणा काजमी ने कहा कि वह इस प्राचीन कथा को दर्शकों के लिए एक जीवंत अनुभव के रूप में प्रस्तुत करने के विचार से रोमांचित थीं। कलाकारों को नहीं मिली कोई

धमकी वीकेंड में कराची आर्ट्स काउंसिल में रामायण का मंचन करने वाले नाटक समूह 'मौज' को एआई तकनीक का उपयोग करके महाकाव्य को जीवंत बनाने के उनके प्रयासों के लिए खूब तारीफें मिली हैं। निर्देशक योहेश्वर करेरा ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि 'रामायण' का मंचन करने से लोग उन्हें नापसंद करेंगे या उन्हें किसी तरह की धमकी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए, रामायण को मंच पर जीवंत करना एक अद्भुत दृश्य अनुभव है और यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज जितना माना जाता है, उससे कहीं अधिक सहिष्णु है।' करेरा ने कहा कि नाटक को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और कई समीक्षकों ने इसके निर्माण और कलाकारों के अभिनय की सराहना की है।

दिन भर अच्छी बातें करते हैं और फिर रात में करा देते हैं बमबारी; पुतिन पर ट्रंप का तंज

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस से जारी युद्ध के बीच अमेरिका एक बार फिर से यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि यूएस यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें भेजने जा रहा है। उन्होंने कहा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिन में अच्छी बातें करते हैं, लेकिन रात में बमबारी होने लगती है। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि कितनी पैट्रियट मिसाइलें भेजी जाएंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ इनकी लागत का भुगतान करेगा। यह कदम यूक्रेन की रूस से होने वाले मिसाइल और ड्रोन हमलों से रक्षा करने की जरूरत को पूरा करने के लिए उठाया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुतिन के रवैये से वह निराश हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम यूक्रेन को विभिन्न आधुनिक सैन्य उपकरण भेजेंगे और वे इसके लिए हमें 100 फीसदी भुगतान करेंगे। ट्रंप का यह बयान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने रूस के हमलों से बचाव के लिए अधिक रक्षात्मक हथियारों की मांग की थी।

रूस के खिलाफ यूक्रेन के समर्थन में आए ट्रम्प : ट्रम्प के करीबी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कहना है कि युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर है। ट्रम्प यूक्रेन को रूस के खिलाफ सैन्य समर्थन देने के पक्ष में आ गए हैं। ग्राहम के मुताबिक, आने वाले दिनों में यूक्रेन को रिकॉर्ड स्तर पर हथियारों की आपूर्ति शुरू होगी। उन्होंने कहा, पुतिन की सबसे बड़ी भूल यह थी कि उसने ट्रम्प को हल्के में लिया।

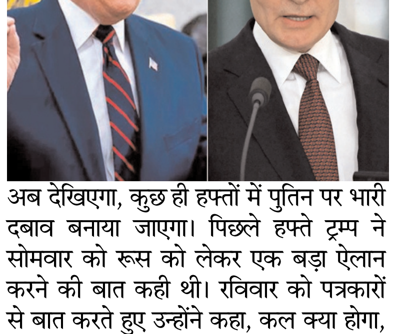

अब देखिएगा, कुछ ही हफ्तों में पुतिन पर भारी दबाव बनाया जाएगा। पिछले हफ्ते ट्रम्प ने सोमवार को रूस को लेकर एक बड़ा ऐलान करने की बात कही थी। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, कल क्या होगा, यह कल ही देखेंगे। ट्रम्प ने गुरुवार को बताया था कि नाटो सहयोगियों और यूक्रेन के बीच अमेरिका से हथियारों की आपूर्ति को लेकर एक नया समझौता हुआ है।

यूक्रेन को 2.5 हजार करोड़ के हथियार देगा अमेरिका : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका 300 मिलियन डॉलर (2.5 हजार करोड़ रुपए) का पैकेज यूक्रेन को भेजने की तैयारी कर रहा है। इसमें पैट्रियट मिसाइल सिस्टम और मीडियम रेंज के रॉकेट शामिल होंगे। इसके साथ ट्रम्प ने कहा कि वे सोमवार को रूस को लेकर बड़ा बयान दे सकते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद ये पहली बार होगा जब ट्रम्प प्रेसिडेंशियल ड्रॉडाउन अथॉरिटी के तहत यूक्रेन को हथियार भेजने की अनुमति देंगे। यह एक कानूनी तरीका है जो राष्ट्रपति को बुरे समय में अमेरिकी भंडार से सीधे हथियार भेजने की अनुमति देता है। इससे पहले ट्रम्प सरकार ने केवल पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा मंजूर किए गए हथियार ही यूक्रेन को भेजे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नाटो महासचिव मार्क रट्टे से मुलाकात की योजना है, जिसमें यूक्रेन और अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। यह कदम तब उठाया गया है, जब रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष में तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का यह फैसला यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ाने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना जा रहा है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और डोनबास में अलगाववादी संघर्ष से हुई, जो 2022 में रूस के बड़े पैमाने पर आक्रमण के साथ बढ़ गया। इसके मुख्य कारणों में रूस का यूक्रेन की नाटो सदस्यता का विरोध, क्षेत्रीय प्रभाव और रूसी भाषी आबादी की सुरक्षा के दावे शामिल हैं। इस युद्ध में भारी जनहानि हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने हिसार जिले से किया उज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान का शुभारंभ

कौमी पत्रिका

चण्डीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से उज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान का शुभारंभ किया। यह राज्यव्यापी अभियान विशेष रूप से स्कूली बच्चों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराने और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निकट दृष्टि सुधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह अभियान नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष बजट प्रावधान भी किया गया है। इसके अंतर्गत 1.4 लाख से अधिक चश्मों का एक साथ वितरण किया जाएगा, जो कि राज्य के 22 जिला अस्पतालों, 50 उपमंडलीय अस्पतालों और 122 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा। यह देश में अपनी तरह का सबसे ब ड़ा और अनूठा अभियान है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत 14 हजार 267 राजकीय स्कूलों में प ढ़ रहे लगभग 21 लाख छात्रों की आंखों की जांच की जाएगी, जिनमें से 40 हजार जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे। साथ ही, 50 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की मोतियाबिंद की जांच भी की जाएगी तथा आवश्यकता प ड़ने पर उन्हें सरकारी या एनजीओ अस्पतालों में निःशुल्क सर्जरी की सुविधा दी जाएगी। यह सिर्फ आँखों की रोशनी नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को उज्वल बनाने की दिशा में कदम है – आरती सिंह राव राज्य स्तरीय उज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान के तहत विभिन्न जिलों में हो रहे कार्यक्रम से वर्चुअली जु ड़ते हुए आरती सिंह राव ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल नेत्र जांच और चश्मा वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हरियाणा के नागरिकों को आत्मनिर्भर, समान और स्वस्थ समाज की ओर अग्रसर करने की एक ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ आंखों की रोशनी बहाल करना नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को भी उज्वल बनाना है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि दृष्टि दोष, मोतियाबिंद के बाद अंधत्व का दूसरा सबसे ब ड़ा कारण है और समय रहते उपचार न हो तो यह स्थायी अंधत्व में बदल सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह व्यापक अभियान राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है जो कॉर्नियल अंधापन के इलाज के लिए प्राइवेट और एनजीओ अस्पतालों में निःशुल्क ट्रांसप्लांट हेतु 15 हजार रुपये की सहायता देता है। हर साल राज्य में 800 से अधिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किए जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर एक रिकॉर्ड है। इस उद्देश्य के लिए 22 आई डोनेशन सेंटर्स भी संचालित हैं। कैबिनेट मंत्री ने जनता से नेत्रदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा, आपका एक नेत्रदान किसी की पूरी दुनिया रोशन कर सकता है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि सरकार आधुनिक उपकरण, मोबाइल मेडिकल यूनिट और टेलीमेडिसिन जैसी सेवाओं के जरिए प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

विकसित भारत के निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भागीदारी ज़रूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हम 21वीं सदी में हैं और अब यह तय करना आप जैसे युवाओं की जिम्मेदारी है कि देश को किस दिशा में लेकर जाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना देखा है, उसे साकार करने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उद्योग मंत्री शनिवार को गुरुग्राम में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा आयोजित दो दिवसीय छात्र सम्मेलन 'मंथन' के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने सिंगल यूज़ पॉलीथिन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, क्योंकि यह पर्यावरण प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण हेतु समाज में जागरूकता फैलाएं, स्वयं पॉलिथिन का प्रयोग न करें तथा दूसरों को भी इसके उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करें। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण अपील करते हुए कहा कि विवाह जैसे समारोहों में छपाई वाले कार्ड का प्रयोग न किया जाए

सीएम योगी के ग्राम-ऊर्जा मॉडल से बदल जाएगी गांवों की सूरत

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 15 जुलाई। उत्तर प्रदेश के गांवों की तस्वीर अब बदलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत एक नई योजना की शुरुआत हो रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर और ऊर्जा-संपन्न बनाया जाएगा। इस योजना से न केवल घरेलू रसोई गैस की खपत में भारी कमी आएगी, बल्कि जैविक/ प्राकृतिक खाद के उत्पादन से कृषि को भी नई दिशा मिलेगी। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि गांवों में घरेलू बायोगैस यूनिटों की स्थापना से रसोई में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी की खपत में करीब 70% तक की कमी आएगी। इससे न केवल ग्रामीण परिवारों की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। योगी सरकार की योजना है कि केवल गोशालाओं तक सीमित न रहते हुए यह मॉडल किसानों के दरवाजे तक पहुंचे। बायोगैस यूनिटों की स्थापना सीधे किसानों के घरों या खेतों के पास की जाएगी, जिससे वे स्वयं के उपयोग के लिए गैस और खाद दोनों का उत्पादन कर सकें। इससे खेती की लागत में भारी कमी आएगी और उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस योजना को मनरेगा से भी जोड़ा गया है, जिसके तहत ग्रामीण किसानों को व्यक्तिगत पशुशाला (इंडिविजुअल कैटल शेड) निर्माण का लाभ मिलेगा। इन पशुशालाओं से उत्पादित गोबर का उपयोग बायोगैस यूनिट में कर किसान खुद की रसोई के लिए गैस बना सकेंगे। साथ ही, इससे निकलने वाली स्लरी को वे आसपास के जैविक खेती करने वाले किसानों को बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकेंगे। इससे वे गैस व खाद दोनों में आत्मनिर्भर बनेंगे। योगी सरकार 43 चयनित गोशालाओं में बायोगैस और जैविक खाद संयंत्रों को चालू करने जा रही है। इन संयंत्रों से न सिर्फ गैस का उत्पादन होगा, बल्कि गोबर से तैयार स्लरी से जैविक/प्राकृतिक खाद भी बनेगी। हर गोशाला से प्रतिमाह 50 क्विंटल स्लरी तैयार होने की संभावना है, जिसे आसपास के किसान उपयोग में ला सकेंगे। इस योजना से एक ओर जहां पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। संयंत्रों के संचालन, रखरखाव, खाद वितरण, तकनीकी सहायता जैसे कार्यों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार यह मॉडल 'आत्मनिर्भर ग्राम, सशक्त किसान' के सपने को साकार करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ग्राम-ऊर्जा मॉडल उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित होगा। जैविक खेती, स्वच्छ ऊर्जा और स्थानीय रोजगार सृजन की त्रिस्तरीय रणनीति के तहत यह योजना ग्रामीण विकास के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

डीटीसी का कायापलट करेगी रेखा सरकार. . . .

प्रथम पृष्ठ का शेष

उच्चस्तरीय बैठक केबाद मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हम दिल्ली की सभी परिवहनसेवाओं जैसे डीटीसी, मेट्रो, आरआरटीएस के लिए एक ही स्मार्टकार्ड लाने जा रहे हैं। इसमें दिल्ली की महिलाओं/ट्रांसजेंडर्स केलिए पिंक कार्ड भी शामिल है, जिसके आधार पर वे डीटीसी मेंमुफ्त सफर कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस मसले परबैंकों से बात चल रही है जो लोगों को कार्ड जारी करेंगे। लोगोंतक यह कार्ड आसानी से पहुंचे, इसके लिए फुलप्रूफ व्यवस्थाबनाई जा रही है। यह कार्ड दिल्ली वालों को परेशानी से बचानेके लिए बड़ी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि दिल्लीमें डीटीसी के अधीन 660 छोटी इलेक्ट्रिक बसें और 1800 बड़ीइलेक्ट्रिक चल रही हैं। ईवी बसें की कुल 4800 बसें हैं। इसकेअलावा सीएनजी की भी 1800 बसों का बेड़ा दौड़ रहा है। हमनेपाया कि इलेक्ट्रिक बसों के आने से डीटीसी की पहुंच तो बढ़ीहै, लेकिन इनके रूट अभी भी पुराने ढर्रे पर चल रहे हैं, जिससेयह बसें पूरी दिल्ली के यात्रियों को कवर नही कर पा रही है। हमारी सरकार ने आईआईटी दिल्ली के साथ मिलकर बसों कानया रूट बनाया है। इस रूट की विशेषता यह है कि यह दिल्लीके छोटे इलाकों को तो कवर ही करेगा साथ ही दिल्ली मेट्रो सेभी यात्रियों को जोड़ेगा। प्रयोग के तौर पर शीघ्र ही यमुनापार मेंयह सिस्टम लागू किया जा रहा है। उसके बाद इसे पूरी दिल्लीमें लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि उनकी सरकार दिल्ली केसभी बस क्यू शैल्टरों को यात्रियों के लिए सुविधाजनक तोबनाने जा ही रही है, साथ ही उन्हें हाईटेक भी बनाया जाएगा, ताकि वहां से समय पर बस रूट की जानकारी और उनके आनेका समय भी पता चल सके। उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली में4627 बस क्यू शैल्टर हैं। इनमें से 2021 कार्यरत हैं। अगरडिज़ाइन की बात करें तो 1580 स्टील के बने हैं और 250 पुरानेबस शेल्टर हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि परिवहन विभाग ने देशके अलावा कुछ देशों के बस क्यू शैल्टर का भी अध्ययन कियाहै और दिल्ली के इलाकों के मिजाज से कुछ शेल्टरों का चयनकिया है। यह सभी शेल्टर पीपीपी आधार पर बनाए जाएंगे औरइस बात का ध्यान रखा जाएगा कि वे सौर ऊर्जा से संचालितहों। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि हमारी सरकार नेदिल्ली के अंतरराज्यीय बस अड्डों को अति आधुनिक बनाने कानिर्णय लिया है। इनमें कश्मीरी गेट, सराय काले खां, आनंदविहार आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सालों से इन बसअड्डों का ध्यान नहीं रखा गया है, जिस कारण वहां यात्रियों कोपर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। हमारी सरकार इन बसअड्डों को अति आधुनिक व यात्रियों के लिए सुविधाजनकबनाएगी। इन बस अड्डों का लुक हवाई अड्डों जैसा नजरआएगा। सारी आधुनिक सुविधाओं से इन बस अड्डों कोसंचालित किया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही कार्रवाई की जाही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और सहयोग से दिल्ली को विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन सुविधा से सुसज्जित करने का सपना शीघ्र ही साकार होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जनहित में केंद्र और राज्य सरकार के साझा प्रयासों से दिल्लीवासियों को आने वाले वर्षों में एक सुलभ, हरित और स्मार्ट परिवहन व्यवस्था का अनुभव होगा।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सदस्य न्यायमूर्ति डॉ. अहमद ने पर्यावरण संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया

फगवाड़ा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सदस्य न्यायमूर्ति डॉ. अफरोज़ अहमद ने आज कपूरथला ज़िले में जिला पर्यावरण योजना की समीक्षा की और पर्यावरण को साझी विरासत बताते हुए इसके संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया। आज फगवाड़ा में उपायुक्त अमित कुमार पंचाल, नगर निगमों के आयुक्तों और विभागाध्यक्षों के साथ जिला पर्यावरण योजना की समीक्षा करते हुए, राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सदस्य ने कपूरथला ज़िले में सिंचाई के लिए उपचारित सीवेज जल के उपयोग पर संतोष व्यक्त किया। भूजल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी ज़रूरत बताते हुए, डॉ. अफरोज़ ने कहा कि यह एक प्राकृतिक उपहार है जिसका संरक्षण हम सभी की ज़िम्मेदारी है। उपायुक्त अमित कुमार पंचाल ने बैठक के दौरान कपूरथला और फगवाड़ा नगर निगमों, नगर परिषद सुल्तानपुर लोधी और नडाला, ढिलवां, भोलाथ नगर पंचायतों के अधिकारियों से मुलाकात की। बेगोवाल में कूड़े के उचित निपटान के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा, जिले के 81 गांवों में कूड़े की समस्या के समाधान के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं। इसके अलावा, थापर मॉडल के तहत तालाबों का निर्माण कर पानी को साफ किया जा रहा है। डॉ. अफरोज अहमद ने उद्योगों द्वारा प्रदूषण रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को कहा कि वे सभी उद्योगों में प्रदूषण जांच उपकरण लगाना सुनिश्चित करें। इसके अलावा, उन्होंने जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के निपटान की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकारी और निजी अस्पतालों में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के पृथक्करण और उसके उचित निपटान की भी समीक्षा की गई। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए गांवों में सेमिनार आयोजित करने का आह्वान करते हुए, डॉ. अफरोज ने कहा कि पराली को बेलर में बांधकर सही तरीके से उपयोग किया जाना चाहिए। डिप्टी कमिश्नर पांचाल ने ग्रीन ट्रिब्यूनल के सदस्य को आश्वासन दिया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों को और तेज किया जाएगा। जिला प्रशासन ने डॉ. अफरोज अहमद को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर फगवाड़ा नगर निगम की आयुक्त डॉ. अक्षिता गुप्ता, कपूरथला नगर निगम आयुक्त अनुपम कलेर, अतिरिक्त उपायुक्त नवनीत कौर बल, अतिरिक्त उपायुक्त वरिंदरपाल सिंह बाजवा, एसडीएम डेवी गोयल व अलका कालिया सहित सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Ms. Minakshi D/o Mr. Sandeep is the owner of Freehold Plot area measuring 0 Kanal, 6 Marla, 6 Sarsai i.e. 200 Sq. Yds., Out of Khewat/Khata No. 771/782, Mu. No. 136, Killa No. 24(8-0), 25(8-0), Mu. No. 137, Killa No. 4(8-0), 5(8-0), 6(8-0), 7(8-0) & 14/7(2-1), Situated at Wake Siwana Mauja Farukhnagar & Tehsil-Farukhnagar, District- Gurugram, Haryana. by virtue of Sale Deed dated 18.02.2025 Vide Doc. No. 3709, Book No. 1, SR-Farukhnagar., in the Chain Document below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 05.11.2012 executed by Mr. Kawal Singh in favour of Mr. Sanjay Yadav as Doc no. 2966 SR- Farukhnagar & Original Sale Deed dated 16.03.2018 executed by Mr. Sanjay Yadav in favour of Mrs. Rajni Devi vide Doc no. 3867 SR- Farukhnagar., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Gurgaon, Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I hitherto known as Kalsang Tsering S/o Topgay Lama R/o Nelson Mandela Road, 138, Munirka Enclave, South West Delhi, Delhi-110067 have changed my name and shall hereafter be known as Kalsang Tsering Bhutia.

NAME CHANGE

I, TEJINDER KAUR W/O RANJAN DEEP SINGH residing at A-2/49, SAFDARJUNG ENCLAVE, NEW DELHI -110029. have changed my name to TEJINDER WADHWA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, VISHNUMUKHI Mother of NO-15712141A Rank-HAV Name-AJAY KUMAR residing at VILL-SAKROULI, PO-BHARKHANI, TEHSIL-SAWAYAJAPUR, DIST-HARDOI, UTTAR PRADESH-241123, have changed my name from VISHNUMUKHI to VISHN MUKHI for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kumari Pooja D/O Raje Ram R/O H.No-42, Thana Loni, Sikhrani, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Poonam Kumari.

NAME CHANGE

I hitherto known as Satyaveer Singh S/o Bihari R/o 110, Greater Noida, Dabra, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201310. have changed my name and shall hereafter be known as SATVIR SINGH.

NAME CHANGE

I, Sarfaraz S/O Khalil Ahmad, R/O House No.154, 20 Futa Road, Alvi Nagar Sadullabad, Near Namara Masjid, Loni Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed the name of my minor son namely Fazil aged 8 years and he shall hereafter be known as MOHD AFNAN.

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता के लिए है कि मेरे मुवक्किलो श्री जय प्रकाश यादव, उम्र लगभग 59 वर्ष, पुत्र श्री कुंज लाल और श्रीमती पूनम यादव उम्र लगभग 54 वर्ष, पत्नी श्री जय प्रकाश यादव दोनों निवासी आरजेड-686 ए/1, गली नं 27, साध नगर-II, पालम कॉलोनी, पालम गांव, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110045 ने अपने पुत्र श्री सचिन यादव, उम्र लगभग 33 वर्ष और उनकी पत्नी श्रीमती सुषमा यादव, उम्र 35 वर्ष (पुत्र वधू) और उनके बच्चे सुश्री शानवी यादव, उम्र लगभग 06 वर्ष और श्री नवीश यादव, उम्र लगभग 03 वर्ष, सभी निवासी आरजेड-686 ए/1, गली नंबर 27, साध नगर-II, पालम कॉलोनी, पालम गांव, दक्षिण पश्चिम दिल्ली-110045 को उनको सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। मेरे मुवक्किलो ने भी उनसे अपने सभी सामाजिक संबंध तोड़ लिए हैं क्योंकि वे अवज्ञाकारी हो गए हैं और उनके नियंत्रण में नहीं हैं। इसके अलावा, भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वे ज़िम्मेदार/उत्तरदायी नहीं होंगे और दोनों ही मुवक्किलों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं।

HARDWARI LAL ADVOCATE
E.No. D-172B/1982 CHAMBER NO.325,3RDFLOOR LAWYERS CHAMBER, DWARKA COURT
NEW DELHI-110075.
(M): 9810960086

NAME CHANGE

I Shalu W/o Deepak R/o Sharifabad Rajapur, Farrukh Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003 have changed the name of my minor daughter Ginni aged 14 years and she shall hereafter be known as Sonakshi.

NAME CHANGE

I Sanjeev Tripathi S/o Suresh Chandra Tripathi R/o L-126 A, Shankar Puri Market Sector-9, Near Shiv Mandir, New Vijay Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor son Aviral Tripathi aged 13 years and he shall hereafter be known as Arsh Tripathi.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I Pritam Arora s/o Prabhudayal Arora owner of A-2/12A, G/F,Lawrence Road Delhi -35, has applied for Certified Paper of the aforesaid flat such as original DDA Demand Cum allotment letter has been Lost File no (f-3 (255)83/HBM /NP.at FIR NO LR No -3002731/ 2025 as per dated 13/07/2025, any person claiming any right intrest having any objection or found in possession of original documents may write/ Cont -8700795823 . Dy.director (LAB) (Housing) or Director Housing. DDA office vikas sadan new delhi within 15 days from the date of publication of this notice.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sonu Kumar Choudhary S/O: Anil choudhary R/O 203 Diwan Singh Appartment 2nd floor, Old shiv mandir Road Rangpuri,VTC: Malik Pur Kohi alias Rang Puri, PO: Mahipalpur, District: South West Delhi,: Delhi- 110037, declare that name of mine has been wrongly written as Bintu Kumar Choudhary in my Pan card no BXTPC0156L.The actual name of mine is SONU KUMAR CHOUDHARY,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Gurjit Kaur W/O Vikramjeet Singh Dhillon R/O 90/65-B, Behind Desu Office, Malviya Nagar South Delhi-110017 Have changed my name to Gurjeet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, BALRAJ SINGH S/o MAHENDRA SINGH R/o Flat No. 181, Pocket-6, DDA Flats, Sec B-4, Near Main Park, Narela, North West Delhi, Delhi-110040, declare that name of mine has been wrongly written as BALRAJ SINGH TOMAR in my Service Record. The actual name of mine is BALRAJ SINGH, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल शशि भूषण सिंह और उनकी पत्नी अनीता देवी निवासी ई -556/बी, गली न -14,शिव दुर्गा विहार ,लक्कड़पुर, सूरजकुंड -फरीदाबाद, हरियाणा -121009 मूल निवासी-गांव- मुबारकपुर(तिवारी टोला),डाकघर-मुबारकपुर, पुलिस थाना- माझी, जिला- छपरा ,बिहार 841209 ने अपने बेटा धीरज कुमार और उनकी पत्नी सरोज कुमारी को अपनी सारी चल/अचल संपत्ति और परिसंपत्तियों से वंचित/अस्वीकार कर दिया है और इन से (पुत्र और पुत्रबधू)से सारे संबंध विच्छेद कर लिए हैं मेरे मुवक्किल भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

देवेंद्र कुमार एडवोकेट
D/ 95/24

NAME CHANGE

I, Ujjma Khan D/O Aizaz Ahmed R/O A-3/C-1/2,D. L. F. Colony, Sahibabad , PO: Sahibabad , Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201005, have changed my name and shall hereafter be known as Nemati Ujma

NAME CHANGE

I Deepali Malhotra D/o shri Jagdish Kumar , R/o 23/14 B Block Tilak Nagar, Delhi-110018, I have changed my Name Deepali to Deepali Malhotra , for all Future Purpose, both are the same and one person.

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOW TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENTS MR. DHARMPAL S/O LATE SH. BABU LAL AND MRS. SUSHMA W/O MR. DHARMPAL BOTH R/O TC-519, TRANSIT CAMP, 12.5 GAJ, RAGHUBIR NAGAR, TAGORE GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110027 HEREBY DECLARE THAT THEY HAVE EXPELLED, DISOWNED AND DIS-INHERITED THEIR SON I.E. HIRA LAL & DAUGHTER-IN-LAW I.E. PRIYANKA (W/O HIRA LAL) & GRANDDAUGHTER I.E. GANGA (D/O HIRA LAL & PRIYANKA) DUE TO MISBEHAVIOUR OF THEIR ABOVE MENTIONED SON & DAUGHTER-IN-LAW FROM THEIR ALL MOVABLE, IMMOVABLE PROPERTIES WHATSOEVER / WHEREEVER SITUATED & BANK DEPOSITS ETC. THEY HAVE ALSO RELEASED ALL THEIR RELATIONS WITH THEIR ABOVE MENTIONED SON, DAUGHTER-IN-LAW & GRANDDAUGHTER FOR ALL INTENTS AND PURPOSES, AND MY CLIENTS HEREBY DECLARE THAT THEY SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY OF ACTS AND OMISSIONS OF THEIR ABOVE MENTIONED SON DAUGHTER-IN-LAW & GRANDDAUGHTER FROM HERETO. ANYBODY DEALING WITH HIM/HER/THEM SHALL DO SO AT HIS/HER/THEIR OWN PERIL.

GULSHAN CHANANA
ADVOCATE
Office: 11/80, Ground Floor, Subhash Nagar, New Delhi-110027

NAME CHANGE

I, NIMDIKI TAMANG is legally mother of No. 13768927M Rank- HAV, Name-WANGDUP TAMANG R/o VILL-MIM TE LINE DHURA, PO-SUKHIA POKHARI, TEH-DARJEELING, DIST-DARJEELING (WB)-734221 have changed my name from NIMDIKI TAMANG to NIMDIKI SHERPA TAMANG for all future purposes. Vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I VIRENDER KUMAR S/O T S GAUTAM R/O FLAT NO-72, SIDDHARTH NIKETAN SOCIETY SECTOR-14, KAUSHAMBI, SO: SAHIBABAD, GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201010, declare that name of mine has been wrongly written as VIRENDER KUMAR GAUTAM in my 10th class educational documents and name of my father has been wrongly written as TOTA SINGH in my service record, The actual name of mine and my father are VIRENDER KUMAR and T S GAUTAM respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

Under instructions from my client Ramesh Babu, S/o. Late Sh. Budhram R/o. 38-F, 2nd Floor, Khanpur Extension, South Delhi, New Delhi-110062 1, Arabinda Nayak, Advocate, hereby inform the general public that my client has lost his original lease deed dated 04.07.2025 executed by Vijay Kumar S/o. Late Sh. Pool Singh against property Flat No.1,2, and 5 House No. F-38, Khem Chand Complex, Khanpur, New Delhi-110062 Despite diligent search, the said document/item could not be traced. A complaint has been lodged with the Ps. Crime Branch, Delhi, vide SO No. 430/2014, vide LR No. 2993892/2025 dated 10.07.2025 and necessary steps are being taken.If anyone finds the above-mentioned document/item, they may contact the undersigned at the address or phone number mentioned below. Any misuse of the said document by any person shall be at their own risk and legal consequences shall follow.

ARABINDA NAYAK Advocate
Ch. No. 245-A, Lawyer's Chamber Block District Court Complex, Saket, New Delhi-17

NAME CHANGE

I, JAYASHRI wife of NO-2608160Y Rank-HAV Name- GANGAPPA R/O VPO-NAVALAGUND, DIST-DHARWAD, KARNATAKA-582208 have changed my name from JAYASHRI to JAYASHRI GANGAPPA HULAJOGI for all future purposes vide Affidavit Dated 15/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Babbi Devi W/O ANIL THAKUR, R/O HOUSE NO-B-231, G/F, BLOCK-B, Badarpur, GALI NO-7 SINDHU FARM ROAD MEETHAPUR EXTN, Badarpur, South Delhi, Delhi - 110044, have charged the name of my minor son namely Piyush aged 16 years and he shall hereafter be known as SUSHANT THAKUR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Marry D/O Vedivel R/O T 234, MADSARI CAMP, JAL VIHAR LAJPAT NAGAR NEW DELHI, Lajpat Nagar S.O, South Delhi, Delhi, 110024,have changed my name and shall hereafter be known as SAVITHA .

NAME CHANGE

I, No. 15684154Y Rank-HAV Name-VIGENDER KUMAR RANWA Presently residing at WARD NO-01, RANWA KI DHANI, BHORKI, JHUNJHUNUN, RAJASTHAN-333032, have changed my mother's name from PARMASAWARY DEVI to PRAMESHVARI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SUMAN wife of JC-773428F, Rank-SUB Name-RAMKUMAR residing at VPO-BILASPUR, TEHSIL-MUZAFFARNAGAR, DISTT-MUZAFFARNAGAR, U.P-251001, have changed my name from SUMAN to SUMAN DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PRITY SINGH is legally wedded spouse of no. 15684876L Rank HAV Name KAUSHAL KUMAR SINGH, R/O VILL- SWARNDIH, PO-TARAPUR TEH-TARAPUR, DIST-MUNGER (BIHAR)-813221 have change my name form PRITY SINGH to PRITI KUMARI for all future purposes. And in my husband service records my Date of Birth wrongly mentioned is 12/02/1990 instead of 12/02/1992. Vide affidavit Dated 15/07/2025 Before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE

I, Shahina Foorqan w/o Mohd Furqan R/o 1844, Gali Wazir Beg, Near Chand Wali Masjid, Turkman Gate, Delhi-110006 have changed my name to Shahina Parveen for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Kaushal Kishore Rai ,R/o E-212 Saraswati Kunj Plot No-25 I P Extension Delhi-110092 have changed my Minor Son name from Janak Radomir to Janak Radomir Rai for all Purposes

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि सुश्री साध्वी गौर और श्रीमती रोज़ी गौर निर्मित संपत्ति संख्या I/32, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, जो कि लाजपत नगर-II, नई दिल्ली-110024 में स्थित है, के भूतल (छत के अधिकारों के बिना), जिसे आगे उक्त तल कहा जाएगा, की स्वामित्वधारक हैं। इस संपत्ति के मूल स्वामी श्री एस. के. गौर थे, जिन्होंने इसे राष्ट्रपति महोदय से एल एंड डी ओ (L&DO) के माध्यम से पट्टा विलेख (Lease Deed) दिनांक 31.03.1981 और अभिसंपादन विलेख (Conveyance Deed) दिनांक 15.06.2001 के माध्यम से खरीदा था। इसके पश्चात, श्री स्वदेश कुमार गौर ने संपत्ति को श्री मुकेश गौर को सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विक्रय अनुबंध (Agreement to Sell), और वसीयतनामा (Will) दिनांक 15.08.1998 के माध्यम से स्थानांतरित किया। तत्पश्चात, श्री स्वदेश कुमार गौर ने अपने GPA धारक श्री मुकेश गौर के माध्यम से उक्त संपत्ति के उत्तरी भाग को श्रीमती रोज़ी गौर को विक्रय विलेख (Sale Deed) दिनांक 16.07.2003 के माध्यम से विक्रय कर दिया। दुर्भाग्यवश, श्री मुकेश गौर का निधन हो गया, जिनके पीछे कानूनी उत्तराधिकारियों के रूप में श्री आदित्य गौर, सुश्री साध्वी गौर, और श्रीमती रोज़ी गौर शेष रहे। श्री आदित्य गौर और सुश्री साध्वी गौर ने दिनांक 07.12.2012 को निष्क्रिया विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से अपनी हिस्सेदारी श्रीमती रोज़ी गौर के पक्ष में त्याग दी। अंततः, श्रीमती रोज़ी गौर ने उक्त संपत्ति के उत्तरी भाग को उपहार विलेख (Gift Deed) दिनांक 17.02.2022 के माध्यम से सुश्री साध्वी गौर को उपहार में दे दिया। वर्तमान में उक्त संपत्ति को आरबीएल बैंक लिमिटेड, शाखा- पीतमपुरा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। कृपया ध्यान दें कि संपत्ति की मूल चेन दस्तावेज़, विशेष रूप से विक्रय विलेख (Sale Deed) जो कि दस्तावेज़ संख्या 5819, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 3447, पृष्ठ संख्या 155-160, दिनांक 16.07.2003 है, गुम हो गए हैं। इस संदर्भ में एक ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या- 299009/2022) दिनांक 09.04.2022 को अपराध शाखा, दिल्ली में दर्ज करवाई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, SACHIN BHATI S/o SHRI MANGERAM R/O Village-Salarpur, VTC: Noida, PO- Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P- 201301, have changed the name of my minor Son OM BHATI alias SHIVANSH BHATI, aged 09 Years and he shall hereafter be known as SHIVANSH BHATI.

NAME CHANGE

I, MAZID HUSSAIN S/O MOHD BAKSH resident of H NO-2795, GALI NO-6, CHANDRAPURI, KAILASH NAGAR, GANDHI NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110031 have changed my name to MAJID HUSAIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, CHANDRA PAL S/O PORAN CHAND residing at N3-E-497, SHAHID SUKHDEV NAGAR, WAZIRPUR INDUSTRIAL AREA, DELHI-110052. have changed my name to CHANDER PAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I SASI VELLORE W/O JEEVAN KUMAR RAMINENI PREMADRI R/O FLAT NO M-113 JAL VAYU TOWERS GURGAON SECTOR 56 HARYANA 122011 HAVE CHANED MY NAME TO SASI VELURU

NAME CHANGE

I, No-15331361L Rank-HAV Name-NAUBAHAR residing at VILL-TIRPARI, PO-KHANDEWLA, TEHSIL-FARRUKHNAGAR, DISTT-GURGAON, HARYANA-122504, have changed my name from NAUBAHAR to NAUBAHAR SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती बंती देवी पत्नी श्री छतरपाल सिंह, श्री मनोज कुमार से ग्राम ढरगल, परगना जलालाबाद, तहसील एवं जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित, खसरा नंबर 235 में से 25 वर्ग गज (अर्थात् 20.90 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल का एक भूखंड खरीदने का इरादा रखती हैं। श्री मनोज कुमार ने उक्त संपत्ति को श्रीमती नीलम देवी से बिक्री विलेख (Sale Deed) दिनांक 31.08.2020 के माध्यम से खरीदा था। यह संपत्ति सत्या माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस प्रा. लि., शाखा- उत्तम नगर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। कृपया ध्यान दें कि निम्नलिखित मूल श्रृंखला दस्तावेज (chain documents) गुम हो गए हैं- 1. मूल बिक्री विलेख, दस्तावेज़ संख्या 4627, बुक नंबर 01, वॉल्यूम नंबर 2810, पृष्ठ संख्या 61-69, दिनांक 16.06.2007, पंजीकृत कार्यालय उप-पंजीयक द्वितीय, गाज़ियाबाद में पंजीकृत। 2. मूल बिक्री विलेख, दस्तावेज़ संख्या 551, बुक नंबर 01, वॉल्यूम नंबर 4496, पृष्ठ संख्या 47-64, दिनांक 21.01.2011, उप-पंजीयक द्वितीय, सदर, गाज़ियाबाद में पंजीकृत। उपरोक्त दस्तावेजों की गुमशुदगी के संबंध में दिनांक 08.07.2025 को थाना सिहानी गेट, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में प्राथमिकी (स्त्रढ्ढक्र) दर्ज कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I SANJAY BEHL S/O KANWAR LAL BEHL R/O Q-53 1ST FLOOR BLOCK-Q MALKA GANJ NORTH DELHI 110007 HAVE Changed MY NAME TO SANJAY BEHAL

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री रतन सिंह, श्री सुरज भान यादव एवं श्री राजबीर सिंह, संपत्ति संख्या 02, भाग-क्ष रकबा 100 वर्ग गज, खसरा नंबर 109/4, जो कि राजस्व ग्राम पालम, दिल्ली की सीमाओं में स्थित है, और जो वर्तमान में राजापुरी कॉलोनी, ब्लॉक'च-1, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 के नाम से जानी जाती है, के मालिक हैं। इस संपत्ति के मूल मालिक श्री दिलीप सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 10.11.1983 को एक नोटराइज़्ड सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध (एग्रीमेंट टू सेल) और वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती शांति देवी को हस्तांतरित की थी। इसके पश्चात, श्रीमती शांति देवी ने उक्त संपत्ति को दिनांक 09.03.1987 को एक नोटराइज़्ड सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध और वसीयत के माध्यम से श्रीमती संतोष गुप्ता को स्थानांतरित कर दिया। बाद में, श्रीमती संतोष गुप्ता ने दिनांक 07.03.1988 को एक नोटराइज़्ड सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध और वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री राम कुमार गुप्ता को हस्तांतरित कर दी। श्री राम कुमार गुप्ता ने पुनः दिनांक 15.04.1988 को एक नोटराइज़्ड सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री अनुबंध और वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री श्यो नारायण के पक्ष में स्थानांतरित कर दी। श्री श्यो नारायण उक्त दस्तावेजों (दिनांक 17.01.1992) के आधार पर संपत्ति के स्वामी बन गए। दुर्भाग्यवश, उनका निधन 20.08.2006 को हो गया, और उनकी पत्नी श्रीमती चन्द्रो का निधन 13.08.2008 को हो गया। उनके पश्चात निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी पीछे रह गए- श्रीमती चंद्रवती (पुत्री), श्रीमती कमला (पुत्री), श्री राजबीर सिंह (पुत्र), श्रीमती रामगिरी देवी (पुत्री), श्री रतन सिंह (पुत्र), श्री सुरज भान यादव (पुत्र)। श्रीमती कमला, श्रीमती रामगिरी देवी और श्रीमती चंद्रवती ने दिनांक 13.05.2025 को एक परित्याग विलेख (रिलिंक्विशमेंट डीड) के माध्यम से अपनी-अपनी हिस्सेदारी अपने भाइयों—श्री रतन सिंह, श्री सुरज भान यादव और श्री राजबीर सिंह—के पक्ष में त्याग दी है। इस प्रकार, अब उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण मालिक श्री रतन सिंह, श्री सुरज भान यादव और श्री राजबीर सिंह हैं। कृपया ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी दीपक पुत्र** रामदास, **पता:** रामपुरा, थाना झिंझाना, जिला शामली उत्तर प्रदेश **FIR No. 152/2025, U/s: 304(2)/3(5) BNS, पुलिस थाना सिविल लाइंस, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **दीपक, FIR No. 152/2025, U/s: 304(2)/3(5) BNS, पुलिस थाना सिविल लाइंस, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री गौरव गोयल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
केंद्रीय जिला कमरा नं. 247
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7398/N/2025
(Court Matter)

कार्यालय लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, पण्डरिया, जिला–कबीरधाम (छ.ग.) Email: Lspsskm@gmail.com

// ई–निविदा सूचना // Contact No. 07987900070, 09907575796

ई–निविदा सूचना कमांक– 172001, 172002, 172003, 172004 दिनांक– 15.07.2025

2500 टी.सी.डी. शक्कर कारखाना पण्डरिया में ई–निविदा सूचना कमांक – 172001 विभिन्न इंजीनिरिंग सामग्री (नॉन एथोराईज्ड डीलर सामग्री) कय हेतु, ई–निविदा सूचना कमांक – 172004 इलेक्ट्रिकल/इंस्ट्रूमेंट सामग्री (नॉन एथोराईज्ड डीलर सामग्री) कय हेतु ई–निविदा सूचना कमांक –172002 इंजी./इले./इंस्ट्रू. सामग्री (मैन्युफेक्चर/ एथोरोईज्ड डीलर सामग्री) कय हेतु, एव ई–निविदा सूचना कमांक –172003 ए.एम.सी. एवं रिपेरिंग/मैन्टेनेन्स (मैन्युफेक्चर/एथोरोईज्ड डीलर संबंधित कार्य) कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा हेतु इच्छुक फर्मो/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई–टेण्डर के वेबसाईट में जाकर अलग–अलग ई–निविदा हेतु फार्म राशि 1311/– रू. (1000/–रू. + 311/–रू. चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज) ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-Procurement Portal: http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म Upload किया जाना हैं।

निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साइट WWW.Lspssk.in में भी अवलोकन कर सकते हैं।

महाप्रबंधक (प्रशा.)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पैराग्लाइडिंग हादसे की मैजिस्ट्रेट जांच शुरू, संचालकों और पायलट को कारण बताओ नोटिस

धर्मशाला। जिला मुख्यालय धर्मशाला के साथ लगते इंद्रूनाग की ऊपरी पहाड़ियों में स्थित बनगोटू में अन-नोटिफाईड साईट में नियमों को ताक पर रखकर पैराग्लाइडिंग के दौरान हुई पर्यटक की मौत की मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही पर्यटन विभाग की ओर से पैराग्लाइडिंग संचालकों और पॉयलट को भी नोटिस जारी कर दिया गया है। बिना अनुमति के ही अनाधिकृत साईट बनगोटू में मौत की उड़ानें भरी जा रही थी। जिसमें आखिर बड़ा हादसा हुआ है और गुजरात के युवा पर्यटक की जान चली गई है। ऐसे में अब बड़े सवाल उठ रहे हैं कि आखिर क्यों अनाधिकृत व अन-नोटिफाईड पैराग्लाइडिंग साईट में उड़ानें भरी जा रही थी। किसकी शह पर नियमों को ताक में रखकर यह उड़ानें जारी थी, जबकि उक्त स्थान में बरसात के कारण मिट्टी मलबा भी पूरी तरह से बहकर खाई बना चुका था। ऐसे में अब बड़े सवाल साहसिक गतिविधियों के दौरान नियमों को ताक में रखने को लेकर उठ रहे हैं। धर्मशाला के बनगोटू की एक अन नोटिफाइड साइट में रविवार को दोपहर बाद पैराग्लाईडिंग गतिविधियां करवाने के दौरान टेकऑफ के दौरान टेंडम फ्लाईट के खाई में गिरने से गंभीर घायल गुजरात के अहमदाबाद के सतीश राजेश भाई 25 वर्ष की मृत्यु हो गई। पर्यटक के मौत मामले में संबंधित संचालक क्लब व पॉयलट को पर्यटन विभाग द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है।

हरियाणा के सभी विभागों में बनेगी 'कर्मचारी शिकायत निवारण समिति'

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों से जुड़े विवादों या शिकायतों के निपटान के लिए हर विभाग या संगठन में 'कर्मचारी शिकायत निवारण समिति' गठित करने के निर्देश दिए हैं। अब कर्मचारियों को कोर्ट में जाने से पहले विभागीय शिकायत निवारण समिति के माध्यम से समाधान करवाना अनिवार्य होगा। हर शिकायत का निपटारा अधिकतम आठ सप्ताह में करना आवश्यक होगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों व निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को जारी आदेश में कहा गया है कि सभी विभाग व संगठन 15 दिनों के भीतर समिति के गठन की पुष्टि करते हुए अपनी रिपोर्ट प्रशासनिक न्याय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भेजें। ये निर्देश प्रशासनिक न्याय विभाग ने हरियाणा स्टेट लिटिगेशन पॉलिसी, 2025 के प्रावधानों के अनुरूप जारी किए हैं। लिटिगेशन पॉलिसी के अनुसार, निर्णय प्रक्रिया में मनमानी और कर्मचारियों की शिकायतों की अनदेखी सरकारी मुकदमों की बड़ी वजह बनती है। सेवा संबंधी मामलों में, अधिकतर मामले नियमों, निर्देशों और नीति निर्णयों के अनुसार राहत न मिलने से जुड़े होते हैं। अन्य मामलों में एक से अधिक नीतियां हो सकती हैं। न्यायालयों में आने वाले ऐसे अधिकतर मामलों में, कोर्टें एक निश्चित समय-सीमा के भीतर स्पीकिंग ऑर्डर पारित करने के निर्देश देती हैं।

हरियाणा के तीन शहरों में पीपीपी मोड पर बस अड्डों के निर्माण पर मंत्री ने ही उठाया सवाल

चंडीगढ़। हरियाणा में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर बनाए जाने वाले तीन बस अड्डों की योजना में अड़ंगा लग गया है। परिवहन मंत्री अनिल विज ने इस पॉलिसी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पॉलिसी में कंपनियों का तो मुनाफा पता लग रहा है, लेकिन सरकार के रेवन्यू को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। मंत्री विज ने इस संदर्भ में विभाग के आला अधिकारियों को पत्र लिखकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। हरियाणा के पिपली, गुरुग्राम व सोनीपत में पीपीपी मोड पर आधुनिक सुविधाओं से लैस बस स्टैंड बनाने की कवायद पिछले कई वर्षों से चली आ रही है। हालांकि अभी तक ये बनी नहीं पाए हैं। अब विज के पास भी इन बस अड्डों के निर्माण से जुड़ी फाइल आई तो उन्होंने इस पर आपत्ति जताते हुए न केवल फाइल को वापस लौटा दिया बल्कि विभाग को इसकी स्टडी करने के आदेश दे दिए हैं। विज ने विभाग को लिखे पत्र में कहा है कि विभाग में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर चल रही योजनाओं को लागू करने से पहले दूसरे राज्यों की स्टडी की जाए। जिन राज्यों ने यह पॉलिसी लागू की है, वहां जाकर अध्ययन किया जाए। मंत्री विज ने दूसरे राज्यों की स्टडी के साथ-साथ योजना को लेकर पूरी तरह से स्थिति स्पष्ट करने और इसके बाद विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

दुनिया के 65 देशों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दूसरा अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस

झज्जर। दूसरा अंतरराष्ट्रीय चूरमा दिवस 13 जुलाई को इस वर्ष 65 देशों में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस मौके पर इन देशों में रह रहे भारतीयों ने अपने-अपने घरों में स्वादिष्ट चूरमा बनाकर खाया और दूसरे लोगों को भी खिलाया। उत्तर भारत के अनेक प्रमुख नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने आधिकारिक पत्र जारी कर शुभकामनाएं दीं और भारतीय पारंपरिक व्यंजनों की वैश्विक पहचान पर खुशी जताई है। कार्यक्रम के संयोजक फिलहाल इंग्लैंड में काउंसलर बहादुरगढ़ के मूल निवासी रोहित अहलावत ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय चूरमा दिवस पर बधाई देने वालों में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद धर्मबीर सिंह, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, विधायक कृष्ण लाल मिड्डा व विधायक अर्जुन चौटाला, पूर्व विधायक बलराज कुंडू, राजस्थान से सांसद हनुमान बेनीवाल, दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर प्रदेश से सांसद हरेंद्र सिंह मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान सही सहित कई बड़े नेता शामिल हैं।

समाज और देश की प्रगति के लिए प्रत्येक व्यक्ति निरंतर सेवा भाव से करे कार्य : मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) में स्थित शुकदेव आश्रम में स्वामी कल्याणदेव महाराज जी की 21वीं पुण्यतिथि पर उनकी समाधि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्वामी कल्याण देव जी महाराज की प्रतिमा का भी अनावरण किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज हम माँ गंगा के पावन तट पर स्थित महान महर्षि शुकदेव की धरती पर एकत्रित हुए हैं। भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम विशेष स्थान है। यह आश्रम न केवल एक आध्यात्मिक केंद्र है, बल्कि शिक्षा, सेवा और संस्कृति का भी प्रतीक है। स्वामी जी की प्रतिमा नई पीढ़ियों को स्वामी जी के कार्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की हमेशा याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि स्वामी ओमानन्द जी महाराज इस आश्रम की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं और शुकदेव जी के

दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज सेवा के कार्यों को सेवा भाव से कर रहे हैं। स्वामी जी के मार्गदर्शन में इस आश्रम का शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इस धरती पर हजारों साल पहले महर्षि शुकदेव जी महाराज ने परीक्षित को भागवत कथा सुनाकर मोक्ष का मार्ग दिखाया था। इस महान तीर्थ के उद्धार में संत कल्याणदेव महाराज ने अपना पूरा जीवन लगाया था द्य स्वामी कल्याणदेव जी महाराज का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, लेकिन उनके विचार और कार्य असाधारण थे। उन्होंने कम उम्र में ही सांसारिक मोह माया का त्याग कर आध्यात्मिक पथ अपनाया। यह पावन भूमि इसी महान संत, शिक्षाविद और समाज सुधारक की तपोभूमि है। वे केवल एक संत नहीं थे, वे अपने आप में एक संस्था थे, जहां से मानवता और समाज सेवा की धारा निरंतर बहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी कल्याण देव जी ने अपने 129 सालों के लम्बे जीवनकाल में ज्ञान, शिक्षा और समाज सेवा को अपना धर्म बनाया। इस महान संत ने वर्ष 2004 में अपने नश्वर शरीर का त्याग किया द्य उन्होंने अनेक स्कूल, कॉलेज और गुरुकुलों की स्थापना की। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ, छुआछूत, जातिगत भेदभाव और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई, भाईचारे और प्रेम का संदेश भी दिया।

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने की दीपेंद्र हुड्डा से मुलाकात,सियासी चर्चाएं शुरू

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने राज्य सभा सांसद दीपेंद्र हुडा के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की। दीपेंद्र हुडा ओर दुष्यंत चौटाला के बीच हुई मुलाकात ने प्रदेश में नई राजनीतिक चर्चाओं को जन्म दे दिया है। दीपेंद्र से मुलाकात के बाद दुष्यंत चौटाला ने शहीद लोकेंद्र सिंधु के आवास पर जाकर सांत्वना प्रकट की। सोमवार शाम को हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला डी पार्क समीप सांसद दीपेंद्र हुडा आवास पर पहुंचे और उनसे मुलाकात की। करीब आधे घंटे से अधिक समय तक दोनों के बीच चर्चा हुई, जिसके कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे है। यह भी बताया जा रहा है कि पिछले दिनों पूर्व सीएम हुडा की भाभी का भी निधन हो गया था, उस वक्त हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सांत्वना देने नहीं आ पाए थे। इसके बाद पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने शहीद लोकेंद्र सिंधु के आवास पर जाकर परिजनों से मुलाकात की और सांत्वना प्रकट की। इसके बाद सांसद दीपेन्द्र हुड्डा राजस्थान के चुरू में बीते दिनों हुए दुर्भाग्यपूर्ण लड़ाकू विमान हादसे में शहीद हुए भारतीय वायुसेना के जाँबाज स्क्वाड्रन लीडर लोकेंद्र सिंह सिंधू के रोहतक स्थित निवास पर पहुँचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दीपेन्द्र हुड्डा ने शोकाकुल परिवारजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। दुख की इस घड़ी में हम सब शहीद के परिवार के साथ एकजुट हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि शहीद स्क्वॉड्रन लीडर लोकेंद्र सिंधु जांबाज अधिकारी थे, उन्होंने अपनी जान की परवाह किये बिना लोगों की जान बचाने को प्राथमिकता दी और अपने प्राणों को न्यौछावर कर सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

वैश्विक बागवानी मानचित्र पर उभरता केंद्र बनेगा गन्नौरः मुख्यमंत्री

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा अब सिर्फ कृषि राज्य नहीं, बल्कि वैश्विक बागवानी मानचित्र पर उभरता केंद्र बनने जा रहा है। यह परियोजना केवल किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराएगी, युवाओं को रोजगार और पूरे क्षेत्र को आर्थिक समृद्धि प्रदान करेगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत के गन्नौर में बन रही भारतीय अंतरराष्ट्रीय बागवानी फल-फूल मंडी का निरीक्षण किया। उनके साथ सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा भी मौजूद रहे। चंडीगढ़-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर विकसित हो रही यह मंडी एशिया की सबसे बड़ी बागवानी मार्केट के रूप में स्थापित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने मंडी परिसर में चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण में गुणवत्ता और

समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह मंडी गन्नौर को विश्व के मानचित्र पर लाएगी, किसानों की आमदनी बढ़ाएगी, युवाओं को रोज़गार देगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति देगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ सोनीपत नगर निगम मेयर राजीव जैन, राई विधायक कृष्णा गहलोत, गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान, जिला महामंत्री नीरज कुमार ठरु भी थे। उल्लेखनीय है कि 537 एकड़ में बन रही इस मंडी पर कुल 2,595 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

सीईटी परीक्षा की तैयारियों में जुटा प्रशासन

एजेंसी

जींद। आगामी 26 और 27 जुलाई को आयोजित होने वाली कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। इसी क्रम में डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में डीसी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को असुविधा नहीं हो, इसके लिए सभी बुनियादी सुविधाएं जैसे परिवहन, पेयजल, स्वच्छता, रोशनी और बैठने की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जिला में लगभग 75 परीक्षा केंद्रों पर 21 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। जिनमें केवल जींद उपमंडल में 42 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। उपायुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि डिवीजन वार परीक्षा केंद्रों की सूची शीघ्र तैयार कर प्रशासन को उपलब्ध करवाई जाए ताकि समुचित योजना बनाकर व्यवस्थाएं समय

रहते पूरी की जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी अभ्यर्थी को स्थानीय स्तर पर रुकने की आवश्यकता हो तो उसके लिए भी उचित ठहराव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों की क्षमता, बेंचों की संख्याए बिजली व्यवस्थाए पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की पूर्व जांच के निर्देश दिए। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे व्यक्तिगत रूप से स्थलीय निरीक्षण कर लें और समय पर सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करें। इस बैठक में एडीसी विवेक आर्य, एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी सुरेन्द्र सिंह, आरटीए सचिव गिरीश, नगराधीश डा. आशीष देशवाल, डीईईओ सुभाष सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कौशल के बल पर विश्व में सशक्त और अग्रणी देश बनेगा भारत : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'कौशल भारत-सशक्त भारत' विजन को विस्तार देने के उद्देश्य से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पलवल में 'कौशल भारत-सशक्त भारत' थीम के साथ प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेले का आयोजन किया गया। हरियाणा सरकार में युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, खेल और कानून राज्य मंत्री गौरव गौतम आयोजित रोजगार मेले में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए दीप प्रज्ज्वलन कर राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेल का शुभारंभ किया।राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेल में पलवल सहित आस-पास की कंपनियों ने भाग लिया और युवाओं का चयन किया। युवाओं ने मेले में बढ़चढ़क़र प्रतिभागिता करते हुए रजिस्ट्रेशन कराया। खेल राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेले में एक दर्जन प्रतिभागियों को मौके पर ही ऑफर लेटर सौंपते हुए शुभकामनाएं दीं। ऑफर लेटर पाकर युवाओं के चेहरे खिल उठे। उन्होंने प्रतिभागियों का

उत्साहवर्धन करते हुए चयनित प्रतिभागियों को रोजगार मिलने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने आईटीआई के लिए नया भवन बनवाने की भी घोषणा की। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में कौशल विकास का दायरा लगातार बढ़ रहा है। हम केवल मैकेनिक, इंजीनियर, टैक्नालॉजी तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इससे कहीं आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश-प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के नए-नए अवसरों का सृजन किया जा रहा है। भारत में रोजगार सृजन नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि आपका जिस भी कंपनी के लिए चयन होता है वहां अपने क्षेत्र में बारे में ईमानदारी और मेहनत से कार्य सीखो, यह आपकी सफलता की पहली सीढ़ी है। जो युवा मेहनत से सीख कर आगे बढ़ता है वह अपने जीवन में जरूर कामयाब होता है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं युवाओं को किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहने दूंगा। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की सीख देते हुए अपने परिवार के लिए अच्छा और नेक जीवन व्यतीत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पलवल के प्रधानाचार्य जिले सिंह, अन्य आईटीआई के प्राचार्य, अध्यापकगण सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि व मेले में आए युवा मौजूद रहे।

बारिश में बह गए प्रशासन के दावे,झील में तब्दील हुआ सिरसा

एजेंसी

सिरसा। हुई बारिश ने प्रशासन के पानी निकासी के दावों की पोल खोल दी। शहर 35 एमएम बरसात में ही पानी की झील में तब्दील हो गया। कई वाहन पानी में फंस गए तो कई सडक़ों पर बड़े-बड़े गड्ढों में धंस गए।

शहरवासियों के लिए बरसात किसी आफत से कम नहीं थी। निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई और सडक़ों पर तीन से चार फुट तक पानी जमा हो गया। हालांकि किसान खरीफ फसल के लिए बरसात को लाभदायक मान रहे हैं। धान व नरमा फसल को बरसात से काफी लाभ पहुंचा है।शहर के प्रमुख स्थान बारिश के पानी में डूब गए। गलियों, बाजारों व कॉलोनियों में जलभराव, गड्ढों में फंसे वाहनों का नजारा देखने को मिला। छोटी छोटी कॉलोनियों में बरसात के कारण हुए जलभराव के कारण लोगों के लिए बाहर निकलना टेढ़ी खीर बना रहा। मॉनसून की बरसात से जनता भवन रोड, सरर्कुलर रोड, शिव चौक, जगदेव सिंह चौक, बस स्टैंड, अंबेडकर चौक, हिसार रोड, गोल डिग्गी चौक के आसपास की दुकानों में पानी भर गया। शहर के गोल डिग्गी चौक, हिसारिया बाजार, हिसार रोड, पटेल बस्ती सहित अनेक स्थानों पर घुटनों तक पानी भर गया। बरसात से हुए जलभराव के कारण कई दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठान बंद करने को मजबूर होना पड़ा जिससे दुकानदारों को नुकसान हुआ। दुकानदारों ने सडक़ का गलत लेवल को भी पानी भरने का एक कारण बताया। दुकानदानों का आरोप है कि अधिकारियों ने स्थायी समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए जिससे उनके कारोबार ठप होकर रह गए हैं।

ज्यादा कांवड़ियों वाले जिला झज्जर में 10 मार्ग चिह्नित, पीसीआर व राइडर्स करेगी लगातार गश्त

एजेंसी

झज्जर। कांवड़ लेकर चल रहे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यात्रा को सुचारू व सुरक्षित सम्पन्न कराने के लिए पुलिस के स्तर पर तैयारियां की जा रही है। इसी क्रम में गंगोत्री, नीलकंठ व हरिद्वार से कांवड़ लेकर चले श्रद्धालु को झज्जर जिला में बिना किसी बाधा के रास्ता उपलब्ध कराने और यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। यात्रियों के आराम व सुविधा के लिए बनाए गए प्रत्येक सेवा शिविर का पुलिस द्वारा लगातार निगाह रखते हुए निरीक्षण भी किया जाएगा। पुलिस आयुक्त डॉ. राजश्री सिंह ने जिला के सभी पुलिस अधिकारियों, थाना व चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिसमें झज्जर जिला में जिन मार्गों पर कांवड़ लेकर श्रद्धालु गुजरेंगे उन सड़क मार्गों पर पुलिस द्वारा लगातार निगरानी एवं गश्त की जाएगी। प्रत्येक थाना प्रबंधक व चौकी प्रभारी अपने-2 इलाका में शांति एवं कानून व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी दुरुस्त बनाये रखने के लिए प्रत्येक गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखेंगे। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जहां भी जरूरत होगी कांवड़ियों को पैदल

चलने के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध करवाने के लिए वैकल्पिक प्रबंध किए गए है। कांवड़ शिविर व पार्किंग मुख्य सड़क से दूर होने चाहिए, ताकि किसी प्रकार से यातायात में कोई अवरोध उत्पन्न ना हो। कांवड़ शिविर सड़क के केवल बाईं तरफ लगने चाहिए। कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर लगातार 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी ताकि कोई भी असामाजिक अथवा शरारती तत्व कांवड़ियों के वेष में किसी तरह से शांति भंग करने की कोशिश ना करें।पुलिस कमिश्नर ने बताया, सुरक्षा की दृष्टि से जिन मार्गों पर कांवड़ियो की ज्यादा संख्या में चलने की संभावना है उन मार्गों को पहचान कर विशेष निगरानी रखी जाएगी, जिला में ऐसे 10 मार्ग चिन्हित किए गए हैं। इन मार्गों में सांपला से रेवाड़ी रोड वाया छारा, जोन्धी, झज्जर, सुबाना से कोसली रोड, झज्जर से रेवाड़ी वाया माछरौली व कुलाना रोड, रोहतक से डीघल, बेरी, छूछकवास व सासरोली रोड, रोहतक से झज्जर वाया डीघल, महराना चौक व दुजाना रोड, सोहटी बार्डर से बहादुरगढ़ वाया कानौन्दा व कुलासी रोड, रोहतक से बेरी वाया रिटोली कबूलपुर, सांपला से बेरी वाया बहराना व डीघल, झज्जर वाया दुल्हेड़ा व कबलाना, सोनीपत से केएमपी होते हुए जिला गुरुग्राम और बहादुरगढ़ से बादली वाया गुभाना माजरी आदि प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री के चंडीगढ़ से बाहर होने पर भी क्लीयर होंगी वित्त विभाग की फाइलें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के चंडीगढ़ से बाहर होने पर भी वित्त विभाग से जुड़ी जरूरी फाइलें क्लीयर होंगी। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में वित्त विभाग के प्रशासनिक सचिव इन फाइलों को निपटाएंगे।

प्रशासनिक सचिव भी अगर बाहर हुए तो उनके लिंक अधिकारी, आयुक्त एवं सचिव या विशेष सचिव एवं संयुक्त सचिव इन फाइलों को अग्रसारित करेंगे। मुख्यमंत्री जैसे ही राजधानी लौटेंगे, संबंधित अधिकारियों को यह फाइल उन्हें दिखाकर स्वीकृति लेनी होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्टैंडिंग आर्डर जारी करते हुए प्रशासनिक सचिव को अपना लिंक अधिकारी घोषित किया है। मुख्यमंत्री की गैरमौजूदगी में वित्त विभाग के प्रशासनिक सचिव को जहां जरूरी होगा, कार्य नियमों या अन्य प्रासंगिक नियमों के अनुसार अन्य विभागों से पूर्व परामर्श या अनुमोदन लेना होगा। कोई भी आदेश केवल इस आधार पर अभ्यावेदन, जांच या न्यायालय में प्रश्नगत नहीं होगा कि संबंधित फाइल को इन प्रत्यायोजन आदेशों के

मुख्यमंत्री जैसे ही राजधानी लौटेंगे, संबंधित अधिकारियों को यह फाइल उन्हें दिखाकर स्वीकृति लेनी होगी।

अंतर्गत निर्धारित प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ है। स्टैंडिंग आर्डर में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री के साथ ही अगर वित्त विभाग के प्रशासनिक सचिव चंडीगढ़ से बाहर हों तो प्रशासनिक सचिव लिंक अधिकारी के रूप में मामलों का निपटान कर सकते हैं। लिंक अधिकारी की अनुपस्थिति में आयुक्त एवं सचिव, विशेष सचिव और संयुक्त सचिव मामलों का निपटान कर सकते हैं।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने महाराष्ट्र विधान भवन में देखी दोनों सदनों की कार्यवाही

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मुंबई पहुंचकर महाराष्ट्र विधान मंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही देखी। यहां पहुंचने पर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और विधान परिषद की उप सभापति डॉ. नीलम गोरे ने उनका स्वागत किया तथा विधायी कामकाज की जानकारी साझा की।

हरियाणा विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण आज सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर से मिले तदुपरांत 11 बजे महाराष्ट्र विधानसभा के सदन में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रश्नकाल व अन्य कार्यवाही देखी। कल्याण ने विधान परिषद की उप सभापति से मुलाकात की फिर उसके बाद 12:30 बजे उन्होंने महाराष्ट्र विधान परिषद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आदि की कार्यवाही देखी। यह दौरा विधायी कार्यों के आदान-प्रदान और संसदीय प्रक्रिया के अध्ययन के लिए किया जा रहा है। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष व अधिकारियों से इस दौरान विधायी कार्यों पर चर्चा की। यह दौरा दोनों राज्यों की

विधान सभाओं के बीच विभिन्न विषयों पर पारस्परिक समझ और सहयोग को उन्नत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि महाराष्ट्र विधायिका के दो सदन हैं, इसलिए वहां की संसदीय जानकारी लाभकारी है। गौरतलब है कि हाल ही में गुरुग्राम में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन में भी लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने पर सार्थक संवाद व चर्चा हुई थी। कल्याण के महाराष्ट्र दौरे में दोनों प्रदेशों की विधायी प्रणाली व परंपराओं को समझना है।

रोजगार सृजन के लिए निर्णायक पहल साबित होगी ईएलआई योजनाः राजीव रंजन

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के श्रम, युवा सशक्तिकरण व उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (एंप्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव) युवाओं के लिए रोजगार, उद्यमिता और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह बात उन्होंने जीआईए हॉउस में हरियाणा सरकार के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग द्वारा ईपीएफओ, श्रम विभाग, उद्योग विभाग और एचएसआइआइडीसी के सहयोग से आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में कही। प्रधान सचिव राजीव रंजन ने उन्होंने कहा कि यह योजना देश में रोजगार अवसरों को बढ़ाने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक निर्णायक पहल साबित होगी। इस योजना का उद्देश्य दो वर्षों में 3.5 करोड़ नौकरियों का सृजन करना है, जिसके लिए सरकार ने 99,446 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है। यह योजना एक अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेगी। योजना को दो प्रमुख भागों में बांटा गया है। इसमें भाग-ए के तहत पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस योजना में ईपीएफओ में पंजीकृत नए कर्मचारियों को 15,000 रुपये तक की एक माह की मजदूरी दो किश्तों में दी जाएगी। पहली किश्त 6 माह की सेवा के बाद और दूसरी किश्त 12 माह की सेवा तथा वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद दी जाएगी। यह लाभ उन युवाओं को मिलेगा जिनकी मासिक आय 1 लाख रुपये तक है, और इसका फायदा लगभग 1.92 करोड़ नए कर्मचारियों को मिलेगा। इस अवसर पर गुरुग्राम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष जे.एन. मंगला, मंडल रोजगार अधिकारी ऋतु हुड्डा, आरपीएफसी-1 प्रमोद सिंह तथा आरपीएफसी-2 मोहित कुमार सिंह, सहायक रोजगार अधिकारी ज्योति, जितेंद्र, तथा अधीक्षक अजय देव उपस्थित रहे। राजीव रंजन ने बताया

NAME CHANGE

I, BHEEMSAIN S/o RAM SINGH, R/o House No. 1571, Near Purv Manoharlal Sarpanch House, Shamshabad (Rajiv Nagar), Palwal, PO: Palwal, Dist. Palwal, Haryana-121102, have changed the name of my minor son MOHIT aged 17 years and he shall be hereafter known as MOHIT CHAUDHARY.

मुंबई में टेस्ला का पहला एक्सपीरियंस सेंटर खुला

- भारत में निवेश की उम्मीदें बढ़ी

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला ने मंगलवार को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में भारत का पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' शुरू किया। इस मौके पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने टेस्ला से भारत में अनुसंधान, विकास और विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया। फडणवीस ने कहा` कि हम चाहते हैं कि टेस्ला अपने अनुसंधान और निर्माण की प्रक्रिया भारत में ही करे। महाराष्ट्र इस यात्रा में उसका भागीदार बनने को तैयार है। उन्होंने कहा कि मुंबई में पहला सेंटर खोलना राज्य और शहर पर टेस्ला के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा` कि मुंबई केवल वित्तीय और मनोरंजन की राजधानी नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमशीलता का केंद्र भी है। टेस्ला का यह एक्सपीरियंस सेंटर पारंपरिक कार शोरूम से अलग है और ग्राहकों को टेस्ला की कारों और तकनीक का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है। यह सेंटर कंपनी के उत्पादों और इनोवेशन को सामने लाने का खास मंच होगा। इसके अलावा, टेस्ला इंडिया ने मुंबई के लोढ़ा लॉजिस्टिक्स पार्क में 24,565 वर्ग फुट का वेयरहाउस पांच साल के लिए लीज पर लिया है, जो उसके भारत में बढ़ते कदमों का संकेत है। हालांकि, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने जून में कहा था कि टेस्ला फिलहाल भारत में कार निर्माण की इच्छुक नहीं है, लेकिन देश में शोरूम खोलने पर ध्यान दे रही है।

मेटा ने 1 करोड़ अकाउंट किए बंद

नई दिल्ली ।

डिजिटल कंटेंट से कमाई करने वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने फेसबुक पर गैर-मौलिक (कॉपी-पेस्ट) कंटेंट शेयर करने वाले यूजर्स पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मेटा ने अब तक 1 करोड़ से ज्यादा अकाउंट बंद कर दिए हैं, जिन पर दूसरों के कंटेंट को बिना अनुमति के इस्तेमाल करने का आरोप है। इसके अलावा 5 लाख ऐसे अकाउंट भी हटाए गए हैं, जो स्पैम या नकली गतिविधियों में लिप्त थे। मेटा की नई नीति के तहत अब फेसबुक पर वही कंटेंट मोनेटाइज होगा जो मौलिक और यूजर द्वारा खुद तैयार किया गया हो। जो यूजर बार-बार किसी दूसरे के टेक्स्ट, फोटो या वीडियो को कॉपी कर पोस्ट करेंगे, उनका मोनेटाइजेशन बंद कर दिया जाएगा। साथ ही उनकी पोस्ट की रीच और डिस्ट्रिब्यूशन भी घटा दी जाएगी। कंपनी की कोशिश है कि प्लेटफॉर्म पर केवल असली और रचनात्मक कंटेंट को बढ़ावा दिया जाए। इस दिशा में मेटा ने यूट्यूब की तर्ज पर एक नया सिस्टम भी टेस्ट करना शुरू किया है, जो डुप्लीकेट वीडियो की पहचान करेगा और ऑडियंस को मूल कंटेंट क्रिएटर का लिंक दिखाएगा। हालांकि, मेटा ने स्पष्ट किया है कि जो यूजर्स किसी और के कंटेंट पर रिएक्शन, व्याख्या या अपनी राय जोड़कर वीडियो बनाते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। यानी जो लोग किसी ट्रेंड में हिस्सा ले रहे हैं या शिक्षाप्रद/मनोरंजक कमेंट्री कर रहे हैं, वे इस नीति के दायरे में नहीं आएंगे।

डेयरी सेक्टर खुला तो 8 करोड़ किसानों को हो सकता है 1 लाख करोड़ का घाटा: एसबीआई रिसर्च

भारत ने अमेरिकी मांग के अनुसार डेयरी और कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट देने से किया इनकार

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता अंतिम दौर में है, लेकिन कुछ प्रमुख मुद्दों पर अब भी सहमति नहीं बन सकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समझौते का मसौदा लगभग तैयार है, लेकिन कृषि और डेयरी उत्पादों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। भारत ने अमेरिकी मांग के अनुसार डेयरी और कृषि उत्पादों पर शुल्क में छूट देने से इनकार कर दिया है। भारत ने आज तक किसी भी व्यापारिक साझेदार को डेयरी क्षेत्र में रियायत नहीं दी है। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिसर्च रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें अमेरिका को डेयरी सेक्टर में प्रवेश देने से भारत को होने वाले संभावित लाभ और हानियों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगर भारत कृषि और डेयरी सेक्टर को अमेरिका के लिए खोलता है, तो इससे कुछ क्षेत्रों में लाभ की संभावना है। अमेरिका में उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे ऑर्गेनिक फूड, मसाले, आम, लीची, केले और भिंडी की भारी मांग है। फिलहाल भारत इन उत्पादों का सालाना निर्यात 1 अरब डॉलर से भी कम करता है, लेकिन यह बढ़कर 3 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसके अलावा यदि अमेरिका भारत के आयुष और जेनेरिक दवाओं पर लगे गैर-शुल्क प्रतिबंध हटाता है, तो इन क्षेत्रों में 1-2 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात संभव है। वीजा नियमों में ढील और आउटसोर्सिंग पर सहयोग से भारतीय आईटी और सेवा क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिल सकता है। वहीं, अमेरिका से कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और प्रिसिशन फार्मिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश आने की उम्मीद है। हालांकि, यह समझौता भारतीय डेयरी किसानों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। अमेरिका में डेयरी सेक्टर को भारी सब्सिडी मिलती है, जिससे वहां के उत्पाद काफी सस्ते होते हैं। यदि भारत इस सेक्टर को खोलेगा, तो सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार में आ सकते हैं, जिससे घरेलू दूध की कीमतों में 15 से 25 फीसदी तक की गिरावट संभव है। एसबीआई की रिपोर्ट बताती है कि यदि दूध की कीमतों में 15 फीसदी की गिरावट आती है, तो कुल डेयरी राजस्व में 1.8 लाख करोड़ की कमी आ सकती है। किसानों की इसमें 60 फीसदी हिस्सेदारी मानें, तो किसानों को सालाना ₹.03 लाख करोड़ तक का नुकसान हो सकता है।

अमेरिकी दबाव के बावजूद चीन की जीडीपी ने लगाई 5.2 फीसदी की छलांग

- विश्लेषकों के 5.1 फीसदी के अनुमान से थोड़ा बेहतर रही

बीजिंग ।

चीन की अर्थव्यवस्था ने अप्रैल से जून (दूसरी तिमाही) के बीच 5.2 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है, जो विश्लेषकों के 5.1 फीसदी के अनुमान से थोड़ा बेहतर रही। यह जानकारी मंगलवार को चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी की गई। विश्लेषकों को उम्मीद थी कि देश की आर्थिक रफ्तार पहली तिमाही के मुकाबले थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन नतीजे ने बाज़ार को हैरानी में डाल दिया। चीन की जीडीपी में दूसरी तिमाही में सालाना वृद्धि 5.2 फीसदी जबे कि पहली तिमाही में 5.4 फीसदी रही, दूसरी तिमाही में 1.1 फीसदी, तिमाही वृद्धि अनुमान= 0.9 फीसदी, पिछली तिमाही की तिमाही वृद्धि 1.2 फीसदी रही। चीन ने साल 2025 के लिए लगभग 5 फीसदी की आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य रखा है, और अभी तक के आँकड़ों के अनुसार देश उस दिशा में आगे बढ़ रहा है। चीन की यह मजबूती पूरी तरह से नीतिगत सहायता, विनिर्माण और निर्यात में स्थिरता और अमेरिका के साथ चल रहे व्यापार तनाव में अस्थायी राहत के कारण मानी जा रही है।

लेकिन विश्लेषक यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि वर्ष की दूसरी छमाही में हालात और चुनौतियाँ गंभीर हो सकती हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन को आगे आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए घरेलू मांग को मज़बूत करना, उद्योगों को सब्सिडी व समर्थन देना और रियल एस्टेट संकट से बाहर निकलने की रणनीति बनानी होगी।

मोदी सरकार के कार्यकाल में महंगाई दर 5 प्रतिशत,

बीते 11 सालों में

नई दिल्ली।

भारत में खुदरा महंगाई दर बीते 11 वर्षों में 5 प्रतिशत के आसपास रही है, लेकिन हाल के महीनों में इसमें तेज गिरावट दर्ज हुई और जून 2025 में गिरकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में औसत महंगाई दर 5.1 प्रतिशत रही है, जो कि यूपीए के कार्यकाल में 8.1 प्रतिशत रहती थी। सरकारी डेटा के मुताबिक, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए के कार्यकाल में जनवरी 2012 से लेकर अप्रैल 2014 तक के 28 महीनों में से 22 महीनों में महंगाई दर 9 प्रतिशत से अधिक रही थी। मनमोहन सरकार-2 के आखिरी तीन वर्षों में देश में खुदरा महंगाई दर औसत 9.8 प्रतिशत रही थी, जबकि उस समय वैश्विक स्तर पर महंगाई 4-5 प्रतिशत के बीच थी। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ज्यादा समय खुदरा महंगाई दर 5 प्रतिशत से कम रही है और कभी भी महंगाई ने 8 प्रतिशत से ऊपर का स्तर नहीं छूआ है। खुदरा महंगाई दर जून 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई है। इसमें बीते महीने के मुकाबले 0.72 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। मई में यह 2.82 प्रतिशत थी। जून 2025 में रिकॉर्ड की गई खुदरा महंगाई दर जनवरी 2019 के बाद रिटेल मुद्रास्फीति का सबसे न्यूनतम आंकड़ा है। मंत्रालय के डेटा के अनुसार, बीते महीने में ग्रामीण स्तर पर खुदरा महंगाई दर 1.72 प्रतिशत रही है, जबकि शहरी स्तर पर खुदरा महंगाई दर 2.56 प्रतिशत रही है। इस महीने के दौरान महंगाई में मजबूत गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, दालों, मांस और मसालों की कीमतों में गिरावट के कारण हुई है। इस बीच, रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि आरबीआई ने 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर अनुमान को भी 4 प्रतिशत के पूर्व अनुमान से घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई दर अब 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें महंगाई दर पहली तिमाही में 2.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 3.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को आठ पैसे की बढ़त के साथ ही 85.84 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी मुद्रा के मुकाबले डॉलर के कमजोर रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.92 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के परिणाम को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण घरेलू मुद्रा में वृद्धि नहीं हो पाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.97 पर खुला। फिर 85.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के बराबर है। रुपया सोमवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.92 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 98.04 पर आ गया।

रिलायंस ने नेपाल में लांच किया 'कैम्पा' ब्रांड

नई दिल्ली । लायंस इंडस्ट्रीज की उपभोक्ता इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अपने लोकप्रिय शीतल पेय ब्रांड 'कैम्पा' को नेपाल में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसके लिए नेपाल के एक अग्रणी कारोबारी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। हाल ही में जारी एक संयुक्त बयान में दोनों कंपनियों ने घोषणा की कि यह साझेदारी नेपाल के बाजार में 'कैम्पा' को सफलतापूर्वक स्थापित करने के उद्देश्य से की गई है। इस पहल के माध्यम से रिलायंस नेपाल में अपने उपभोक्ता उत्पादों की उपस्थिति को मजबूत करना चाहती है। आरसीपीएल के कार्यकारी ने कहा कि हम चौधरी ग्रुप के साथ साझेदारी कर नेपाल में प्रवेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हमें विश्वास है कि 'कैम्पा' ब्रांड नेपाल के उपभोक्ताओं को ताजगी और बेहतरीन स्वाद प्रदान करेगा। चौधरी ग्रुप के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी हमारी उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले पेय उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नैसकॉम ने लॉन्च किया 'यूएस सीईओ फोरम'

न्यूयॉर्क । भारत-अमेरिका के बीच प्रौद्योगिकी साझेदारी को मजबूत बनाने के उद्देश्य से उद्योग संगठन नैसकॉम ने 'नैसकॉम यूएस सीईओ फोरम' की शुरुआत की है। इस मंच का उद्घाटन हाल ही में न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास में किया गया। इस मंच का उद्देश्य दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग, नवाचार और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देना है। यह भारत और अमेरिका के अग्रणी प्रौद्योगिकी उद्योगपतियों और नीति निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहां वे रणनीतिक संवाद और साझेदारी के नए अवसरों पर विचार-विमर्श कर सकेंगे। कॉग्निजेंट के सीईओ रवि कुमार को इस मंच का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज के सीईओ और प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा सह-अध्यक्ष होंगे। भारतीय महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने इसे समयानुकूल पहल बताते हुए कहा कि यह मंच भारत-अमेरिका प्रौद्योगिकी साझेदारी को नया बल देगा और भविष्य की नेतृत्व क्षमताओं को आकार देगा। नैसकॉम अध्यक्ष राजेश नांबियार के अनुसार, यह मंच एआई, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और भविष्य के कौशल जैसे क्षेत्रों में सहयोग और सह-निर्माण को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, यह मंच डिजिटल नवाचार आधारित पर्यावरण को बढ़ावा देने और सीमा-पार भागीदारी को सुरक्षित एवं मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

ईपीएफओ ने बदले पीएफ निकासी के नियम, घर खरीदने वालों को बड़ी राहत

- अब ईपीएफ सदस्य अपने खाते से निकाल सकते हैं 90 फीसदी तक की राशि

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने भविष्य निधि (पीएफ) निकासी के नियमों में बड़ा बदलाव किया है, जिससे घर खरीदने या बनाने की योजना बना रहे कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब ईपीएफ सदस्य अपने खाते से 90 फीसदी तक की राशि निकाल सकते हैं, जबकि पहले यह सीमा कम थी। यह सुविधा पहला घर खरीदने, नया घर बनवाने या होम लोन की ईएमआई चुकाने के लिए ली जा सकती है। पहले इस लाभ के लिए कम से कम 5 साल की सेवा जरूरी थी, लेकिन नए नियमों के अनुसार अब केवल 3 साल की सेवा के बाद भी यह सुविधा उपलब्ध है। यह लाभ जीवन में सिर्फ एक बार लिया जा सकता है और इसे ईपीएफ स्कीम 1952 के पैरा 68-बीडी के तहत लागू किया गया है। ऑनलाइन क्लेम प्रक्रिया को भी सरल बना दिया गया है। अब बैंक चेक या पासबुक की स्कैन कॉपी अपलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। बैंक खाता आधार ओटीपी के माध्यम से ही सत्यापित हो जाएगा और नियोक्ता की भूमिका खत्म कर दी गई है। यदि कोई सदस्य बैंक खाता बदलना चाहता है, तो नया खाता नंबर और आईएफएससी कोड डालकर ओटीपी से सत्यापन किया जा सकता है। इसके साथ ही ऑटो-सेटलमेंट की सीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया गया है, जिससे कर्मचारियों को 72 घंटे के भीतर तेज भुगतान संभव हो सकेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 317 , निफ्टी 113 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 317 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,570.91 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई पर निफ्टी भी 113 अंक बढ़कर 25,195.80 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर हीरो मोटोकॉर्प, सन फार्मा, बजाज ऑटो, अपोलो हॉस्पिटल्स, बजाज फिनसर्व के शेयरों में उछाल आया जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, इटरनल (जोमेटो) और टाटा स्टील के शेयर गिरे।

आज कारोबार के दौरान धातु को छोड़कर, बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर फार्मा, ऑटो, पीएसयू बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, रियल्टी में 0.5-1 फीसदी की बढ़त रही। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.5-0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं

जापानी उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों के संभावित 1.1 अरब डॉलर के निवेश की खबरों के बाद से ही यस बैंक के शेयरों में 3.3 फीसदी की तेजी आई, जिससे बैंक की हिस्सेदारी बढ़कर 25 फीसदी हो सकती है। पिछले सत्र में वैश्विक व्यापार तनाव, विदेशी पूंजी निकासी और टैरिफ संबंधी चिंताओं के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार चौथे सत्र में गिरावट दर्ज की गई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 181 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,418.21 पर जबकि निफ्टी 0.22 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,137.10 पर खुला। आज एनएसई पर 3,015 शेयरों में ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,968 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 961 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा 86 शेयरों की कीमत में अंतर नहीं आया। वहीं एशियाई बाज़ार मंगलवार को बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। निवेशकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ़ पर बदलते रुख़ से जुड़ी अनिश्चितता को नज़रअंदाज़ कर दिया और अपना ध्यान चीन के आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित कर दिया। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.4 3 फीसदी और व्यापक टॉपिक्स सूचकांक में 0.3 फीसदी चढ़कर कारोबार कर रहा था। कोस्पी में 0.29 3 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.6 3 फीसदी की वृद्धि हुई। अमेरिकी बेंचमार्क इंडेक्स सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 0.14 3 फीसदी बढ़कर 6,268.56 पर, नैस्डैक कंपोजिट 0.27 3 फीसदी बढ़कर 20,640.33 पर और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.20 3 फीसदी बढ़कर 44,459.65 पर बंद हुआ।

टाटा टेक्नोलॉजीज का पहली तिमाही में मुनाफा बढ़कर 170 करोड़ पहुंचा

- एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 1,268.97 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली । टाटा टेक्नोलॉजीज का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) का मुनाफा सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 170.28 करोड़ रुपए रहा है। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 162.03 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 1,244.29 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,268.97 करोड़ रुपए था। वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी ने कहा कि उसका कुल खर्च सालाना आधार पर 1,072.33 करोड़ रुपए से मामूली बढ़कर 1,080.11 करोड़ रुपए हो गया। टीटीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तिमाही की शुरुआत सतर्कता के साथ हुई, लेकिन आगे चलकर ग्राहकों का भरोसा लगातार मजबूत होता गया, जिससे उत्पाद नवाचार और डिजिटल बदलाव के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं की पुष्टि हुई।

दक्षिण कोरिया में गूगल यूट्यूब प्रीमियम लाइट लांच करने की तैयारी में

फेयर ट्रेड कमीशन की आपत्ति के बाद कम हुई गूगल की अकड़

सोल। दक्षिण कोरिया में गूगल यूट्यूब के लिए एक नया, सस्ता सब्सक्रिप्शन प्लान, यूट्यूब प्रीमियम लाइट लांच करने की तैयारी कर रहा है। यह प्लान केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग प्रदान करेगा और इसमें यूट्यूब म्यूजिक शामिल नहीं होगा। यह कदम दक्षिण कोरिया के फेयर ट्रेड कमीशन (एफटीसी) द्वारा गूगल की कथित प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं की जांच के बाद आया है। एफटीसी ने आरोप लगाया था कि गूगल ग्राहकों को यूट्यूब प्रीमियम के साथ यूट्यूब म्यूजिक को बंडल करके उन लोगों के विकल्पों को सीमित कर रहा है जो केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग चाहते थे। इससे उपभोक्ता के विकल्प सीमित हो रहे थे और गूगल अपने बाज़ार के प्रभुत्व का दुरुपयोग कर रहा था। यूट्यूब प्रीमियम लाइट की कीमत मौजूदा यूट्यूब प्रीमियम प्लान की लगभग आधी होगी। इस प्लान में केवल विज्ञापन-मुक्त वीडियो स्ट्रीमिंग मिलेगी, इसमें म्यूजिक स्ट्रीमिंग शामिल नहीं होगी। एंड्रॉइड यूजर्स के लिए इसकी मासिक कीमत 6.15 डॉलर (8,500 वॉन) और आईओएस यूजर्स के लिए 7.89 डॉलर (10,900 वॉन) होगी। गूगल ने प्रस्तावित किया है कि वह कम से कम एक साल के लिए यूट्यूब प्रीमियम लाइट और यूट्यूब प्रीमियम दोनों की कीमतों को स्थिर रखेगा।

आगे क्या होगा?

एफटीसी गूगल के प्रस्ताव को स्वीकार करने या न करने पर अंतिम निर्णय लेने से पहले 14 अगस्त तक संबंधित मंत्रालयों और हितधारकों से चर्चा करेगा। यदि एफटीसी प्रस्ताव को स्वीकार करता है, तब गूगल इस साल के अंत तक यूट्यूब प्रीमियम लाइट योजना शुरू करने की योजना बना रहा है। कोरियाई संगीत उद्योग के लिए समर्थन= गूगल ने घोषणा की है कि वह कोरियाई संगीत उद्योग के विकास का समर्थन करने के लिए 15 बिलियन वॉन का एक फंड बनाएगा। इस फंड का उपयोग नए कलाकारों को खोजने और विदेशी संगीत समारोहों में उनकी भागीदारी में मदद करने के लिए किया जाएगा।

जुलाई सीरीज़ में एफआईआई की आक्रामक बिकवाली

- जुलाई सीरीज में बेचे 68,000 से ज्यादा निफ्टी फ्यूचर्स

नई दिल्ली । जुलाई सीरीज़ की शुरुआत से अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) इंडेक्स फ्यूचर्स खासकर निफ्टी फ्यूचर्स में आक्रामक बिकवाली कर रहे हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) डेटा के मुताबिक एफआईआई ने अब तक कुल 16,844.97 करोड़ की शुद्ध बिकवाली की है। यह आंकड़ा 11 ट्रेडिंग सत्रों में सामने आया है और इसमें निफ्टी, बैंक निफ्टी और मिडकैप फ्यूचर्स के कुल 87,554 कॉन्ट्रैक्ट शामिल हैं। निफ्टी फ्यूचर्स में सबसे अधिक दबाव देखा गया, जहां एफआईआई ने 68,622 कॉन्ट्रैक्ट्स की शुद्ध बिकवाली की, जो कुल बिकवाली का 78 फीसदी है। इसी अवधि में निफ्टी फ्यूचर्स में ओपन इंटरेस्ट में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जो शॉर्ट पोजिशन के निर्माण का संकेत देता है। नतीजतन एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 1.8 फीसदी तक गिरा है। एफआईआई का लॉन्ग-शॉर्ट रेशियो घटकर 0.22 हो गया है, यानी हर एक लॉन्ग पोजिशन पर लगभग 5 शॉर्ट पोजिशन हैं। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि अगर निफ्टी 24,900 के स्तर को बनाए रखता है, तो बाजार को राहत मिल सकती है।

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

ललित गर्ग

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक हैं। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दशार्ता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पदार्पाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड़यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, उनके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड़यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजेक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजैक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है।

निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नकली मुद्रा के पीछे कुछ संगठित राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सक्रिय हैं। पाकिस्तान स्थित आईएसआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजकर आतंकवाद और अलगाववाद को आर्थिक समर्थन देते हैं। देश की सरकार ने डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, आधार लिंकिंग, और यूपीआई जैसी क्रांतिकारी योजनाओं के जरिए नकदी पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया है। लेकिन यह लड़ाई अकेली सरकार नहीं जीत सकती।

नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान है। यह और भी बड़ी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

संपादकीय

नीयत पर संदेह

चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था। आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है। अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई। इसी वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी अगले वर्ष होंगे। बूथ स्तर के कर्मचारियों का आरोप है कि घर-घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश व म्यामांर के अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में मिले। इस सारी कवायद पर संदेह व्यक्त करने वालों के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। साठ फीसद से भी कम नागरिकों के पास पक्का मकान है, केवल 14% वयस्क दसवीं तक पढ़े हैं। सवाल है, बड़ी संख्या में बिहारी मजदूर रोजगार के सिलसिले में अन्य राज्यों में जा चुके हैं, उनका नाम इस सूची में शामिल करने का जिम्मा कौन लेगा। हाशिए पर खड़े लोग, दलितों, वंचितों व गरीबी रेखा के नीचे गुजार करने वालों से दस्तावेजों की सूची मांगना गैरवाजिब है। उस पर भी जिनके नाम पहले ही मतदाता सूची में मौजूद हैं और वे तीन-चार बार अपना मत प्रयोग कर चुके हैं। हैरत है कि इतने व्यापक स्तर पर बनाए गए आधार कार्ड पर सरकार और उसका समूचा तंत्र विश्वास क्यों नहीं कर पाता। सबके लिए एक सामूहिक व्यवस्था क्यों नहीं दी जाती। देश के हर नागरिक के लिए एकमात्र परिचय पत्र की व्यवस्था हो, जिसके मार्फत समूची जनसंख्या का सटीक अंदाजा भी हो और वही नागकिता की पहचान बने। उसी को मतदानपत्र, लाइसेंस, पैन, बैंक अकाउंट आदि से जोड़ा जाए। आम नागरिक को तनाव देना व सरकारी महकमों के चक्कर काटने के लिए मजबूर करना या हर कुछ दिनों बाद दस्तावेजों की गड्डियां मुहैया कराना कब तक चलता रहेगा। निःसंदेह सरकार की नीयत पर शक की गुंजाइशें कम नहीं हो रहीं।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

छांगुर बाबा के साम्राज्य का अंत लेकिन कितने बाकी

अकसर हिन्दू संगठन लव जिहाद का मुद्दा उठाते रहते हैं लेकिन सभी उनका मजाक उड़ाते हैं कि ये उनकी साम्प्रदायिक सोच है, ऐसा कुछ नहीं है। विडम्बना यह है कि बार-बार लव जिहाद के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन उनकी अनदेखी कर दी जाती है। लव जैहाद कुछ और नहीं है बल्कि हिन्दू लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाने का एक तरीका है। यह भी बार-बार सुनने में आता है कि लव जैहाद के लिए मुस्लिम लड़को को पैसा दिया जाता है ताकि वो हिन्दू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करें और इसके बाद उन्हें इस्लाम कबूल करवायें। यूपी के बलरामपुर के उतरौला के छांगुर बाबा के मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि इस देश में सुनियोजित तरीके से धर्म परिवर्तन का धंधा चल रहा है। मुस्लिम देशों से इसके लिए बेइंतहा पैसा आ रहा है इसलिए इस धंधे के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। मुस्लिम लड़कों के लिए ये दोगुने फायदे का काम है। एक तो उन्हें इस काम के लिए मोटी रकम मिलती है तो दूसरी तरफ उन्हें इस काम से धर्म की सेवा का मौका भी मिलता है। मौलाना उन्हें इस काम के बदले जन्नत का लालच देते हैं। उतरौला में पैदा होने वाला छांगुर बाबा कभी भीख मांग कर गुजारा करता था और इसके बाद उसने नकली अंगूठी बेचने का धंधा शुरू किया लेकिन जब उसने धर्म परिवर्तन का धंधा शुरू किया तो वो सैकड़ों करोड़ का स्वामी बन गया। आसपास के इलाकों में उसका इतना दबदबा हो गया कि उसके खिलाफ मुंह खोलना किसी के लिए संभव नहीं था। वास्तव में उसने अपने इलाके में पुलिस-प्रशासन और अदालत में इतनी पकड़ बना रखी थी कि उसके खिलाफ आवाज उठाने वाले के ऊपर फर्जी मुकदमें ठोक दिये जाते थे। हैरानी की बात है कि कई एकड़ की सरकारी भूमि पर उसने कब्जा करके बड़ी इमारत बनाकर अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था लेकिन वहां का प्रशासन आँखे बंद करके बैठा रहा।

सवाल यह है कि पिछले 15-16 सालों से बलरामपुर में गैरकानूनी धंधे कर रहे छांगुर बाबा पर पुलिस और प्रशासन इतने मेहरबान क्यों थे। मैं सरकारी सेवा में 27 साल रहा हूं, अच्छी तरह जानता हूं कि अफसर सब कुछ देखकर अनदेखा क्यों करते हैं। इस सच को भी जानता हूं कि इस अनदेखी के लिए पैसा ऊपर से नीचे तक जाता है। मतलब साफ है कि स्थानीय प्रशासन में बैठे लोगों को सब कुछ पता था लेकिन उन्हें अनजान बने रहने के लिए छांगुर बाबा नियमित रूप से मोटा पैसा दे रहा होगा। मुख्यमंत्री योगी कितने भी सख्त प्रशासक हों लेकिन अभी भी पुराना इको सिस्टम काम कर रहा है। सच यह भी है कि अगर योगी मुख्यमंत्री नहीं होते तो यह बाबा कभी पकड़ में नहीं आता। ये योगी ही हैं जिनके कारण प्रशासन उसके खिलाफ कार्यवाही करने को मजबूर हुआ अन्यथा ये मामला दबा दिया जाता। आज ईडी भी उसके खिलाफ जांच कर रही है लेकिन सवाल यह है कि लगभग 300 करोड़ की फंडिंग जुटा लेने वाले बाबा पर किसी की नजर पहले क्यों नहीं पड़ी। मुझे ऐसा लगता है कि छांगुर पर कार्यवाही के साथ-साथ उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जानी चाहिए जो उसकी मदद कर रहे थे। मेरा तो मानना है कि बाबा के खिलाफ कार्यवाही से पहले इनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि उनके लालच ने ही ऐसा बाबा पैदा किया था। सरकार से वेतन लेने वाले ये लोग देश के खिलाफ जाकर बाबा का काम कर रहे थे। घर का एक छज्जा इन्हें दिखाई दे जाता है लेकिन 70 कमरों वाला महल इन्हें दिखाई नहीं दिया। बैंक खातों में इतने बड़े लेनदेन के बावजूद आरबीआई को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई। उसने अपनी इमारत की दीवार बहुत ऊंची बनाई हुई थी और उन पर बिजली वाली कंटीली तारें लगाई हुई थी। किसी ने यह नहीं सोचा कि इतनी सुरक्षा क्यों की जा रही है और क्या छिपाया जा रहा है। पुलिस को कभी इस इमारत में आने-जाने वालों पर कोई शक नहीं हुआ और उसे किसी खबरी ने कभी नहीं बताया कि वहां क्या चल रहा है। लोकल पुलिस से उसके कारनामे कैसे छुपे रह गए।

छांगुर बाबा ने गरीब एवं विधवा हिन्दू लड़कियों और प्रेमजाल में फंसाकर लाई गई गैर-मुस्लिम लड़कियों के धर्मपरिवर्तन और यौन शोषण की पूरी व्यवस्था तैयार की हुई थी। इसके लिए उसने कोडवर्ड बनाए हुए थे, मतांतरण को मिट्टी पलटना कहा जाता था। लड़कियों को प्रोजेक्ट कहा जाता था और उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित करने को काजल करना कहा जाता था, दर्शन करना मतलब बाबा से मिलवाना था। बाबा आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा और गैर-इस्लामी लड़कियों को बहला-फुसलाकर कर मतांतरण के लिए इस्तेमाल करता था। उसने मतांतरण के लिए जाति-धर्म के अनुसार एक निश्चित रकम तय की हुई थी। इसका नेटवर्क सिर्फ बलरामपुर तक नहीं था बल्कि यूपी के कई इलाकों में फैला हुआ था। यूपी से बाहर भी उसने अपना धंधा फैलाया हुआ था। शिक्षा की आड़ में उसने विदेशी फंडिंग की मदद से बड़ी संख्या में मदरसों का निर्माण किया हुआ था। वो सस्ती और सरकारी जमीनों पर मदरसों को निर्माण करवाता था और फिर उसके नाम पर विदेशी फंडिंग हासिल करता था। कितनी अजीब बात है कि गाजा में मुस्लिम बच्चे भूखे मर रहे हैं लेकिन मुस्लिम देश उनकी मदद को आगे नहीं आ रहे हैं लेकिन धर्म परिवर्तन के लिए ये देश पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं। ये मुस्लिम देश गरीब मुस्लिमों की मदद करने की जगह गैर-मुस्लिमों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए खुले दिल से पैसा बांट रहे हैं। गरीब अफ्रीकी देशों में मुस्लिम समाज के लोग भूखे मर रहे हैं और उनकी मदद केवल यूरोपीय देशों द्वारा की जा रही है। अरबी मुस्लिम अपने सोने के महलों में अय्याशी कर रहे हैं लेकिन उनकी तरफ देखने को तैयार नहीं हैं। कितनी अजीब बात है कि जो पहले से मुस्लिम हैं, उनकी चिंता नहीं है लेकिन जो गैर-मुस्लिम हैं, उनको मुस्लिम बनाने के लिए ये लोग अरबों रुपये लुटाने के लिए तैयार हैं। ये सोचना गलत होगा कि इन लोगों के पास केवल एक छांगुर बाबा होगा बल्कि मेरा मानना है कि इन्होंने ऐसे बाबाओं की एक फौज तैयार कर रखी होगी। एक हिन्दू लड़की, जिसका मतांतरण के बाद आयत खान नाम रख दिया गया था, उसने बताया है कि ये लोग कहते थे कि 2047 में भारत को इस्लामिक मुल्क बना देंगे। उसे बताया गया कि तुम मुस्लिम बन गई हो, अब तुम्हें भी जन्नत मिल जाएगी। अभी इस मामले की बहुत पर्ते खुलनी है, लगता है कि ये मामला बहुत बड़ा है। छांगुर बाबा के कई माफिया गिरोह के साथ मिलीभगत सामने आ रही है। वैसे भी इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी जमीनों पर कब्जा बिना माफिया की मदद के संभव नहीं लगता। हिन्दू समाज को इस मामले पर नजर रखनी होगी क्योंकि उसे धर्मनिरपेक्षता की भांग पिलाकर मूर्ख बनाया जा रहा है। कई मुस्लिम संगठन भारत को सुनियोजित तरीके से इस्लामिक देश बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। छांगुर बाबा अकेला नहीं हो सकता और न जाने कितने छांगुर बाबा हमारे देश में छुप कर इस काम में लगे हुए होंगे। केन्द्र सरकार को विपक्ष शासित राज्यों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण विपक्षी दलों की सरकारें ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही कभी नहीं करेंगी। हमें समझना होगा कि लव जिहाद हमारे देश की सच्चाई है, इसे अनदेखा करना घातक साबित होगा।

-राजेश कुमार पासी

हिमालय पर विकास के नाम पर हो रहा छेड़छाड़ पड़ेगा भारी

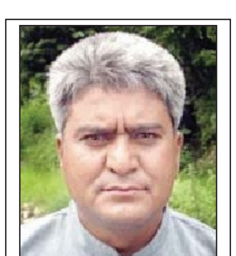

सुरेश भाई

हिमालय में बाढ़ और भूस्खलन के चलते पर्यटकों और यात्रियों को बार-बार रोकना पड़ रहा है। गांव में रहने वाले लोग भारी बारिश के चलते रातभर सो नहीं पाते हैं।

ऐसी भी सैकड़ों बस्तियां हैं जिनके आसपास विकास के नाम पर चारागाह, जंगल, खेती, पुराने रास्ते, नहरें क्षतिग्रस्त हुए हैं और वहां से लोग भूस्खलन की डर से सुरक्षित स्थान की तरफ भाग जाते हैं। इस विषम परिस्थिति में गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक तकलीफ में हैं।

पुराने समय में हिमालय के पर्वतीय अंचल में जब बरसात प्रारंभ होती थी तो लोग अपने मवेशियों को लेकर जंगल में घास के बीच में छानियां बनाकर निवास करते थे। जहां से वे दूध, घी, मक्खन बनाकर बेचते थे और उसके बदले उन्हें साल भर की राशन खरीदना होता था। तब उनके चारों ओर आज की जैसी आपदा की स्थिति नहीं थी और बारिश में लोगों को अपनी खेती-बाड़ी में बारहनाजा (एक ही खेत में 12 प्रकार की फसल) की फसलें तैयार होती दिखाई देती थी। हिमालय के नीचे मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी बरसाती मौसम में नदियों में बहकर जाने वाली उपजाऊ मिट्टी, पानी को अच्छी फसल के संकेत मानते थे।

अब वह पुराना समय चला गया है। गत वर्ष 2023-24 में जिस तरह की बाढ़ मध्य हिमालय से लेकर हिमाचल, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे।

उसकी पुनरावृत्ति सन 2025 की शुरू आती बरसात में ही दिख रही है। बरसात के मौसम का प्रभाव उत्तराखंड और हिमाचल पर सबसे अधिक है। केदारनाथ जाने वाले रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले वर्षो से सड़क चौड़ीकरण के बाद दर्जनों डेंजर जोन बने हुए हैं। जहां पर इस बार भी सोनप्रयाग के पास पहाड़ खिसकने से लगभग 1300 यात्रियों को रेस्क्यू करना पड़ा।

जून के अंत में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास निर्माण कार्य में लगे 18 मजदूरों में से 9 मजदूर बहकर लापता हो गये थे। यहां पर बहुत लंबे समय से औजरी, डाबरकोट, कुथनौर, पालीगाड़, सिलाई बैंड, किसाला आदि स्थान भू-धंसाव के लिए संवेदनशील बने हुए हैं। 2023-24 की बरसात में भी यहां पर लगातार निर्माण का मलबा सड़क पर बहकर आया था। इसके बावजूद भी करोड़ों खर्च करने के बाद इस मार्ग को चौड़ीकरण करने से पहले भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र को बचाने के लिए जो वैज्ञानिक उपाय होने चाहिए थे उस पर ध्यान नहीं गया है, जिसके कारण लंबे समय से हर बरसात में यह स्थान यमुना नदी की तरफ टूट कर बह जाता है।

यमुनोत्री आने-जाने वाले तीर्थयात्री बड़ी मुश्किल से इस भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। जानकी चट्टी से यमुनोत्री तक 6 किमी के पैदल रास्ते पर भी एक दर्जन ऐसे संवेदनशील स्थान वैज्ञानिकों ने चिह्नित किए हैं जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इस बार भी यहां पर लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अतः जरूरत है कि बहुत चौड़ी सड़क के स्थान पर जहां से भूस्खलन लगातार हो रहा है उस एरिया तक पहुंच बना करके ट्रीटमेंट करने पर ध्यान देना चाहिए। सड़क मार्ग को इस डेंजर जोन पर अधिक चौड़ा करने की कोशिश करेंगे तो आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दूसरी ओर स्याना चट्टी के पास यमुना नदी पर झील बनने का खतरा बना हुआ है, जिस पर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यहां भूस्खलन क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। गंगा की सहायक नदी अलकनंदा, भागीरथी, भिलंगना, बालगंगा उफान पर हैं, लोग भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं। हिमाचल में पिछले 15 दिनों में लगभग 17 स्थानों पर बादल फटे हैं। अब तक लगभग 100 लोगों की जिंदगी चली गई है और 55 लोग लापता हैं। लगभग 80 हजार की आबादी पर भूस्खलन का खतरा मंडरा रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंचते ही हाहाकार मच गया। ब्रह्मपुत्र समेत 10 नदियां उफान पर है। सिक्किम में भूस्खलन से सेना का एक शिविर दब गया जिसमें तीन जवान शहीद हो गए थे और 6 लोग लापता हैं। असम और अरु णाचल प्रदेश में भी 10-10 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। 10 हजार लोग राहत शिविरों में रखे गए हैं। असम और मणिपुर में चार लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

प्रभावित लोग महसूस कर रहे हैं कि हिमालय की भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज करके जिस तरह से फोरलाइन मार्गों का निर्माण, वनों का कटान,

बहुमंजिली इमारतें, हिमालय की संवेदनशील धरती के साथ विकास के नाम पर अनियोजित छेड़छाड़, बार-बार भूकंप आना, अनियंत्रित पर्यटन और पंचतारा संस्कृति ने अधिक उपभोग करने की चाह में संकट पैदा कर दिया है। निर्माण कार्य में प्रयोग होने वाले विस्फोट से मलबा नदियों में एकत्रित होकर बाढ़ के हालात पैदा कर रहा है। निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीनों ने भी पहाड़ को हिला कर रख दिया है। जो हिमालय की भूगद्भक बनावट के लिए बहुत खतरनाक है। यहां के पर्यावरण और जीवनशैली के अनुरूप विकास की नई रेखा खींचनी होगी और हिमालय पर विकास के नाम पर हो रहे मैदानों के अनुरूप जैसी छेड़छाड़ को रोका जाए।

कांवड़ को लेकर विवादित कविता वायरल, टीचर पर एफआईआर दर्ज

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में इंटरमीडिएट कॉलेज के टीचर पर एफआईआर दर्ज हुई। दरअसल, सोशल मीडिया पर टीचर की कविता वायरल हुई थी, जिसमें वे कांवड़ यात्रा को लेकर टिप्पणी कर रहे थे। कुछ लोगों को उनकी कांवड़ पर कही गई ये कविता पसंद नहीं आई और उन्होंने इस लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी। उनका कहना था कि टीचर ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसके बाद पुलिस ने टीचर के खिलाफ एक्शन ले लिया। आरोपी टीचर का नाम रजनीश गंगवार है। उन्होंने स्टूडेंट्स के सामने खड़े होकर कविता पढ़ी थी कि कांवड़ लेने मत जाना, तुम ज्ञान का दीप जलाना... मानवता की सेवा करके, तुम सच्चे मानव बन जाना... कांवड़ ले जाकर कोई एसपी-डीएम नहीं बना है... उनकी ये कविता आगे भी चली जिसमें कांवड़ यात्रा पर इसतरह की टिप्पणी की गई थी। वीडियो एमजीएम इंटर कॉलेज का बताया जा रहा है। जैसे ही टीचर गंगवार का ये वीडियो वायरल हुआ, हिंदू संगठन के लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर कांवड़ यात्रियों के लिए सावन के महीने में जगह-जगह पुष्प वर्षा हो रही है, सीएम खुद कांवड़ यात्रियों के लिए व्यवस्था करा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक टीचर स्कूल में कांवड़ को लेकर भड़काऊ और विवादित कविता गाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है। ये कतई बर्दाश्त नहीं होगा।

हिमाचल में पैराग्लाइडर क्रैश होने से पर्यटक की दर्दनाक मौत

शिमला (एजेंसी)। धर्मशाला में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां पैराग्लाइडर क्रैश होने से गुजरात के अहमदाबाद से आए 25 साल के पर्यटक की मौत हो गई। धर्मशाला के बाहरी हिस्से इंद्रूनाग में यह हादसा हुआ। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांगड़ा के एएसपी हितेश लखनपाल ने कहा कि यह हादसा टेकऑफ के दौरान हुआ जब ग्लाइडर हवा में उड़ नहीं सका। कुछ ही दूर जाने के बाद यह पर्यटक को लेकर जमीन पर गिर पड़ा। पर्यटक सतीश राजेश भाई और पायलट सूरज घायल हो गए। सतीश के सिर, मुंह और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। पहले उन्हें जोनल अस्पताल धर्मशाला में भर्ती कराया गया और यहां प्राथमिक उपचार के बाद टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, सूरज का इलाज कांगड़ा के बालाजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सतीश के परिवार को घटना की सूचना दी गई है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव उन्हें सौंप दिया जाएगा। इंद्रूनाग में यह छह महीने के भीतर दूसरा पैराग्लाइडिंग हादसा है। जनवरी में यहां 19 साल की भवसार खुशी की मौत हो गई थी। वह भी गुजरात के अहमदाबाद की रहने वाली थी। टेकऑफ के दौरान खुशी का पैराग्लाइडर क्रैश हो गया था। एएसपी ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है कि क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी। कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर हेमराज बैरवा ने पूरे जिले में 15 सितंबर तक पैराग्लाइडिंग पर रोक लगा दी है।

पटना में लापता बैंक मैनेजर का शव कुएं में मिला

पटना (एजेंसी)। पटना में लापता हुए बैंक मैनेजर अभिषेक वरुण का शव बेउर जेल इलाके में एक कुएं में मिला। पुलिस को उसी कुएं में डूबा हुआ उनका स्कूटर भी मिला है। वरुण पटना में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे और कंकड़बाग इलाके में रहते थे। उनके परिवार के अनुसार, रविवार रात वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ एक पारिवारिक समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह के बाद, उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों को घर लौटने का कहकर खुद समारोह स्थल पर ही रुक गए। उनकी पत्नी ने बताया कि घर पहुंचने के बाद अभिषेक ने उन्हें फोन कर बताया कि वे रास्ते में हैं। सुबह लगभग 3 बजे पति ने फिर फोन कर बताया कि उनका एक्सीडेंट हो गया है, जिसके बाद उनका फोन बंद हो गया। इसके बाद परिवार ने अगली सुबह उनकी तलाश शुरू कर दी और थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। फुलवारी के डीएसपी सुशील कुमार ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या यह एक दुर्घटना का मामला लग रहा है। अभिषेक की सास और मौसी ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने वरुण को पार्टी में बुलाया था, वहीं उसकी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने दावा किया कि अभिषेक को पार्टी में बुलाया गया था और यह घटना सुनियोजित थी। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना से पहले उसे शराब पिलाई गई थी और उसके साथ जो हुआ उसके पीछे उन्हीं का हाथ है।

मुंबई की लोकल लाइफ लाइन या डेथ लाइन?, 8 साल में 8,273 यात्रियों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की लोकल ट्रेनों को लाइफ लाइन कहा जाता है लेकिन बीते कुछ सालों के दौरान हुए अनगिनत हादसों के बाद अब लोग पूछ रहे हैं कि मुंबई की लोकल को लाइफ लाइन मानें या फिर डेथ लाइन? दरअसल हाल ही में ठाणे से सटे मुंब्रा रेलवे स्टेशन के पास एक हादसा हुआ था, जिसमें चलती लोकल ट्रेन से नीचे गिरने से कुछ यात्रियों की मौत हो गई थी। यह मामला फिलहाल बॉम्बे हाईकोर्ट में है। इस मामले की सुनवाई के दौरान मध्य रेलवे ने मृतकों के आंकड़े दिए। रेलवे ने हाईकोर्ट को बताया कि साल 2025 के पहले पांच महीनों में विभिन्न कारणों से 443 लोगों की मौत हुई है। मध्य रेलवे द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया गया है कि 2018 में रेलवे ट्रैक पार करते समय लोकल ट्रेनों के सामने आने से 1022 लोगों की मौत हुई। इसी साल लोकल ट्रेनों से गिरकर 482 यात्रियों की मौत हुई। मध्य रेलवे की वकील अनामिका मल्होत्रा द्वारा दाखिल इस हलफनामे में बताया गया है कि 2019 में रेलवे ट्रैक पार करते समय 920 लोगों की मौत हुई, जबकि लोकल ट्रेन से गिरकर 426 लोगों की जान गई। जबकि वर्ष 2020 में भी रेलवे ट्रैक पार करते समय लोकल ट्रेन के सामने आने से 471 लोगों की मौत हुई थी और लोकल ट्रेन से गिरकर 134 लोगों की मौत हुई थी। 2021 में रेलवे ट्रैक पार करते समय मौतों की संख्या 748 थी, जबकि लोकल ट्रेनों में यात्रा करते समय नीचे गिरने से मौतों की संख्या 189 थी।

पप्पू यादव ने दिया तेजस्वी को झटका कहा- कांग्रेस दलित को बनाएगी सीएम का चेहरा

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर सियासी हलचल मचाने वाला बयान दिया। उन्होंने इशारों में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार मानने से इनकार करते हुए राजेश राम और तारिक अनवर को कांग्रेस की ओर से संभावित चेहरे के रूप में पेश किया। बता दें कि पप्पू यादव अपनी जन अधिकार पार्टी को कांग्रेस में विलय कर चुके हैं। वह कांग्रेस के बड़े नेताओं के संपर्क में हैं। हाल में ही राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद कहा कि उन्हें दोनों नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी की प्राथमिकता एनडीए और बीजेपी को रोकना है। पप्पू यादव ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम को बड़ी भूमिका सौंपे जाने की बात कही और उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरों में से एक बताया। इसके साथ ही उन्होंने तारिक अनवर का नाम भी प्रस्तावित किया, जिससे तेजस्वी यादव की उम्मीदवारी पर सवाल उठ गए।

पप्पू यादव के इस बयान ने महागठबंधन में दरार की अटकलों को हवा दी है, जबकि राजद ने स्पष्ट किया कि तेजस्वी यादव ही उनके नेता रहेंगे। राजद ने उनके बयान को खारिज करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव 2020 की तरह ही 2025 विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का नेता हैं। वहीं, दूसरी ओर पप्पू यादव का कांग्रेस के नेताओं को आगे करने वाला यह बयान बिहार की राजनीति में नये मोड़ का संकेत देता हुआ प्रतीत हो रहा है। पप्पू यादव ने स्पष्ट किया कि वह स्वयं मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं, लेकिन कांग्रेस की ओर से तेजस्वी यादव को सीएम उम्मीदवार घोषित करने पर भी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का अंतिम निर्णय ही मायने रखेगा। जाहिर है पप्पू यादव का यह बयान महागठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठाता है, खासकर तब जब राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने दोहराया कि 2020 की तरह 2025 में भी तेजस्वी यादव ही उनके नेता हैं और मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी।

जानकार बताते हैं कि पप्पू यादव का तेजस्वी को सीएम चेहरा न मानना और हाल के बिहार बंद में उनके साथ मंच साझा न करने की घटना महागठबंधन में तनाव का संकेत देती है। बीते 9 जुलाई को पटना में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ चक्का जाम के दौरान पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को मंच पर जगह नहीं दी गई थी, जिसे राजद के दबदबे से जोड़कर देखा गया। पप्पू यादव ने इसे अपमान न मानते हुए जनता के लिए बलिदान बताया, लेकिन उनके ताजा बयान से साफ है कि वह राजद की एकछत्र भूमिका को चुनौती दे रहे हैं। जानकारों का मानना है कि पप्पू यादव का यह कदम सीमांचल क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ और मुस्लिम-यादव वोट बैंक पर प्रभाव को बताता है। उनकी स्वतंत्र उम्मीदवाक के तौर पर जीत और लोकप्रियता महागठबंधन के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन राजद के साथ उनकी तल्खी गठबंधन की रणनीति को प्रभावित कर सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है और राहुल गांधी की लगातार यात्राओं से दलित और शहरी वोटरों को लुभाने की रणनीति बना रही है।

नेतृत्व को लेकर मतभेद गहरा

दूसरी ओर राजद प्रवक्ता मृत्युंजय कुमार तिवारी ने पप्पू यादव के बयान को उनकी निजी राय बताकर पल्ला झाड़ लिया, लेकिन यह स्पष्ट है कि महागठबंधन में सीट बंटवारे और नेतृत्व को लेकर मतभेद गहरा रहे हैं। अगर कांग्रेस तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने में देरी करती है तो गठबंधन की एकता खतरे में पड़ सकती है। पप्पू यादव का यह रुख बिहार की सियासत में नया मोड़ ला सकता है, जहां एनडीए के खिलाफ लड़ाई में विपक्ष की एकजुटता अहम होगी।

फ्लाइट में हंगामा : कॉकपिट में जबरन घुसने लगे दो यात्री, दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट संख्या एसजी 9282 बैठे दो यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। दोनों यात्री जबरन कॉकपिट में घुसने की कोशिश कर रहे थे तभी उन्हे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारकर सीआईएसएफ के हवाले कर दिया गया। स्पाइसजेट ने बताया कि विमान को मुंबई जाना था, उसे वापस 'बे' पर लाया गया। दोनों यात्रियों को उतारकर उन्हें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को सौंप दिया गया। उसने कहा, 14 जुलाई को दिल्ली से मुंबई जा रही स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी 9282 से दो उपद्रवी यात्रियों को उतार दिया गया है। विमानन कंपनी ने अपने बयान में कहा, 'दोनों यात्रियों ने कॉकपिट के पास जबरन जाने की कोशिश की और विमान की गतिविधियों में व्यवधान पैदा किया। विमानों की उड़ान पर नजर रखने वाली वेबसाइट पर भी इसे लेकर कुछ जानकारियां उपलब्ध हैं। इसके अनुसार, उड़ान संख्या एसजी 9282 को मूल रूप से दोपहर साढ़े 12 बजे रवाना होना था, वह शाम सात बजकर 21 मिनट पर रवाना हुई।

विमान दुर्घटना में 4 लोगों की मौत

दूसरी ओर, लंदन के साउथेंड एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई है। एसेक्स पुलिस ने सोमवार को कहा कि पीड़ितों की पहचान की जा रही है, जिनमें से ब्रिटेन का कोई भी नागरिक नहीं है। डच कंपनी 'ज्यूश एविएशन' की ओरक से ऑपरेटेड बीचक्राफ्ट बी200 सुपर किंग विमान ने ग्रीस के एथेंस से पुला (क्रोएशिया) गया, फिर वहां से साउथेंड (ब्रिटेन) के लिए रवाना हुआ। यह विमान रविवार शाम को नीदरलैंड के लेलिस्टाड लौटने वाला था। 23 मीटर लंबा यह टर्बोप्रॉप विमान उड़ान भरने के कुछ ही पल बाद नीचे आ गिरा और उसमें आग लग गई।

औवेसी के लिए सुप्रीम कोर्ट से आई राहत भरी खबर... मान्यता रद्द करने की मांग वाली याचिका वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के लिए राहत भरी खबर आई है। याचिकाकर्ता ने पार्टी की मान्यता रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका वापस ले ली है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता दी है कि वह नई याचिका दाखिल कर सकता है।

यह याचिका शिवसेना (तेलंगाना विंग) के अध्यक्ष तिरुपति नरसिम्हा मुरारी की ओर से दाखिल हुई थी। याचिकाकर्ता के वकील विष्णु शंकर जैन ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि एआईएमआईएम संविधान में निहित सेक्युलरिज्म के सिद्धांत का पालन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी केवल एक विशेष समुदाय के हितों की बात करती है, जो कि भारतीय संविधान और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के खिलाफ है।

वकील जैन ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अगर मैं चुनाव आयोग के पास जाकर कहूं कि मैं वेदों और पुराणों को आधार बनाकर पार्टी बनाना चाहता हूं, तब मेरा रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। फिर भी आयोग ने कैसे एआईएमआईएम को अल्पसंख्यक वर्ग के धार्मिक विचारों पर आधारित पार्टी के तौर पर मान्यता दी गई? उन्होंने कहा कि संविधान में सिर्फ माइनॉरिटी एजुकेशन इंस्टीट्यूशन के गठन का अधिकार है, राजनीतिक पार्टी बनने का अधिकारी नहीं है।

याचिका में कहा गया था कि चुनाव आयोग ने एआईएमआईएम को राजनीतिक दल के रूप में मान्यता देकर संविधान के सेक्युलर ढांचे का उल्लंघन किया है। औवेसी की पार्टी का एजेंडा सांप्रदायिक और एकपक्षीय है। पार्टी का एकमात्र मकसद सिर्फ मुस्लिम समुदाय के पक्ष में काम करना है। याचिकाकर्ता का दावा था कि यह पार्टी देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के खिलाफ कार्य कर रही है।

शिवसेना और मनसे का गठबंधन वेट एंड वाच मोड पर

– क्या बिहार चुनाव के बाद ठाकरे बंधु लेंगे फैसला ?

मुंबई (एजेंसी)। बीते 5 जुलाई को, लगभग 20 साल बाद, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक विजय रैली के लिए मंच पर एक साथ आए। ऐसी चर्चा थी कि शिवसेना और मनसे एक साथ आएंगे और ठाकरे बंधुओं का गठबंधन होगा। यह भी चर्चा थी कि ठाकरे बंधु एक साथ महानगरपालिका चुनाव लड़ेंगे। अब इस चर्चा में एक बड़ा मोड़ आ गया है। राज और उद्धव ठाकरे के बीच गठबंधन को लेकर जो सबसे बड़ी खबर सामने आई है इसने महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से हलचल मचा दी है। दरअसल

ठाकरे बंधु मराठी भाषा के मुद्दे पर एक साथ आए। क्या महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के राज ठाकरे और शिवसेना (ठाकरे) के उद्धव ठाकरे राजनीतिक गठबंधन करेंगे? यह सवाल पूरे महाराष्ट्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, अब

इस संबंध में जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक ठाकरे बंधुओं का राजनीतिक गठबंधन को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने मराठी के मुद्दे पर साथ आने का फैसला किया था। लेकिन मनसे सूत्रों ने कहा है कि राजनीतिक गठबंधन पर कोई फैसला नहीं हुआ है। यह कहकर कि अभी तक कोई राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है, मनसे ने शिवसेना सदस्यों की बेचैनी बढ़ा दी है। हालांकि, उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे ने कहा है कि हम वही करेंगे जो महाराष्ट्र के हित में होगा। जबकि उद्धव ठाकरे ने मनसे के रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि राज ठाकरे ने निर्देश दिया है कि प्रवक्ता कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। आइए देखें कि महानगरपालिका चुनावों की घोषणा के बाद शिवसेना-मनसे गठबंधन होता है या नहीं? उद्धव ठाकरे ने भी प्रतीक्षा करने का रुख अपनाया है। यानि यह साफ नजर आ रहा है कि शिवसेना और मनसे का गठबंधन फ़िलहाल वेट एंड वाच मोड पर है।

क्या बिहार चुनाव के बाद ठाकरे बंधु लेंगे फैसला ?

सूत्रों की मानें तो बिहार विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में शिवसेना और मनसे के गठबंधन को लेकर कोई सकारात्मक फैसला लिया जा सकता है। इसके पीछे की रणनीति उत्तरभारतीय वोट बैंक मानी जा रही है। दरअसल मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे लगातार मुंबई/महाराष्ट्र में उत्तरभारतीयों का विरोध करते आ रहे हैं और हाल ही में हिंदी के मुद्दे पर उनका आक्रामक रुख रहा है।

भारत में चल रहा बाबा वाद, गलत व्यक्ति के चक्कर में न पड़ें : धीरेंद्र शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने छांगुर बाबा द्वारा कथित धर्मांतरण के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छांगुर बाबा ने धर्म की आड़ में कई महिलाओं का शोषण किया, गंदे कृत्यों को अंजाम दिया और हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया। धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान में हिंदू समुदाय को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत में अभी बाबा वाद बहुत चल रहा है। हमें बाबाओं से दिक्कत नहीं है, आप से दिक्कत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी गलत व्यक्ति के चक्कर में न पड़ें। गलत परंपरा, गलत संस्कृति, गलत विचारधारा और गंदी मानसिकता वाले व्यक्ति के संरक्षण में जाने से वह आपको भी भ्रष्ट कर देगा। इसका सबसे बड़ा नुकसान हिंदू धर्म को होगा। शास्त्री ने कहा कि हमने पहले भी कहा है कि सब कुछ टूटे पर किसी का भरोसा न टूटे। हम ये कहेंगे कि तुम बाबाओं के चक्कर में मत पड़ो, बल्कि बालाजी के चक्कर में पड़ो। उन्होंने साफ कहा कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होने और सही मार्ग पर चलने की जरूरत है। बता दें हाल ही में उत्तर प्रदेश पुलिस ने छांगुर बाबा के कारनामों का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छांगुर बाबा को धर्मांतरण और महिलाओं के शोषण के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस को जांच में पता चला कि छांगुर बाबा एक संगठित

कर्नाटक में अल्पसंख्यकों और एससी-एसटी के लोगों को भेदभाव से बचाएगा रोहित वेमुला बिल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार एक ऐसा बिल लाने जा रही है जो अल्पसंख्यकों और एससी-एसटी के लोगों को भेदभाव से बचाएगा। इस बिल में भेदभाव करने वालों को जेल और जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साल 2016 में आत्महत्या करने वाले दलित पी एचडी छात्र रोहित वेमुला के नाम पर यह विधेयक विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान पेश हो सकता है। खबर है कि इसमें भेदभाव करने के दोषियों के खिलाफ भारी सजा के प्रावधान हैं। हालांकि, इसके प्रावधानों को लेकर लेकर राज्य सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

कर्नाटक रोहित वेमुला (बहिष्कार या अन्याय निवारण) (शिक्षा और सम्मान का अधिकार) विधेयक, 2025 मॉनसून सत्र के दौरान पेश किया जा सकता है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक शामिल होंगे।

खबर है कि बिल का मकसद एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों में शिक्षा का अधिकार और शिक्षा तक पहुंच मुहैया कराना है। रिपोर्ट के अनुसार, मसौदे में कहा गया है कि इसके तहत अपराध साबित होने पर जमानत नहीं हो सकेगी। साथ ही अगर कोई भेदभाव करता है या भेदभाव में सहयोग करता है या उकसाता है, तो उसे सजा दी जाएगी। पहली बार अपराध करने पर एक साल की जेल और 10 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही अदालत मुआवजा को सीधे पीड़ित को देने की अनुमति दे सकती हैं। यह धनराशि 1 लाख तक जा सकती है। बार-बार अपराध करने पर तीन साल की जेल और 1 लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। खबर है कि अगर कोई संस्थान सभी वर्गों, जातियों, पंथों, लिंगों या राष्ट्रों के लिए शिक्षा उपलब्ध कराने के प्रावधानों का उल्लंघन करती है, तो उसपर भी ऐसा ही दंड लगेगा। रिपोर्ट के अनुसार, बिल में बताया गया है कि राज्य सरकार की तरफ से ऐसे संस्थानों को आर्थिक मदद या अनुदान नहीं दिया जाएगा। हैदराबाद विश्विद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला ने जनवरी, 2016 में कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर 'रोहित वेमुला अधिनियम' लागू करने के लिए कहा था।

नर्सिंग कॉलेज के खिलाफ सीएम सिद्धारमैया लेंगे एक्शन? छात्र संगठन ने हिजाब प्रतिबंध को लेकर की ये अपील

बेंगलुरु (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बेंगलुरु के एक नर्सिंग कॉलेज में कथित धार्मिक भेदभाव की घटना में तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में, जेकेएसए ने कहा कि श्री सौभाग्य ललिता कॉलेज ऑफ नर्सिंग में कश्मीरी छात्राओं को कक्षाओं में आने से रोक दिया गया और हिजाब या बुर्का पहनने पर उन्हें निष्कासित करने की धमकी दी गई। यह कॉलेज राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरजीयूएचएस) से संबद्ध है। एसोसिएशन ने पत्र में कहा कि इन कश्मीरी छात्राओं को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया गया है, अपमानित किया गया है और शिक्षा के उनके मौलिक अधिकार से वंचित किया गया है, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने बुर्का या अबाया पहनने का विकल्प चुना है।

जेकेएसए के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुएहामी ने दावा किया कि कॉलेज के अध्यक्ष ने एक कक्षा में प्रवेश किया और हिजाब पहने छात्राओं को बाहर जाने का आदेश दिया। पूछताछ करने पर, अध्यक्ष ने कथित तौर पर कहा, यह हमारा कॉलेज है; यहाँ केवल हमारे नियम लागू होते हैं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर वे ऐसा नहीं करेंगी तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा और उनके रिकॉर्ड जब्त कर लिए जाएँगे। एसोसिएशन ने ज़ोर देकर कहा कि कोई भी क़ानून या विश्वविद्यालय नीति कक्षाओं में हिजाब या बुर्का पहनने पर प्रतिबंध नहीं लगाती है, और इस तरह के प्रतिबंध को लागू करना अवैध और भेदभावपूर्ण बताया। खुएहामी ने बताया कि प्रशासन ने अन्य छात्राओं की आपत्तियों का हवाला देते हुए इस कदम को उचित ठहराया और दावा किया देश में कहीं भी मेडिकल छात्रों के लिए हिजाब और पर्दा की अनुमति नहीं है।

जेकेएसए ने इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए उन्हें बेतुका, इस्लामोफोबिक रूढ़िवादिता बताया और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25, 15 और 21ए का हवाला देते हुए इस घटना को संवैधानिक अधिकारों का खतरनाक उल्लंघन बताया। भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक क्षति पर प्रकाश डालते हुए, खुएहामी ने कहा कि यह समान रूप से हृदयविदारक और क्रोधित करने वाला है कि एक संघर्ष प्रभावित क्षेत्र के छात्रों को... अब इस तरह के अपमान और आघात का सामना करना पड़ रहा है।

मायावती ने भतीजे आकाश को सौंपी कमान, बिहार में होगी पहली परीक्षा

–पार्टी युवा, ऊर्जा और नए समीकरणों से खुद को दोबारा खड़ा करना चाहती है

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में दलितों की सबसे मजबूत आवाज रही बहुजन समाज पार्टी आज अपना अस्तित्व खोती जा रह है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ 1 सीट पर सिमट चुकी बसपा अब 2027 के मिशन में जुट गई है। मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को फ्रंटफुट पर लाकर पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। सवाल यह है कि क्या बसपा 2027 में सत्ता में वापसी कर पाएगी?

बता दें मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक बना दिया है। आकाश को मई में अचानक पार्टी में वापस लिया। अब उन्हें तीन राष्ट्रीय समन्वयकों के ऊपर काम करने की जिम्मेदारी सौंपी है। यह पद विशेष रूप से आकाश के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही वह पार्टी में दूसरे नंबर के नेता बन गए हैं। अब यह प्रश्न उठ रहा है कि आकाश आनंद बसपा के लिए मजबूरी क्यों बनते जा रहे हैं जबकि लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था।

बसपा आज यूपी में हाशिए पर है। हालांकि पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल किए थे, जो उसे फिर से खड़ा होने की संभावना को दर्शाते हैं। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा को मात्र 9.39 फीसदी वोट मिले जो खतरे का संकेत है। आकाश को फिर से आगे लाने का फैसला इस संकेत के रूप में देखा जा सकता है कि पार्टी युवा, ऊर्जा और नए समीकरणों के सहारे खुद को दोबारा खड़ा करना चाहती है।

बसपा की सबसे बड़ी दिक्कत घटता जनाधार और जमीन पर कमजोर होती पकड़ है। पार्टी का दलित वोट बैंक बीजेपी और सपा में शिफ्ट हो गया है वहीं मुस्लिम सपा में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। साथ ही नगीना से सांसद चंद्रशेखर रावण का दलित वोटरों पर बढ़ता प्रभाव भी बसपा के लिए खतरा है। आकाश की पहली परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में होगी। हालांकि बसपा के सामने समय कम है और चुनौतियां ज्यादा। बिहार की अब तक की राजनीति पर नजर डालें तो बसपा यहां कभी भी निर्णायक राजनीति ताकत नहीं बन पाई है, लेकिन 243 विधानसभा सीटों वाले बिहार विधानसभा में बसपा करीब 25-30 सीटों पर अपने मजबूत कैडर की वजह से हमेशा से प्रतिद्वंदी पार्टियों को टेंशन देती आई है। बिहार में अब बीजेपी, राजद के बाद प्रशांत किशोर और एआईएमआईएम की एंट्री के बाद बसपा की राह कठिन होगी।

मायावती ने आकाश आनंद को मुख्य राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त कर यह साफ कर दिया है कि 2027 का चुनाव अब युवा नेतृत्व के हाथों में होगा। आकाश को बिहार चुनाव की जिम्मेदारी भी दी गई है, ताकि वह मैदान में खुद को साबित कर सकें। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बसपा इस बार युवा चेहरा, सोशल मीडिया, जातीय समीकरण के कॉम्बिनेशन पर दांव लगाने जा रही है। हालांकि जमीन पर इसका असर अभी तक दिखाई नहीं दे रहा है।

बता दें यूपी में ओबीसी की सियासत मुलायम सिंह यादव ने शुरू की तो अति पिछड़ों की राजनीतिक ताकत को सबसे पहले कांशीराम ने समझा था। कांशीराम ने अतिपिछड़ों में मौर्य, कुशवाहा, नाई, पाल, राजभर, नोनिया, बिंद, मल्लाह, साहू जैसे समुदाय के नेताओं को बसपा के साथ जोड़कर एक मजबूत बहुजन सियासत खड़ी की थी। बसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान कांशीराम और मायावती ने अपने हाथ में रखी, लेकिन यूपी में संगठन की बागडोर ज्यादातर ओबीसी नेताओं के हाथ

में रही है। कांशीराम के निधन और 2012 में सत्ता से बाहर होने के बाद जाटव समाज बसपा के साथ जुड़ा रहा, लेकिन गैर-जाटव दलित और अतिपिछड़ी जातियां दूर हो गई। इसके चलते बसपा का वोट शेयर 9.39 फीसदी पर पहुंच गया है।

हेल्थ प्लस

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक डियोडरेंट्स

गर्मियां हो या सर्दियां डियोडरेंट का प्रयोग आम हो चला है। लड़कियां व महिलाएं इसका प्रयोग ज्यादातर करती हैं लेकिन वह नहीं जानती कि डियोडरेंट उनकी कोमल त्वचा को हानि पहुंचा सकता है क्योंकि इसमें एल्युमीनियम निर्मित लवणों का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को हानि पहुंचा सकते हैं....

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिये बाजार में विभिन्न प्रकार के खुशबुओं के डियोडरेंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरेंट्स का मजा पांच-सितारा होटल और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरेंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

- महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरेंटस सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरेंट्स में अल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाये जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर की ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइये, डियोडरेंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें।
- डियोडरेंटस त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरेंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाये तो आंखे लाल हो जाती हैं और अगर तुरंत शुद्ध पानी से न धोया जाये तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स में पाये जाने वाले अल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुलकर लंबे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरेंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है और अचानक इससे मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरेंट्स का उपयोग रोकना नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिये 10-12 गिलास पानी पियें। नहाते वक्त पानी में डिटाल या नींबू का रस मिलाकर नहायें। शरीर में महक बढ़ाने के लिये नहाने के पानी में गुलाब जल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगायें।
- बाजार से डियोडरेंट्स खरीदते वक्त देख लें कि उसमें अल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि यह सेहत के लिये हानिकारक हैं। डियोडरेंट अगर अल्यूमीनियम क्लोरोहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिये अत्यधिक सुरक्षित हैं। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरेंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फल का सेवन अधिक करें तथा डियोडरेंट्स की जगह पाउडर का इस्तेमाल करें।

ताकि त्वचा रहे स्वस्थ

सुंदर और बेदाग त्वचा व्यक्तित्व निखार का कारण बनती है, वहीं उन्हें दीर्घकालीन स्वास्थ्य भी प्रदान करती है। त्वचा किसी को भी संरक्षण प्रदान कर उसका कायाकल्प करती रहती है, अतः हर किसी को त्वचा की देखभाल अच्छी तरह करनी आनी ही चाहिए। इसके लिए सर्वप्रथम हमें शरीर को पांच भागों में विभक्त करना होगा।

- चेहरे की स्वच्छता एवं साफ सफाई।
- शरीर के विभिन्न हिस्सों की सफाई।
- शरीर स्थित पैर, एड़ी, पंजे एवं अंगुलियों की सफाई।
- सिर स्थित बालों की सफाई।
- त्वचा की सफाई हेतु अक्सर और अधिकांशतः सभी लोग साबुन का प्रयोग करते हैं अथवा तरल साबुन का जिसे शैंपू भी कहा जता है। साबुन लगाने के बाद सारा शरीर अच्छी तरह मल कर झांवे से रगड़कर पहले शरीर स्थित मैल उतरने देना चाहिए। तत्पश्चात पानी से खूब अच्छी तरह धो लेना चाहिए जिससे सारा साबुन भी मैल के साथ धुल जाए।
- अक्सर चेहरे पर मुंहासे हो जाते हैं। जब मुंहासे हों तो अपना तकिया और उसका गिलाफ हमेशा स्वच्छ रखें। मानसिक प्रफुल्लता एवं संतोष हेतु समय समय पर बदलते रहना चाहिए।
- मुंहासों के लिए जरूरी नहीं कि महंगा उपचार किया जाए। सस्ते देसी हर्बल टिप्स से भी अक्सर लाभकारी अनुभव होता हैं। कील-मुंहासे भी दूर हो जाते हैं। नीम और पुदीना का प्रयोग सबसे सस्ती विधि है।
- शरीर को धूप से बचाना भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए निहायत जरूरी होता है वरना त्वचा के झुलस जाने और काले पड़ जाने की असीम संभावनाएं रहती हैं इससे बचने के लिए घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम या माइश्चराइजर अवश्य ही लगाना चाहिए।
- नहाते समय एड़ी, पंजों और पोरों तथा उंगलियों के बीच की त्वचा बहुत अच्छी तरह से साफ करनी चाहिए। नहाने के बाद शरीर पोंछ कर कोल्ड क्रीम, वैसलीन अवश्य लगानी चाहिए।
- विशेष ख्याल रखना चाहिए कि एड़ियां कटी-फटी न हों, वरना धूल मिट्टी के संसर्ग में आने पर कई संक्रामक रोग हो जाते हैं। एड़ियां कटी फटी हों तो फौरन उरचार करें।

बचिए... कमर दर्द के खतरे से

कमर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन अक्सर हम इसे नजरअंदाज कर देते हैं। कमर दर्द को साधारण मानकर टाल देना खतरनाक हो सकता है। इसलिए हमें कमर को स्वस्थ रखना होगा। कमर दर्द के संबंध में जागरूक कैसे रहें, आइए जानते हैं।

कमर दर्द कई कारणों से हो सकता है। ऑस्टियो ऑर्थिराइटिस (जब जोड़ों में कार्टिलेज की कमी हो जाती है), स्लिप्ड डिस्क किसी भारी चीज को उठाते समय शरीर का मुड़ जाना, रियुमटोइड ऑर्थिराइटिस (एक दर्दभरी स्थिति जिससे कमर दर्द होता है) और रिफरड पेन जिसका आपकी कमर से सीधा संबंध हो, लेकिन उसे प्रभावित करे। इसके अलावा भी कई अन्य कारण कमर दर्द के हो सकते हैं, जैसे सही पोश्चर में न बैठना, खराब जूते पहनना आदि।

क्या खाएँ- 30 की उम्र तक आपका शरीर प्रोटो गलिकन्स का उत्पादन करता है, जो हड्डियों को सुरक्षा प्रदान करता है। जब आप 30 को पार कर जाएँ तो इस उत्पादन को जारी रखने के लिए वे फूड्स खाएँ जिनमें प्रोटीन और कैल्शियम की अधिकता होती है। अपने आहार में शामिल करें- फल, सब्जियाँ, दूध, अनाज।

व्यायाम करें- कमर की हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रैच आपकी रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाए रखती है। नतीजतन कमर दर्द नहीं होता। इसके लिए आप कोई भी एक्सरसाइज चुन सकते हैं, लेकिन अगर किसी समस्या से ग्रसित हैं तो पर्याप्त मार्गदर्शन जरूर लें।

मोटापा कम करें- अत्यधिक वजन कमर में चोट का कारण बन सकता है जिससे कमर दर्द हो सकता है। इसलिए अतिरिक्त वजन को फौरन कम करें।

तनावरहित रहें- तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव उत्पन्ना होता है। तनावमुक्त रहें। योग करें, ध्यान लगाएँ।

पोश्चर- एक ही स्थिति में अधिक देर तक न बैठे रहें। उठें और वॉक करें। साथ ही जब कोई चीज उठाएँ तो घुटनों को मोड़ पूरी तरह झुकने की बजाय पंजों पर बैठें। इससे कमर पर दबाव काफी हद तक कम हो जाता है।

खास मंत्र- अपने काम को वार्म अप करके कमर को कमान बना लें और स्ट्रेच करें। इस तरह आप कुछ सेकंड में ही ऊर्जा से भर जाएँगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। अपने काम पर नजर रखिए। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ह्रचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-1-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। यात्रा का योग है। आय के योग बनेंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-7

काकुरो पहेली 5012

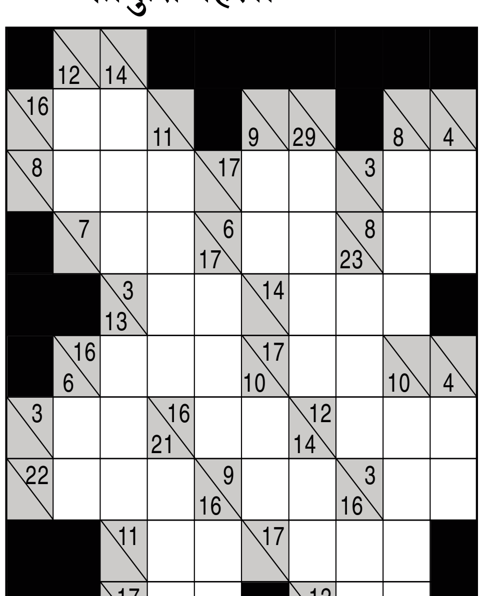

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15/24: 1 2 3 4 5 (दाएं से बाएं), 7 8 9 (नीचे से ऊपर)

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 5011 का हल

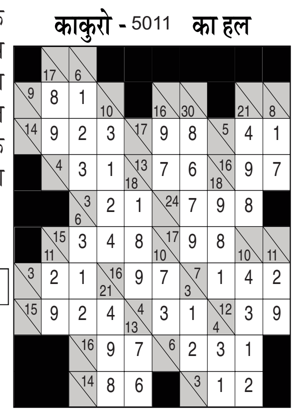

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

फिल्म वर्ग पहेली-5012

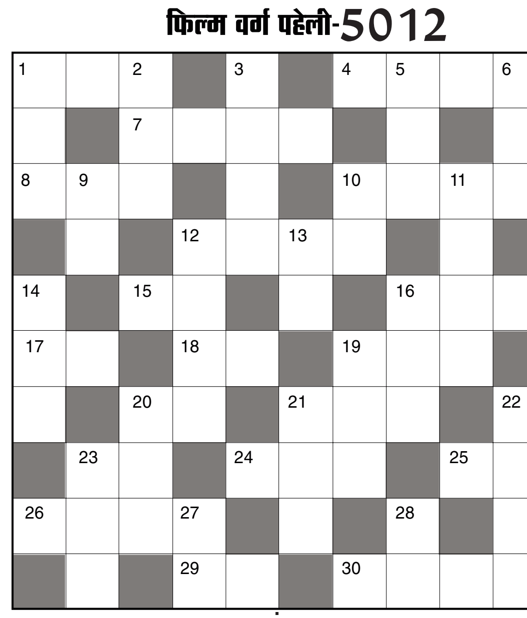

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-5011

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		ग	व	ण	ग	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

सूडोकु -5012

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5011 हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 5012

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -5011 हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

प्रवर्तन निदेशालय ने संजय भंडारी मामले में रॉबर्ट वाड्रा से की लंबी पूछताछ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा से ब्रिटेन में स्थित भगोड़े हथियार बिचौलिए संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लंबी पूछताछ की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए रॉबर्ट वाड्रा को समन भेजा था। प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। ईडी ने उनसे हथियार डीलर संजय भंडारी मामले में लंबी पूछताछ की। कुछ देर हुई पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ईडी दफ्तर से रवाना हो गए, लेकिन दोपहर के लंच के बाद वे फिर से ईडी दफ्तर पहुंचे जहां उनसे लंबी पूछताछ की गई। इसके बाद वे अपने घर रवाना हो गए। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया हैं। 56 वर्षीय वाड्रा को जांच एजेंसी ने पिछले महीने बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने विदेश दौरे के कारण अपने समन को स्थगित करने का अनुरोध ईडी से किया था। जानकारी के मुताबिक रॉबर्ट वाड्रा ने ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी के साथ संबंधों पर पूछे गए सवालों को टाल दिया है।

फिल्म उदयपुर फाइल्स के प्रदर्शन का मामला सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय पहुंचा

नई दिल्ली। हिंदी फ़िल्म 'उदयपुर फाइल्स' के प्रदर्शन पर रोक लगाने के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की ओर से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को एक प्रार्थनापत्र दिया गया है। उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म पर दिल्ली हाई कोर्ट पहले ही रोक लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को आज ही चुनौती दी गई है।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को दिए गए प्रार्थनापत्र में कहा गया है कि उदयपुर फाइल्स जैसी फ़िल्में समाज में नफ़रत और विभाजन को बढ़ावा देती हैं। इसके प्रचार-प्रसार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल हो सकती है। पत्र में आगे लिखा गया है कि हमारा देश सदियों से गंगा-जमुनी तहज़ीब का प्रतीक रहा है, जहां हिंदू-मुस्लिम एक साथ रहते आए हैं। ऐसी फ़िल्मों से देश की सांप्रदायिक एकता को गंभीर ख़तरा उत्पन्न हो सकता है। यह फ़िल्म पूर्णतः घृणा पर आधारित है और इसके प्रदर्शन से देश में शांति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार को यह भी स्मरण कराया गया है कि नूपुर शर्मा के विवादास्पद बयान के चलते भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहले ही बहुत बदनामी हो चुकी है, जिस कारण भारत सरकार को राजनयिक स्तर पर स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा था कि भारत सभी धर्मों और समुदायों का सम्मान करता है।

मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर अकासा एयर के विमान से मालवाहक ट्रक टकराया

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर अकासा एयर के विमान से एक मालवाहक ट्रक अचानक टकरा गया। इससे मालवाहक ट्रक और विमान के पंख का नुकसान हुआ है। इस घटना की जांच मुंबई एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से की जा रही है। अकासा एयरलाइन के प्रवक्ता के अनुसार विमान बोइंग 737 मैक्स आज दोपहर को मुंबई एयरपोर्ट के रनवे पर पहले से पार्क किया गया था। अचानक एक मालवाहक ट्रक विमान के पंखे से टकरा गया। जब यह घटना हुई, उस समय ट्रक एक थर्ड पार्टी ग्राउंड हैंडलर चला रहा था। दुर्घटना के बाद विमान का पंखा फट गया है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि विमान का अभी गहन निरीक्षण किया जा रहा है और हम थर्ड पार्टी ग्राउंड हैंडलर के साथ इस घटना की जाँच कर रहे हैं। हालांकि, दुर्घटना के कारण विमान को कितना नुकसान हुआ है, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन घटनास्थल से ली गई एक तस्वीर में विमान का एक पंख फटा हुआ और थोड़ा सा ट्रक में धंसा हुआ दिखाई दे रहा है।

हिमाचल में 20 जुलाई तक भारी वर्षा की चेतावनी, मानसून सीजन में मौत का आंकड़ा 100 के पार

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला सहित अन्य अधिकांश इलाकों में भी बारिश का दौर जारी रहा। मौसम विभाग ने राज्य में 20 जुलाई तक भारी वर्षा की चेतावनी दी है। अगले कुछ दिनों के लिए कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट भी घोषित किया गया है। इस मानसून सीजन में राज्य में वर्षा जनित हादसों में मौत का आंकड़ा 100 पार कर गया है। अब तक 105 लोगों की जान गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी दिनों भारी वर्षा की आशंका जताई है। विभाग के अनुसार 15 जुलाई को शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। इसके अलावा 16 जुलाई को ऊना, चम्बा, कांगड़ा, मंडी और शिमला जिलों में भी भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 17 जुलाई को ऊना, चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है, जबकि 18 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा और कुल्लू में भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी रहेगा। विभाग के अनुसार 20 जुलाई तक राज्य में भारी बारिश की स्थिति बनी रहेगी, जिससे जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है।

सांस्कृतिक जागरण और तकनीकी प्रगति साथ-साथ चल सकती है : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सांस्कृतिक जागरण और तकनीकी प्रगति एक-दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने यह बात नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित भारत विकास परिषद के 63वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'कुछ लोग पूछते हैं कि राम मंदिर से क्या लाभ होगा, लेकिन वे नहीं समझते कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और तकनीकी उन्नति साथ-साथ हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर भी बनवाया और 5जी नेटवर्क व डिजिटल पेमेंट जैसी सुविधाएं गांव-गांव तक पहुंचाई हैं। शाह ने भारत विकास परिषद के कार्यों की

सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था सेवा, संगठन और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि 63 वर्षों तक निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करना किसी तपस्या से कम नहीं है। यह संस्था न केवल सेवा करती है, बल्कि भारतीयों को भारत के मूल तत्वों से जोड़ने का कार्य भी कर रही है। उन्होंने परिषद को उन लोगों के लिए सेवा का सेतु बताया जो सेवा करना चाहते हैं और जो सेवा के पात्र हैं। आज परिषद देश के 412 जिलों में 1600 से अधिक शाखाओं और 84 हजार से ज्यादा परिवारों के साथ जुड़ी हुई है। शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत 2047 की संकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विकास परिषद इस दिशा में एक मुख्य सेवक की तरह कार्य कर रही है। उन्होंने मोदी द्वारा दिए गए पांच सूत्रों - विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और कर्तव्य भावना - को भारत विकास परिषद की कार्यशैली से जोड़ते हुए उसकी सराहना की। उन्होंने इंडिया गेट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा स्थापना को ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि उस समय ऐसा लगा मानो भारत आज ही स्वतंत्र हुआ हो।

टोरंटो रथ यात्रा में व्यवधान डाले जाने पर भारत ने जताई नाराजगी

एजेंसी

नई दिल्ली। टोरंटो में रथ यात्रा के दौरान कुछ उपद्रवियों द्वारा यात्रा में व्यवधान डाले जाने पर भारत ने गंभीर आपत्ति जताई है। भारत ने कहा है कि यह घटना त्योहार की भावना के विरुद्ध है और जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवाल पर घटना को घृणास्पद कृत्य और अत्यंत खेदजनक बताया। उन्होंने कहा कि टोरंटो में रथ यात्रा के दौरान कुछ शरारती तत्वों ने व्यवधान उत्पन्न किया। यह त्योहार की भावना के विपरीत है, जिसका उद्देश्य एकता, समावेशिता और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। प्रवक्ता ने बताया कि भारत ने यह मामला कनाडाई अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाया है और उनसे अपेक्षा की है कि दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाए। भारत सरकार को आशा है कि कनाडा सरकार वहां लोगों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि इस

घटना में श्रद्धालुओं पर अंडे फेंके जाने की खबरें सामने आई हैं, जिसने दुनियाभर के जगन्नाथ भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि घटना केवल श्रद्धालुओं की आस्था को आहत करती है। ओडिशा के लोगों के लिए यह उत्सव अत्यंत भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व रखता है।

भाषा केवल संवाद नहीं, वह हमारी अस्मिता हैः ओम प्रकाश माथुर

एजेंसी

गंगटोक। राजभवन सिक्किम, साहित्य अकादेमी नई दिल्ली एवं हिंदी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आशीर्वाद भवन में समकालीन परिदृश्य में लोक भाषाएं, साहित्य एवं संस्कृति-विशेष संदर्भ-पूर्वोत्तर भारत विषय पर एक विशेष परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा केवल संवाद नहीं, वह हमारी अस्मिता है। जब कोई भाषा विलुप्त होती है, तो उसके साथ एक पूरी संस्कृति और सभ्यता भी खो जाती है। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जहां 11 भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा प्राप्त है। राज्यपाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए साहित्य अकादमी को बधाई दी और कहा कि लोक भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर केंद्रित यह परिसंवाद आज के समय की मांग है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि वर्तमान

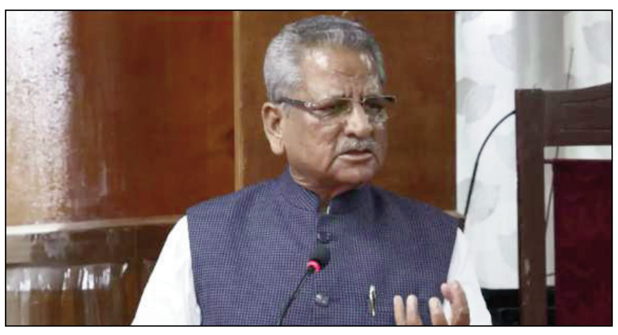

वैश्वीकरण के दौर में, जब स्थानीय भाषाएं एवं परंपराएं संकटग्रस्त हैं, ऐसे आयोजनों से समाज को अपनी जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव डॉ के. श्रीनिवास राव ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि लोक संस्कृति का संरक्षण सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखने तथा पारस्परिक सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैश्वीकरण के इस दौर में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को संजोए रखना और भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र की साहित्यकारों की उपस्थिति रही। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के प्रतिनिधि विद्वानों ने अपने राज्य के संदर्भ में अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम भाषायी चेतना, सांस्कृतिक विविधता और विलुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण की दिशा में एक सशक्त संकल्प था।

संजीव सचदेवा मध्य प्रदेश के नए मुख्य न्यायाधीश नियुक्त, केन्द्र ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी

भोपाल। वरिष्ठ जज न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में नए मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति की सहमति से केंद्र सरकार ने उनकी नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। न्यायमूर्ति सचदेवा मध्य प्रदेश में 29वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। वे वर्तमान में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदस्थ हैं। संजीव सचदेवा का जन्म 26 दिसंबर 1964 को दिल्ली में हुआ था। दिल्ली से ही उन्होंने कॉमर्स में ग्रेजुएट किया। साल 1988 में वे दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए और 1995 में सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड के रूप में योग्यता प्राप्त की। उन्होंने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से लेकर दिल्ली, रांची समेत दूसरे शहरों में वकीलों को प्रशिक्षण भी दिया। 20 साल तक सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के स्थायी वकील रहे। साल 2013 में दिल्ली हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। फिर 18 मार्च 2015 को स्थायी न्यायाधीश के रूप

में नियुक्त हुए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दो माह पहले न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के लिए सिफारिश भेजी थी। दो माह पहले केंद्रीय कानून विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा को 24 मई 2025 को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वे तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत के सेवानिवृत्त होने के बाद से उक्त दायित्व संभाल रहे हैं। इससे पहले भी वे 9 जुलाई 2024 से 24 सितंबर 2024 तक प्रदेश के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का दायित्व संभाल चुके हैं। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को एक और जज दिया है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह की मध्य प्रदेश में नियुक्ति की गई है। वे अभी मद्रास हाई कोर्ट में हैं, जिनका ट्रांसफर जबलपुर किया गया है। अब मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है।

हरियाणा के राज्यपाल होते ही बोले बंगाल के असीम घोष, जिस दिन बंगाल अपनी पुरानी गौरवशाली पहचान लौटाएगा

एजेंसी

कोलकाता। राज्य राजनीति के एक पुराने और चर्चित चेहरे असीम घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनकी नियुक्ति की घोषणा की। असीम घोष पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और अब वे हरियाणा के 19वें राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

असीम घोष ने अपनी नियुक्ति के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह एक बड़ा दायित्व है। यह एक संवैधानिक पद है, और मैं पूरी निष्ठा से संविधान के अनुरूप कार्य करूंगा। मुख्यमंत्री (नयाब सिंह सैनी), उनके मंत्रिमंडल और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर हरियाणा के विकास के लिए काम करूंगा। कोशिश करूंगा कि

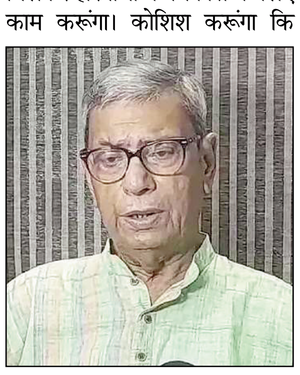

मुख्यमंत्री को सही सुझाव दे सकूं। 38 वर्षों तक शिक्षण कार्य से जुड़े रहने के बाद असीम घोष ने लगभग 15 वर्षों तक सक्रिय राजनीति में भाग लिया। अब वे पहली बार किसी संवैधानिक पद की जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं। शिक्षा और जनजातीय समुदायों के विकास पर रहेगा विशेष ध्यान बातचीत में घोष ने कहा कि वे हरियाणा जाकर मुख्यमंत्री से मिलेंगे और यह जानने का प्रयास करेंगे कि राज्य के विकास में कैसे सहयोग किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका विशेष फोकस राज्य में शिक्षा के क्षेत्र-विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा और जनजातियों एवं अन्य पिछड़े समुदायों के उत्थान पर रहेगा। पश्चिम बंगाल को लेकर कही बड़ी बातहावड़ा निवासी असीम घोष ने पश्चिम बंगाल के हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा, मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं जब बंगाल अपनी पुरानी गौरवशाली पहचान को पुनः प्राप्त करेगा। आज राज्य में अनेक समस्याएं हैं। एक दिन यह अंधकारमय समय जरूर समाप्त होगा। लड़कियां निडर होकर स्कूल और कॉलेज जा सकेंगी, माता-पिता को चिंता नहीं करनी पड़ेगी। जिस तरह बंगाल में एक समय उद्योग का स्वर्णिम युग था, उसे पुनः लाने के लिए शासक और विपक्ष दोनों को मिलकर प्रयास करना होगा। यह सभी की जिम्मेदारी है। पूर्व भाजपा अध्यक्षों की परंपरा को आगे बढ़ायाअसीम घोष से पहले भी पश्चिम बंगाल भाजपा के कई पूर्व अध्यक्ष राज्यपाल रह चुके हैं। विष्णुकांत शास्त्री वर्ष 1999 में हिमाचल प्रदेश और 2000 में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल बने थे। वहीं, तथागत रॉय 2015 में त्रिपुरा और 2018 में मेघालय के राज्यपाल बनाए गए थे।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए तीसरे दौर की डोर-टू-डोर प्रक्रिया जल्द

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में चल रहे मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत अब तक 83.66 प्रतिशत मतदाताओं के एन्युमरेशन फॉर्म (ईएफ) एकत्रित किए जा चुके हैं। कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 6.60 करोड़ लोगों ने फॉर्म जमा किए हैं। तीसरे दौर की डोर-टू-डोर प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने वाली है।चुनाव आयोग ने बयान में इसकी जानकारी दी। आयोग के अनुसार दो चरणों की व्यापक समीक्षा के बाद 4.52 मृत, स्थानांतरित या दो जगह नामांकित पाए गए हैं। इनमें 1.59 प्रतिशत मतदाता मृत पाए गए, 2.2 प्रतिशत स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए और 0.73 प्रतिशत दो जगह नामांकित पाए गए। इस प्रकार कुल 88.18 प्रतिशत मतदाता या तो फॉर्म भर चुके हैं, या मृत घोषित हुए हैं, या स्थानांतरित हो चुके हैं। चुनाव आयोग शेष पात्र मतदाताओं तक पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। अब केवल 11.82 प्रतिशत मतदाता शेष हैं जिन्होंने अब तक फॉर्म नहीं भरे हैं। इनमें से कई लोगों ने दस्तावेज़ों के साथ आगामी दिनों में फॉर्म जमा करने की बात कही है। इसके लिए लगभग 1 लाख बीएलओ तीसरे चरण की घर-घर संपर्क यात्रा शुरू करेंगे। साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त 1.5 लाख बीएलए में से हर एक प्रतिदिन 50 फॉर्म प्रमाणित कर जमा कर सकता है। वही शहरी क्षेत्रों के 261 नगर निकायों के 5,683 वार्डों में विशेष शिविर भी लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने केजीएमयू में 941 करोड़ की 7 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में 941 करोड़ की लागत से निर्मित 7 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने वॉर्ड में जाकर मरीजों का हालचाल लिया और डॉक्टरों से संवाद कर भावी स्वास्थ्य विस्तार की योजनाओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह सिर्फ एक संस्थान नहीं, बल्कि एक युग की चिकित्सा परंपरा और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा का प्रतीक है। 120 वर्ष की अपनी इस शानदार यात्रा में केजीएमयू ने अनेक मील के पत्थर गढ़े हैं। यह यात्रा सामान्य नहीं रही। इसने पिछली सदी की महामारी से लेकर कोविड-19 जैसी वैश्विक त्रासदी का मुकाबला कर प्रदेश और देश का मार्गदर्शन

किया। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि यह संस्थान महामारी काल में अग्रणी रहा, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार में सहायक बना और अब टेक्नोलॉजी के साथ भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। आज जब 941 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, तो यह महज निर्माण नहीं, बल्कि स्वस्थ उत्तर प्रदेश, समर्थ भारत की दिशा में एक नए युग की शुरुआत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोविड-19 का प्रकोप प्रारंभ हुआ था, उस समय केजीएमयू प्रदेश का पहला संस्थान था, जहां कोविड जांच की सुविधा शुरू की गई। पहले 100 कोविड संदिग्ध मरीजों की जांच यहीं से प्रारंभ हुई थी। इसी साहसिक और त्वरित पहल से यूपी ने समय रहते महामारी से मुकाबले की रणनीति विकसित की। मुख्यमंत्री ने आज यहां ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और न्यू कार्डियोलॉजी विंग का लोकार्पण किया। साथ ही पांच सौ बेड वाले ट्रॉमा सेंटर, जनरल सर्जरी विभाग के नवीन भवन, प्रशासनिक परिसर और पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। योगी ने कहा कि यह अपने आप में किसी भी चिकित्सा संस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक साथ करीब एक हजार करोड़ की लागत से परियोजनाएं शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कितनी गंभीर हैं।

प्रधानमंत्री के समक्ष पुष्कर सिंह धामी ने प्रस्तुत किया विकास का रूट मैप

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट कर उत्तराखण्ड के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास में सहयोग के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखण्ड विकसित भारत 2047 के विजन में प्रभावी भूमिका निभाने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के 27 देशों द्वारा प्रधानमंत्री को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किए जाने से सभी भारतवासी गौरवान्वित हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को कार्तिक स्वामी मंदिर के प्रतिरूप और आदि कैलाश यात्रा पर कॉफ़ीटेबिल बुक के साथ ही उत्तराखण्ड के उत्पाद कनार (धारचूला) का घी, लाल चावल पुरोला, बासमती चावल, काला जीरा, गंध रैण, जम्बू और स्थानीय शहद भेंट

किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से केदारनाथ धाम और बदरीनाथ धाम की भांति ही हरिद्वार गंगा कॉरिडोर, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर और चम्पावत में शारदा कॉरिडोर के मास्टर प्लान के अनुरूप अवस्थापना विकास के लिए सीएसआर के माध्यम से वित्त पोषण के लिए संबंधित को निर्देशित करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड के ऊधमसिंहनगर स्थित नेपा फार्म को सेमी कन्डक्टर हब के रूप में विकसित करने लिए सेमी कन्डक्टर उद्योग लगाए जाने, दिल्ली व मेरठ के मध्य रीजनल रैपिड ट्रान्जिट सिस्टम को हरिद्वार तक विस्तारित करने और टनकपुर-बागेश्वर व ऋषिकेश - उत्तरकाशी रेल परियोजनाओं में मार्ग निर्माण का प्रावधान भी शामिल किये जाने के लिए संबंधित मंत्रालयों को निर्देशित किये जाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखण्ड में वर्ष 2026 में होने जा रही नंदा राजजात यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि इसके संचालन के लिए व्यापक रूप से पर्यावरण अनुकूल अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जानी हैं। मुख्यमंत्री ने अगस्त 2026 में आयोजित इस पर्वतीय महाकुंभ नंदा राजजात यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी को आमंत्रित किया और साथ ही यात्रा में अवस्थापना सुविधाएं सुनिश्चित किए जाने के लिए 400 करोड की धनराशि केंद्र से उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध भी किया।

कांवड़ मेला : हरिद्वार में 4 दिनों में 60 लाख शिवभक्तों ने भरा गंगाजल

एजेंसी

हरिद्वार। हरिद्वार में श्रावण मास के विश्वप्रसिद्ध कांवड़ मेले को शुरू हुए चार दिन बीत चुके हैं। प्रशासन ने शुरुआती चार दिनों में करीब 60 लाख कांवड़ियों के हरिद्वार पहुंचने का दावा किया है। हरिद्वार शिव भक्तों से पूरी तरह भगवामय में हो गया है। सावन के पहले चारों तरफ कांवड़िए ही कांवड़िए नजर आए। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार आज शाम 6:00 बजे तक 25 लाख कांवड़ियों ने हरिद्वार से गंगाजल भर कर अपने अभीष्ट शिवालयों के लिए प्रस्थान कियापुलिस प्रशासन की ओर से कांवड़ मेले के नोडल अधिकारी एसपी सिटी पंकज गैराला ने दावा किया कि कावड़ मेला शुरू

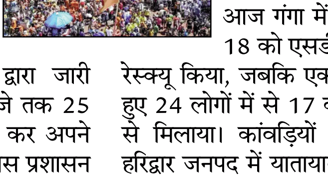

होने के बाद से आज शाम तक 50 लाख 90 हजार कांवड़िए जल भरकर अपने गंतव्यों को रवाना हो चुके हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार आज गंगा में डूब रहे 19 कांवड़ियों में से 18 को एसडीआरएफ की टीम ने सकुशल रेस्क्यू किया, जबकि एक कांवड़िया लापता है। खोए हुए 24 लोगों में से 17 को पुलिस ने ढूंढ कर परिजनों से मिलाया। कांवड़ियों की भारी भीड़ के बावजूद हरिद्वार जनपद में यातायात व्यवस्था सामान्य रही।

पंजाब विधानसभा में पवित्र ग्रंथों की बेअदबी रोकने के लिए विधेयक पेश

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में करीब एक दशक से हो रही धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार ने विधानसभा में 'पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025' पेश कर दिया है। इस विधेयक पर मंगलवार को विधानसभा में चर्चा होगी। इस विधेयक में धार्मिक ग्रंथों और स्थलों की बेअदबी करने वालों को उम्रकैद की सजा देने का प्रावधान किया गया है। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस विधेयक को मंजूरी दी गई। बाद दोपहर दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद बाढ़ की संभावित स्थिति तथा पानी के कुदरती स्त्रोत को लेकर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सदन में पेश किया गया। इस प्रस्ताव पर चर्चा के बाद स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने एक घंटे के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित करके अपने चैंबर में ऑल पार्टी बैठक बुलाई। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के अलावा भाजपा के विधायक अश्वनी शर्मा, अकाली दल व बसपा के विधायक भी शामिल हुए। बैठक के

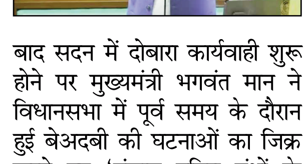

बाद सदन में दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधानसभा में पूर्व समय के दौरान हुई बेअदबी की घटनाओं का जिक्र करते हुए 'पंजाब पवित्र ग्रंथों के खिलाफ अपराध रोकथाम विधेयक-2025' सदन में पेश किया। स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने इस विधेयक पर बहस के लिए विधायकों की संख्या के आधार पर आम आदमी पार्टी एक घंटा 35 मिनट, कांग्रेस 16 मिनट, शिरोमणि अकाली दल तीन मिनट, भाजपा, बसपा तथा निर्दलीय विधायक दो-दो मिनट बोलने का समय निश्चित किया है बहस शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष प्रताप बाजवा ने कहा कि नियमानुसार किसी भी विधेयक की प्रति 48 घंटे पहले दी जानी चाहिए। यह विधेयक आज ही मंत्रिमंडल में पारित किया गया है और आज ही सदन में आ गया है। इसका ड्राफ्ट महज 15 मिनट पहले मिला है। ऐसे में विधायक अपनी बात नहीं रख पाएंगे। बाजवा ने इस विधेयक की गंभीरता का हवाला देते हुए कहा कि मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान इस पर चर्चा की जाए। सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकार इस विधेयक पर मंगलवार को चर्चा करवाने के लिए तैयार है।

केएल राहुल की फॉर्म भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि: पूर्व भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में सलामी बल्लेबाज केएल राहुल की फॉर्म मेहमान टीम के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। राहुल ने अब तक इस दौरे पर छह पारियों में 375 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, 'एक विश्लेषक और एक पूर्व क्रिकेटर के तौर पर मुझे सबसे बड़ी संतुष्टि केएल राहुल को देखकर मिली है। उनका खेल हमेशा से ही शानदार रहा है। हां, उनकी तकनीक में कुछ खामियां थीं, लेकिन उन्होंने उन पर काम किया और उन्हें सुलझाया। बस एक कमी निरंतरता की थी। हमारे एक शो में, हमने मजाक में उन्हें 'मिस्टर कंसिस्टेंट केएल राहुल' की उपाधि भी दी थी लेकिन उन्हें यह तमगा हासिल करने में काफी समय लगा।'

पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने अब तक भारत के लिए 50 से ज़्यादा टेस्ट मैच खेले हैं और अब मैं जो देख रहा हूं वह लगभग पूर्णता के करीब है, उनमें कोई भी कमजोरी नजर नहीं आती। किसी विदेशी सीरीज में पहली बार उन्होंने 200 से ज़्यादा रन बनाए हैं। मेरे लिए यह भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सोमवार को लॉर्ड्स में भारत की 22 रनों से मामूली हार के बाद मांजरेकर ने रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह के बीच नौवें विकेट की साझेदारी पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'रवींद्र जडेजा अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे थे और मज़बूती से डिफेंस कर रहे थे, लेकिन ऐसा कभी नहीं लगा कि वह भारत को जीत दिलाने के लिए जरूरी जोखिम उठा रहे हैं। वह इंतजार कर रहे थे और उम्मीद के खिलाफ उम्मीद कर रहे थे। हालांकि उस साझेदारी के असली स्टार जसप्रीत बुमराह थे। वह एक घंटे 40 मिनट तक बेहतरीन तेज गेंदबाजी, बाउंसरों का सामना करते हुए मैदान पर डटे रहे, और यह देखना उल्लेखनीय था कि बल्ले से उनके नेट सत्र का आखिरकार क्या असर हुआ। उनकी गेंदबाजी में जो मानसिक दृढ़ता हम देखते हैं, वह उनकी बल्लेबाजी में भी दिखाई दी और यह वाकई खास था।'

उन्होंने कहा, 'यह देखकर खुशी होती है कि इन दिनों जडेजा अपने डिफेंस पर कितना भरोसा करते हैं। वह अब लंबी पारी खेलते हैं, धैर्य रखते हैं और समय का पूरा ध्यान रखते हैं। पहली पारी में उन्होंने जो 70 रन बनाए, वे कोई तेज तर्रार 70 रन नहीं थे, उन्होंने चार घंटे तक बल्लेबाजी की। और इस पिच पर 50 रन बनाना ऐसा लगा जैसे 50 घंटे बल्लेबाजी की हो। लेकिन अगर आप उस पल को देखें जब जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया, तो लॉर्ड्स की बालकनी से जो नजारे दिख रहे थे, वे ज़्यादा सकारात्मक नहीं लग रहे थे।'

मांजरेकर ने जडेजा की दमदार पारी के बारे में कहा, 'ड्रेसिंग रूम की ऊर्जा ने सब कुछ बयां कर दिया, ऐसा लगा जैसे टीम जानती थी कि जीतना बहुत मुश्किल होगा। जडेजा कोशिश कर रहे थे, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन पिच, हालात और भारत के रन रेट को देखते हुए, लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल लग रहा था।'

बुमराह की दोनों पारियों में अनुकूलनशीलता और प्रभाव पर विचार करते हुए मांजरेकर ने इस तेज गेंदबाज की महानता की प्रशंसा की जो उनकी विरासत

बन गई है। पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'पहली पारी में, बुमराह ने दिखाया कि वह कितने बेहतरीन गेंदबाज हैं। यह ऐसी पिच थी जहां वह अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे, इसलिए उन्होंने धैर्यपूर्वक गेंदबाजी की और मौकों का इंतजार किया। और जब मौका आया - पारी के उत्तरार्ध में - तो वह तैयार थे। उन्होंने पहली पारी में एक ऐसी सतह पर 5 विकेट लिए जहां ज़्यादा मदद नहीं मिल रही थी। फिर जब वाशिंगटन सुंदर ने चार अहम विकेट लिए और भारत को इंग्लैंड को जल्दी समेटना था, बुमराह ने फिर से आगे आकर अच्छा प्रदर्शन किया। ब्रायडन कार्से को आउट करने वाली वो यॉर्कर आज भी जहन में ताजा है। अलग-अलग तरीकों से अपनी महानता दिखाना - यही बुमराह की विरासत बन गई है।'

वैभव सूर्यवंशी की शानदार फॉर्म जारी, इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ टेस्ट में ठोका अर्धशतक

लंदन (एजेंसी)। केंट में चल रहे इंग्लैंड अंडर-19 बनाम भारत अंडर-19 के पहले युवा टेस्ट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर इंटरनेट पर धूम मचा दी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक की बदौलत 540 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से केवल 14 रन ही बना पाए। इस बीच इंग्लैंड ने जवाब में 439 रन बनाए जिससे भारत अंडर-19 को 101 रनों की बढ़त मिल गई। 14 वर्षीय वैभव ने दूसरी पारी में कहर बरपाया और 39 गेंदों में 9 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा। आर्ची वॉन द्वारा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आउट करने के बाद सूर्यवंशी आखिरकार पवेलियन लौट गए। बहरहाल, स्टंप्स तक भारत 239 रनों की बढ़त बना चुका है और पहला युवा टेस्ट जीतने की प्रबल संभावना है। 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा यादगार रहा है क्योंकि यह खिलाड़ी इंग्लैंड में हर मैच का पूरा फायदा उठा रहा है। भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने 5 पारियों में 355 रन बनाए जिसमें एक शतक और युवा वनडे में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड शामिल है। मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहली पारी में उनके प्रदर्शन के बाद आलोचकों ने सूर्यवंशी की लाल गेंद की फॉर्म पर सवाल उठाए थे, लेकिन 14 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर संदेहों को शांत कर दिया, जिससे इस युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा। सूर्यवंशी न सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी धूम मचा रहे हैं। गौरतलब है कि 14 वर्षीय इस गेंदबाज ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख का अहम विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह युवा टेस्ट इतिहास में विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने 13 ओवर फेंके और अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 2 विकेट लिए। इस विकेट ने मनीषी का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

स्टार्क ने 100 वें टेस्ट में बनाये कई रिकार्ड

हैदराबाद (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अपने 100 वें टेस्ट मैच में 400 विकेट पूरे करने के साथ ही कई नये रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मैच में घातक गेंदबाजी करते हुए 7.3 ओवरों में केवल नौ रन देकर छह विकेट लिए। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टेस्ट के साथ ही सीरीज भी जीत ली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपने स्पेल की पहली गेंद पर मेजबान टीम के जॉन कैंबल को आउट कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने केवलोन एंडरसन और ब्रेंडन किंग को भी चलता किया। फिर अपने तीसरे ओवर में स्टार्क ने मिकेल लुईस और शाई होप को आउट करके इतिहास रच दिया। मिकेल लुईस टेस्ट में स्टार्क के 400वें शिकार बने। यह उपलब्धि उन्होंने अपने 100वें टेस्ट में हासिल की। वो टेस्ट इतिहास में 400 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के चौथे और तीसरे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बने हैं। स्टार्क ने अपने घातक स्पेल से विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया। स्टार्क सबसे कम गेंदों में एक पारी में पांच विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने केवल 15 गेंदों में पांच विकेट लिए। इससे पहले यह रिकॉर्ड संयुक्त रूप से तीन गेंदबाजों एर्नी तोषाक, स्टुअर्ट ब्रॉड और स्कॉट बोलैंड के नाम था जिन्होंने 19 गेंदों में पांच विकेट लिए थे।

शेफाली की टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी, इंग्लैंड के खिलाफ 158.56 के स्ट्राइक रेट से बनाए थे रन

दुबई (एजेंसी)। भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गयी है।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गई। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गई।

अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में श्रृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्रृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच% का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही। वह आठ स्थान के सुधार के साथ तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई।

लिसे स्मिथ 9 पायदान ऊपर चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गई जबकि तेज गेंदबाज इस्सी वोंग सात स्थान के सुधार के साथ 50वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रही। एमिली अर्लट 15 स्थान के सुधार के साथ 67वें

स्थान पर पहुंच गई। श्रृंखला में 151 रन के साथ इंग्लैंड की शीर्ष स्कोरर सोफिया डंकले बल्लेबाजी रैंकिंग में सात अंक हासिल कर 19वें स्थान पर पहुंच गई। टैमी ब्यूमोंट 19 स्थान की छलांग के साथ 45 वें स्थान पर पहुंच गई।

अपनी निजी निजी ज़िंदगी को लेकर चर्चाओं में रही हैं साइना और सानिया

नई दिल्ली ।टेनिस स्टार साइना मिर्जा और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र की दिग्गज खिलाड़ी हैं पर कई लोग इन दोनो के मिलते जुलते नामों के कारण संशय में आ जाते हैं। जहां साइना बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, वहीं सानिया टेनिस खिलाड़ी है के तौर पर जानी जाती हैं। सानिया ने फरवरी 2023 में दुबई टेनिस चैंपियनशिप के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया था। सानिया मिर्जा का जन्म मुंबई में हुआ था पर वे पली-बढ़ी हैदराबाद में थीं, जबकि साइना नेहवाल हरियाणा की रहने वाली हैं। ये दोनो ही अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर भी चर्चाओं में रही है। हरियाणा के हिसार की साइना नेहवाल ने हैदराबाद के सेंट ऐनी कॉलेज, मेहदीपट्टनम से 10वीं पास की थी। बैडमिंटन में व्यस्तता के कारण वह कॉलेज की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई थीं। साइना ने कई अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते और भारत को बैडमिंटन में ग्लोबल पहचान दिलाई। वहीं दसूरी ओर हैदराबाद से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद सानिया ने सेंट मैरी कॉलेज, हैदराबाद से ग्रेजुएशन किया। साल 2008 में उन्हें चेन्नई के एमजीआर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थान से डीलिट की मानद उपाधि भी मिली.

गांगुली से प्रेरित थे आर्चर : स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि तीसरे टेस्ट से वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना से प्रभावित थे। गांगुली ने साल 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी में जीत के बाद जश्न के दौरान अपनी शर्ट लहरा दी थी। स्टोक्स ने कहा कि आर्चर इससे काफी प्रेरित थे और इसी कारण चार साल बाद भी वापसी के दौरान उनका प्रदर्शन ठीक रहा। आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर के विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। स्टोक्स ने 22 रनों से मिली जीत के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद अधिक बाउंड्री के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगी

प्रयागराज ।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को क्रिकेटर यश दयाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए यौन शोषण के आरोप में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट की पीठ ने इस क्रिकेटर की उस याचिका पर यह आदेश पारित किया जिसमें उन्होंने मामले में

अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध किया था। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अदालत ने यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। इससे पहले एक युवती ने इस क्रिकेटर के खिलाफ शारीरिक ओर मानसिक शोषण के मामले में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इसमें कहा गया था कि इस क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण किया। इस युवती के अनुसार वह इस क्रिकेटर के साथ पांच साल से रिलेशनशिप में थी और इस दौरान उसने शादी का वादा किया था पर बाद में उसने धोखेबाजी कर दी। गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम थाना में शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें इसयुवती ने यश दयाल पर यौन शोषण का भी आरोप लगाया था। इस युवती ने यह भी दावा किया है कि क्रिकेटर यश दयाल शादी करने का उसका प्रस्ताव टालता रहा और अंत में उसे पता चला कि यश दयाल का अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध है। इस मामले की शिकायत पहले उसने मुख्यमंत्री के ऑनलाइन शिकायत निपटान पोर्टल पर की थी।

शुभमन फैसला करें कोहली या धोनी किसकी तरह खेलेंगे: मांजरेकर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को ये तय करना होगा कि वह विराट कोहली की तरह आक्रामक बनना चाहेंगे या महेन्द्र सिंह धोनी जैसे शांत स्वभाव वाले क्रिकेटर। उन्हें ये देखना होगा कि वह किसमें बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं आक्रामक अंदाज में या शांत होकर। मांजरेकर के अनुसार स्वाभाव का बल्लेबाजी पर भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि दूसरी पारी में शुभमन के आउट होने के पीछ मैच में हुआ विवाद भी एक कारण रहा। इसी कारण उनका मन एकाग्र नहीं था। इसी कारण शुरुआती दो मैचों में एक दोहरे शतक सहित 3 शतक लगाने

वाले शुभमन लॉर्ड्स में बल्लेबाजी में विफल रहे। दूसरी पारी में तो वह सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 9 गेंदों का सामना किया। इसमें 6 बार तो उन्होंने जिस तरह से गेंदों को खेला, उससे लगा कि वह खुद ही तय नहीं थे कि गेंद कैसी आ रही है और वह उसे खेलना किधर है। अंत में ब्राइडन कार्स की गेंद पर वह एलबीडबल्यू हुए।

मांजरेकर ने कहा कि उनके संशय में होने का कारण कहीं न कहीं एक दिन पहले मैदान पर दोनों टीमों के बीच हुआ विवाद भी रहा। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'शुभमन अचानक ही अनिश्चित से दिखने लगे और इसके इंग्लैंड की तरफ से खराब रुख राह जिसके कारण विवाद पैदा हुआ था। ' मांजरेकर ने इस क्रिकेटर के टेंपरामेंट की तुलना विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी से करते हुए कहा कि विराट गुस्से में और बेहतर प्रदर्शन करते थे वहीं धोनी इससे अलग थे। ऐसे में अब शुभमन को फैसला करना ही होगा कि एक बल्लेबाज के तौर पर वह क्या चाहते हैं और किस प्रकार से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर ः जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3ः30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से 'टर्बन्ड टॉरनेडो' कहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट

मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु-वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

पीएम मोदी ने जताया दुख – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, 'फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दु ःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।'

रेसलर ऑर्टन निभाना चाहते हैं बैटमैन की भूमिका

सेन डियागो (एजेंसी)। डब्लयूडब्यूई के कई स्टार सुपरहीरो बने हैं। उसी में अब डब्लयूडब्यू ई स्टार रैंडी ऑर्टन का नाम भी जुड़ने जा रहा है। ऑर्टन अब जेम्स गन की जगह पर डीसीयू में बैटमैन की भूमिका निभाते दिखेंगे। ऑर्टन ने सोशल मीडिया पर कहा है कि वह बैटमैन की भूमिका निभाने तैयार हैं। जिसमें द रॉक ब्लैक एडम बने और जॉन सीना पीसमेकर बने हैं। डेव बाटिस्टा गार्डियन ऑफ गैलेक्सी में ड्रेक्स की भूमिका में दिखेंगे। ऑर्टन आमतौर पर विलेन की भूमिका निभाते हैं। उनकी भूमिका बैटमैन से काफी मिलती है। उनकी आवाज और

पर्सनालिटी भी बैटमैन की भूमिका के अनुरुप है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में पूछा गया था, आपके हिसाब से जेम्ल गन की डीसीयू में बैटमैन की भूमिका किसे निभानी चाहिये? इसके जवाब में ऑर्टन ने कहा कि वे इस भूमिका के लिए तैयार हैं। डब्लयूडब्यू के कई स्टार्स पहले भी सुपरहीरो की दुनिया में जा चुके हैं। रैंडी ऑर्टन इसमें भी अंधेरे में रहकर काम करते हैं। ऑर्टन की आवाज प्रभावशाली है। उनकी पर्सनालिटी भी अच्छी है। इसलिए प्रशंसक रैंडी को बैटमैन की भूमिका में पसंद कर सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या रैंडी ऑर्टन को बैटमैन का रोल मिलता है या नहीं। अगर उन्हें यह भूमिका मिलती है तो वह डब्ल्यूडब्यलूई के एक और स्टार होंगे।

पीसीबी में करोड़ों के घोटाले का खुलासा हुआ

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में विवाद कोई नई बात नहीं है। वहीं इसमें अब एक और नया मामला जुड़ गया है। एक ऑडिट रिपोर्ट में बढ़े वित्तीय घोटाले की बात सामने आयी है। इसमें खुलासा हुआ है कि 2023 के दौरान करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ। इसके अलावा कई अनधिकृत नियुक्तियां हुई और जरूरत से ज्यादा भुगतान किये गये। पुलिस के भोजन, कोच और मैच अधिकारियों को दी गयी रकम में भी हैराफेरी हुई। इसके अलावा टिकट अनुबंधों में भी सही बोली नहीं लगाई गई। इस रिपोर्ट के बाद पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। वह भी इसकी जांच के घेरे में हैं। इसके अलावा 2023 में पीसीबी के चेयरमैन रहे अशरफ भी संदे के घेरे में आ गये हैं। पथे। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य तौर पर अंतरराष्ट्रीय मैचों की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान भोजन उपलब्ध कराने के लिए पुलिस को दिए गए 63.39 मिलियन पाकिस्तानी रुपये में हेराफेरी हुई। रिपोर्ट में कराची हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तीन अंडर-16 कोचों की अवैध वनियुक्ति की भी बातें कही गयी हैं। है। इसमें 5.4 मिलियन रुपये का वेतन भुगतान किया गया है जो तय सीमा से कहीं अधिक है।

बशीर के खिलाफ जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेल सकते थे जडेजा : कुंबले

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली ः भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था।

जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था।

चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गये उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें हम 12 रन से हार गए थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी। जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती।'

जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था। कुंबले ने कहा, 'उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी।'

उन्होंने कहा, 'अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए थे।' कुंबले ने जडेजा की नाबाद 61 रन की जुझारू पारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 170 रन पहुंचा कर लगभग चमत्कार कर दिया था।

कुंबले ने कहा, 'वह पूरे समय बेहतरीन रहे। वह दिन के छठे ओवर में ही बल्लेबाजी के लिए आ गए थे और आखिर तक नाबाद रहे। बुमराह और सिराज के साथ 82 पर 7 विकेट गिरने के बाद स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी देखकर टीम के अन्य बल्लेबाज खुद के प्रदर्शन से निराश होंगे। भारत को दोनों पारियों में लगभग 65 अतिरिक्त रन देना भी भारी पड़ा। यह चर्चा का एक बड़ा विषय होगा।'

कुंबले ने कहा कि जोफ्रा आर्चर की गेंद कंधे पर लगने से सिराज थोड़े असहज हो गए और उनका ध्यान थोड़ा भंग हो गया। उन्होंने कहा, 'सिराज की गेंदबाजों पर हावी होने की कोई योजना नहीं थी लेकिन उनके आस-पास क्षेत्ररक्षकों के जमावड़े से वह थोड़े दबाव में आ गये। मुझे लगा कि यह एक ऐतिहासिक जीत हासिल करने का शानदार मौका था।' कुंबले ने लॉर्ड्स टेस्ट को 'टेस्ट क्रिकेट का शानदार प्रचार' करार दिया। उन्होंने आगे कहा, 'तीनों टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहे और दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम श्रृंखला में 2-1 से आगे है लेकिन अगर आप हर सत्र के प्रदर्शन को देखें तो यह बराबरी मुकाबला रहा है।'

जडेजा 7,000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

लंदन ।ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भले ही लॉर्ड्स में अपनी नाबाद 61 रनों की पारी से भारतीय टीम को जीत नहीं दिला पाये पर इस मैच में उन्होंने एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। जडेजा 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये। इसमें अब तक ऋषभ पंत, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी और मंसूर अली खान पटौदी जैसे खिलाड़ी शामिल थे। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने अपने 7,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। 361 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 302 पारियों में पूरे किये। इस दौरान उन्होंने चार शतक और 39 अर्द्धशतक लगाये। उन्होंने 33.41 के औसत से 7,018 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रनों का रहा। 83 टेस्ट मैचों में उन्होंने 36.97 की औसत से 3,697 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और 26 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा है। इस श्रृंखला के दौरान तीन मैचों में उन्होंने छह पारियों में 109.00 की औसत से 327 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 89 है। वह अब तक सीरीज में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

हिंदी फिल्में बस पैसों पर टिकीं, संजय दत्त को अब साउथ सिनेमा में दिलचस्पी

शिल्पा शेट्टी और ध्रुव सरजा गुरुवार को मुंबई में अपनी आगामी कन्नड़ फिल्म केडी-द डेविल का टीजर लॉन्च करने के लिए एक इवेंट में शामिल हुए। वहां प्रेस से बात करते हुए संजय दत्त ने खुलकर बताया कि वह बॉलीवुड की बजाय साउथ की फिल्में ज्यादा क्यों चुन रहे हैं और कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अब जुनून की कमी है। संजय दत्त से पूछा गया कि टॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के बाद अब उन्हें क्या अलग लगता है, तो उन्होंने कहा कि वो जुनून खत्म हो गया है। बॉलीवुड में अब जुनून की कमी है। उन्होंने कहा, मैं टॉलीवुड से वह जुनून वापस लेना चाहता हूं जो बॉलीवुड ने खो दिया है। और मुझे उम्मीद है कि यह वापस आएगा। यही वह चीज है जिसकी मुझे अपने देश में कमी खलती है, एक अच्छी फिल्म बनाने का जुनून। उन्होंने आगे कहा, जानते हैं, यह नंबर्स के बारे में नहीं है। बॉलीवुड में सब कुछ पैसे के बारे में है। लेकिन यह पैसों के बारे में नहीं होना चाहिए, बल्कि जुनून के बारे में होना चाहिए। संजय दत्त ने इस इवेंट में फिल्म द राजा साब में प्रभास के साथ काम करने के बारे में भी बात की और बताया कि प्रभास ने उन्हें कितना खिलाया है। एक्टर ने कहा, जानते हैं, मैं तेलुगू सीखने की कोशिश कर रहा हूं क्योंकि मैं प्रभास के साथ एक फिल्म कर रहा हूं। मैं द राजा साब नाम की एक फिल्म कर रहा हूं। प्रभास मुझे खूब खिलाते हैं। वह सबसे अद्भुत, बेहतरीन लोगों में से एक और एक बेहतरीन अभिनेता हैं।
बिना किसी के कहे, उन्होंने कहा कि उन्हें चिरंजीवी से प्यार है और बोले, और मुझे चिरंजीवी सर बहुत पसंद हैं। उन्होंने यहां मुन्ना भाई जैसी फिल्में की हैं। मेरा उनके साथ एक खूबसूरत रिश्ता है। भगवान उनका भला करे। बात करते हुए संजय ने नागार्जुन को बहुत करीबी दोस्त, भाई जैसा बताया और राम पोथिनेनी, जिनके साथ उन्होंने डबल आईस्मार्ट (2024) में काम किया था, उनको शानदार कहा।

मधुर भंडारकर की फिल्म द वाइव्स में मौनी रॉय की एंट्री हुई कन्फर्म

मौनी रॉय अपनी उपलब्धियों के साथ वैश्विक स्तर पर प्रगति कर रही हैं, जिसने उन्हें एक बहुमुखी प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है, जिसे नज़रअंदाज़ करना असंभव है। हाल ही में मौनी ने सोशल मीडिया पर मेकअप रूम से एक खूबसूरत तस्वीर साझा की, जिसके बाद फैंस कयास लगाने लगे कि उनका अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। अब उन्होंने खुद पुष्टि कर दी है कि उनकी अगली फिल्म मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' है। इस फिल्म में मौनी रॉय के साथ सोनाली कुलकर्णी, रेजिना कैसंड्रा, अर्जन बाजवा, सौरभ सचदेवा, राहुल भट्ट और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार नजर आएंगे। अपनी कास्टिंग की पुष्टि करते हुए, मौनी ने भी फिल्म निर्माता और क्लैपबोर्ड के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, इस नई फिल्म का पहला दिन, जिसके लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। इस मास्टर फिल्ममेकर मधुर भंडारकर के साथ काम करने का अवसर पाकर आभारी हूं। 'द वाइव्स' में मधुर भंडारकर एक बार फिर अपने अनोखे और निर्भीक फिल्म निर्माण के अंदाज़ में जटिल और संवेदनशील विषय को छूने जा रहे हैं। इस बार, बॉलीवुड की पत्नियों की असल ज़िंदगी पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और यह दिखाया गया है कि जब वे चकाचौंध, पैपराज़ी, रेड कार्पेट और हाई-प्रोफाइल पार्टियों से दूर होती हैं, तो क्या होता है। 'फैशन' में फैशन इंडस्ट्री के पीछे की सच्चाई दिखाने के बाद, और 'हिरोइन' में शोहरत की उथल-पुथल भरी दुनिया को सामने लाने के बाद, मधुर भंडारकर अब 'द वाइव्स' के ज़रिए अपनी फिल्म निर्माण की ऊँचाईयों को और ऊपर ले जा रहे हैं। मौनी रॉय के लिए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक के साथ यह सहयोग उनकी पिछली व्यावसायिक फिल्मों की तुलना में उनकी नाटकीय क्षमता को और अधिक विविध तरीकों से प्रदर्शित करेगा, जो उन्हें भारतीय सिनेमा की बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित करेगा। बिना किसी गॉडफादर की मदद के, टेलीविजन से मुख्यधारा के सिनेमा में उनके सराहनीय परिवर्तन को देखते हुए, द वाइव्स में उनका शामिल होना उनके उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

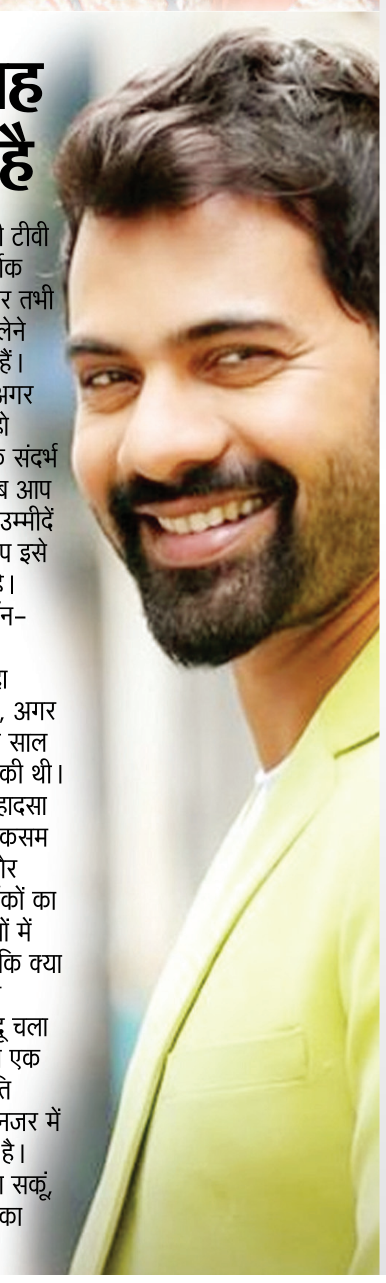

प्यार को ज्यादा गंभीरता से लें, तो यह 'मुश्किल' हो जाता है

अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया के रोमांटिक-कॉमेडी टीवी शो 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' की कहानी को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता ने बताया कि प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेने लगते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखने लगते हैं। शब्बीर ने प्यार के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर इसे बहुत गंभीरता से लिया जाए, तो यह मुश्किल हो सकता है। सीरियल 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' के संदर्भ में शब्बीर ने कहा, प्यार तभी मुश्किल लगता है, जब आप इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं या उससे बहुत ज्यादा उम्मीदें रखते हैं। प्यार तो अपने आप खिलता है। अगर आप इसे स्वाभाविक रूप से होने दें, तो यह बहुत खूबसूरत है। शब्बीर ने शो में अपने किरदार युग और उसकी ऑन-स्क्रीन प्रेमिका कैरी के प्यार पर बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, कैरी के लिए प्यार ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन युग को प्यार करना? ओह, अगर मैं कैरी होता, तो शायद ऐसा नहीं करता! शब्बीर ने साल 1999 में 'हिप हिप हुर्रे' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'क्या हादसा क्या हकीकत', 'कहीं तो मिलेंगे', 'काव्यांजलि', 'कसम से', 'कसौटी जिंदगी की', 'लागी तुझसे लगन' और 'कयामत' जैसे सीरियलों में उनके किरदारों ने दर्शकों का दिल जीता। उनके किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाए हुए हैं। जब शब्बीर से पूछा गया कि क्या सोनी सब के 'उफ्फ... ये लव है मुश्किल' में उनका किरदार युग भी पुराने अन्य किरदारों की तरह जादू चला पाएगा, इस पर शब्बीर ने कहा, मुझे उम्मीद है। युग एक ऐसा किरदार है जो आम नहीं है। वह जिंदगी के प्रति नकारात्मक और ज्यादा खुला हुआ नहीं है। पहली नजर में वह आकर्षक नहीं लगता, लेकिन यही उसकी खूबी है। अगर मैं दर्शकों को युग से प्यार करने के लिए मना सकूं, तो यह मेरे लिए बड़ी बात होगी। यह मेरा अब तक का सबसे प्यारा और गहरा किरदार है।

सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा बनना सपने से कम नहीं है

कूब्रा सैत के लिए सोन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर लॉन्च सिर्फ एक और ग्लैमरस इवेंट नहीं था, बल्कि उनके करियर का एक बेहद खास और पर्सनल माइलस्टोन था। दमदार परफॉर्मेंस और बेबाक किरदारों से अपनी अलग पहचान बना चुकीं कूब्रा पहली बार किसी बड़ी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का हिस्सा बनीं। इस पल को लेकर उन्होंने कहा ये मेरे लिए वाकई बहुत खास है। ये मेरा पहला बड़ा ट्रेलर लॉन्च इवेंट है और इतनी बड़ी फिल्म और शानदार टीम का हिस्सा बनना किसी सपने से कम नहीं है। फिल्म में मेहविश का किरदार निभा रहीं कूब्रा इवेंट में ढोल की बीट्स पर डांस करते हुए एंट्री करती दिखीं—जिससे फिल्म की एनर्जी साफ झलक रही थी। वह अपने बोल्ड लेकिन ग्रेसफुल लुक में काफी खूबसूरत नजर आईं और पूरे कॉन्फिडेंस के साथ यह पल जिया। फ्रेंचाइज़ी की यादों को ताज़ा करते हुए उन्होंने कहा- सोन ऑफ सरदार को रिलीज़ हुए 12 साल हो गए हैं। मैंने भी इसे बाकी लोगों की तरह सिनेमाघर में देखा था। उस वक़्त जो दीवानगी थी, वो अलग ही लेवल की थी। अब जब मैं इसके दूसरे भाग का हिस्सा हूं, तो ये मेरे लिए एक पूरा सर्कल पूरा होने जैसा है। सेट पर बने रिश्तों को लेकर कूब्रा ने कहा- मुझे रोशनी, अश्विनी मैम, शरद सर, चंकी सर और कई और कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। मृणाल (थाकुर) और अजय सर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी बेहद खास रहा। हम साथ में खाते थे, खूब हँसी-मजाक करते थे और ढेर सारी यादें बनाई हैं। अजय देवगन के साथ काम करने को लेकर उन्होंने दिल से कहा- वो एक लीजेंड हैं। लेकिन जो चीज़ उन्हें और खास बनाती है, वो है उनका लोगों को एक साथ लाना। उन्होंने अपने अनुभव को खुले दिल से शेयर किया, जो मेरे लिए बहुत इंस्पायरिंग रहा। भावनाओं से भरे पलों से लेकर दमदार एक्शन तक, सोन ऑफ सरदार 2 एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव देने का वादा करती है—और कूब्रा सैत के लिए यह उनकी मेनस्ट्रीम फिल्मी सफर की एक नई और खास शुरुआत है।

सैयारा को लेकर उत्साहित संदीप रेड्डी

फिल्म सैयारा इसी महीने रिलीज को तैयार है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी और मोहित सूरी निर्देशित इस फिल्म से दो नए सितारे इंडस्ट्री को मिलने वाले हैं। चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे और अनीत पड्डा उनके अपोजिट नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म देखने के लिए बेकरार

संदीप रेड्डी वांगा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर फिल्म सैयारा का ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा है, पूरी तरह से रोमांस और ड्रामा पर केंद्रित एक हिंदी हार्टलैंड की लव स्टोरी देखने को मिल रही है। इसे पहले दिन देखने का बेसब्री से इंतजार है। नए कलाकारों को शुभकामनाएं। यह पूरी तरह से मोहित सूरी का जादू है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

हाल ही में फिल्म सैयारा का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे दर्शकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यह लव स्टोरी फिल्म है। ट्रेलर में रोमांस, म्यूजिक और इमोशंस से भरी कहानी में एक कपल को दिखाया गया है, जो एक-दूसरे से प्यार तो बेशुमार करते हैं, लेकिन हालात उन्हें दूर कर देते हैं। बता दें कि यह फिल्म 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नेटिजन्स ने मांगा स्पिरिट पर अपडेट

रणबीर कपूर अभिनीत एनिमल फेम डायरेक्टर संदीप रेड्डी वंगा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आगामी फिल्म है स्पिरिट। इसमें एक्टर प्रभास लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा तृप्ति डिमरी भी फिल्म का हिस्सा हैं। संदीप रेड्डी वांगा के पोस्ट पर नेटिजन्स रिएक्ट कर रहे हैं और लिख रहे हैं, इस फिल्म को हम भी देखेंगे। लेकिन, हमें स्पिरिट का बेसब्री से इंतजार है। एक अन्य यूजर ने लिखा है, अन्ना स्पिरिट पर अपडेट दो।

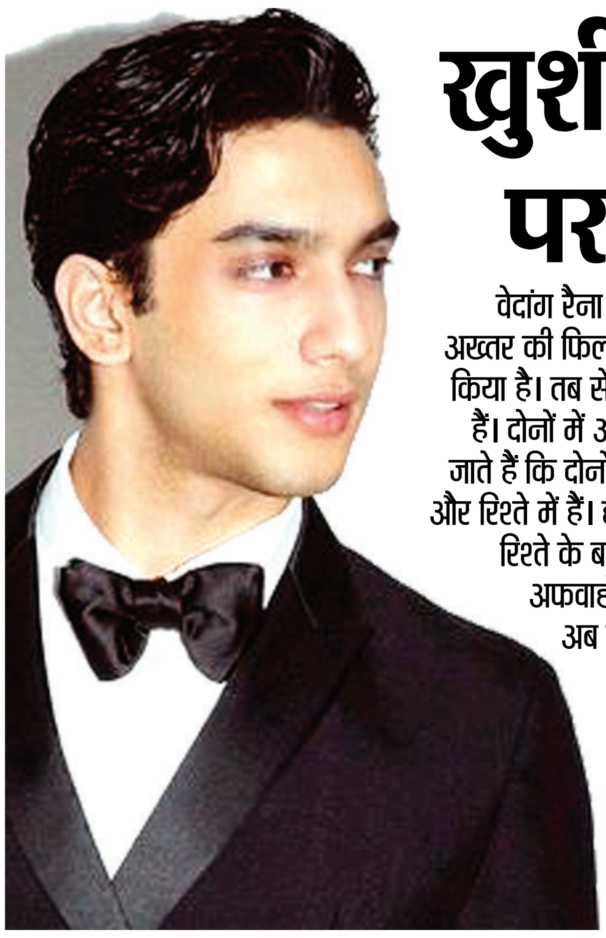

खुशी कपूर के साथ रिश्ते पर वेदांग रैना ने की बात

वेदांग रैना ने खुशी कपूर के साथ जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में साथ में काम किया है। तब से ही दोनों एक दूसरे के करीब हैं। दोनों में अच्छी बनती है। कयास लगाए जाते हैं कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और रिश्ते में हैं। हालांकि दोनों ने ना तो अपने रिश्ते के बारे में कुछ कहा है और ना ही अफवाहों से इंकार किया है। हालांकि अब वेदांग ने खुशी कपूर के साथ खास रिश्ते पर बात की है।

बातचीत में वेदांग रैना ने खुशी कपूर के साथ अपने रिश्ते पर बात रखी। वह एक फैशन ब्रांड के साथ काम करने वाले हैं। वेदांग ने बताया कि खुशी के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहा है।

वेदांग ने खुशी के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा खुशी के साथ काम करना बहुत मजेदार और अच्छा रहा। हमारे बीच स्वाभाविक सहजता है। हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है, यह रिश्ता नए प्रोजेक्ट में दिखाई देता है। किसी ब्रांड का प्रचार करने के बारे में वेदांग ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा ऐसा इसलिए क्योंकि यह जरूरी है कि आप जिस ब्रांड के साथ काम करने जा रहे हैं वह प्रमाणिक होना चाहिए ताकि वह बता सके कि मैं कौन हूं। मैं प्रमाणिक जुड़ाव देखता हूं चाहे वह उनका संदेश हो या उनका मूल्य हो। जोया अख्तर की आर्चीज में डेब्यू करने के बाद वेदांग आलिया भट्ट के साथ जिगरा में नजर आए। फिल्म से बहुत उम्मीदें की जा रही थीं, हालांकि यह फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

स्वीडन में पैदा हुईं, बॉलीवुड में कमाया नाम; कौन हैं एली अवराम

एक्ट्रेस एली अवराम एक बार फिर चर्चाओं में आ गई हैं। इस बार चर्चे की वजह हैं मशहूर यूट्यूबर-एक्टर आशीष चंचलानी। आशीष चंचलानी ने एली अवराम को गोद में उठाए हुए एक फोटो शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'फाइनली'। इसके बाद अब दोनों के एक-दूसरे को डेट करने की चर्चाएं शुरू हो गईं। एली अवराम एक मॉडल और एक्ट्रेस हैं। 29 जुलाई 1990 को स्वीडन में पैदा हुईं एली ने कई भारतीय फिल्मों व रियलटी शोज में काम किया है। एली एक आर्टिस्ट फैमिली से आती हैं। उनके ग्रीक पिता एक मशहूर संगीतकार हैं और उनकी मां एक्ट्रेस रही हैं। एली को बचपन से ही इंडिया का डांस और गाने काफी पसंद आते थे। वो इंडिया से काफी प्रभावित थीं। 2013 में एली ने बॉलीवुड में 'मिकी वायरस' फिल्म से डेब्यू किया। इसमें उनके साथ मनीष पॉल प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद एली कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं। इनमें 'किस किसको प्यार करूं', 'जबरिया जोड़ी', 'मलंग', 'गुड बाय' और 'गणपत' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्मों के अलावा एली कई रियलटी शोज में भी दिदखाई दी हैं। इनमें 'बिग बॉस 7', 'झलक दिखला जा 7' और 'द ग्रेट इंडियन लॉफ्टर चैलेंज' शामिल हैं। एली ने ओटीटी पर भी काम किया है। वो ' 'टाइपराइटर' और 'इनसाइड एज 2' जैसी वेब सीरीज में नजर आई हैं। एली अवराम सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 8.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

शुभता के लिए कैसे करें जाप

उच्चारण का सही तरीका

यदि सुबह जल्दी उठकर जाप कर पाएं तो बहुत अच्छा। यदि ऐसा संभव न हो, तो रात को सोने से पहले इसका जाप करें।

- यदि खुली जगह जैसे कोई मैदान, छत या बगीचा न हो तो कमरे में ही इसका जाप करें।
- जाप के दौरान टीवी, म्यूजिक सिस्टम आदि बंद कर दें। कोशिश करें कि जाप के दौरान शोर न हो।
- साफ जगह पर जमीन पर आसन बिछाकर जाप करें। पलंग या सोफे पर बैठकर जाप न करें।
- ऊं का जाप करने के लिए किसी भगवान की मूर्ति, चित्र, धूप, अगरबत्ती या दीये की जरूरत नहीं होती है।
- साफ आसन पर पद्मासन बैठें और आंखें बंद कर पेट से आवाज निकालते हुए जोर से ऊं का उच्चारण करें। ऊं को जितना लंबा खींच सकें, खींचें। सांस भर जाने पर रुकें और फिर यही प्रक्रिया दोहराएं।
- उच्चारण तेज आवाज में करें।
- उच्चारण खत्म करने के बाद 2 मिनट के लिए ध्यान लगाएं और फिर उठ जाएं।
- इस मंत्र के नियमित जाप से तनाव से पूरी तरह मुक्ति मिलती है।
- के जाप से दिमाग शांत होता है और बहुत-सी शारीरिक तकलीफें दूर होती हैं। इससे आंतरिक और बाह्य विकारों का निदान होता है और नियमित जाप से व्यक्ति के प्रभामंडल में वृद्धि होती है।

श्रावण में कैसे करें शिव को प्रसन्न

- श्रावण मास यानी चहुं और हरियाली का वातावरण जिससे मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रसन्नता भरे मौसम में भगवान की आराधना मन से होती है।
- श्रावण मास में शिव पूजन का विशेष महत्व माना गया है। भगवान शिव जल्दी ही भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं।
- शिवजी को चढ़ाए जाने वाले लता पुष्प भी चहुं और खिल उठते हैं, ताकि भक्तजनों को पूजन सामग्री में कोई कमी नहीं आए।
- आक के फूल, बेलपत्र, धतूरे के फल नीले पुष्प आदि।
- शिवजी को प्रसन्न करने हेतु कोई भी सफेद आंकड़े के फूलों को चढ़ाकर प्रसन्न किया जा सकता है।
- शिवजी को प्रसन्न करने वाला महामृत्युंजय मंत्र इस प्रकार है-
- ऊं हौं जूं सः। ऊं भूः भुवः स्वः। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ऊं। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्। स्वः भुवः भूः ऊं। सः जूं हौं ऊं ॥
- यूं तो मंत्र कई हैं लेकिन कलियुग में जल्द फलित होने वाला व सबसे प्रिय शिव मंत्र इससें दूसरा कोई नहीं है। इसके जपने से रोग, शोक, दुख, जरा मृत्यु के बन्धनों से मुक्ति देने वाला सर्वश्रेष्ठ मंत्र माना गया है।
- उपरोक्त मंत्र को जपते हुए एक सफेद आंकड़े का फूल चढ़ाते जाएं एवं नित्य प्रति सोमवार को कम से कम 108 बार जप अवश्य करें। इस प्रकार आराधना करने से आपकी मनोकामना भगवान अवश्य पूरी करेंगे। श्रद्धा व विश्वास ही फलदायक होता है यह ध्यान में रखें।

हस्तरेखा और वैवाहिक जीवन

हमारे हाथों की अलग- अलग रेखाएं जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में बताती हैं। ऐसी ही एक रेखा है विवाह रेखा। आइए देखते हैं कि यह रेखा हमारे वैवाहिक जीवन के भविष्य के बारे में क्या बताती है-

- यदि बुध क्षेत्र के आसपास विवाह रेखा के साथ-साथ दो-तीन रेखाएं चल रही हों तो व्यक्ति अपने जीवन में पत्नी के अलावा और भी स्त्रियों से रिलेशनशिप में रहता है।
- शुक्र पर्वत पर टेढ़ी रेखाओं की संख्या यदि ज्यादा हैं तो ऐसे व्यक्ति के जीवन में किसी एक स्त्री या पुरुष का विशेष प्रभाव रहता है।
- यदि प्रारम्भ में विवाह रेखा एक, किन्तु बाद में दो से अधिक रेखाओं में विभक्त हो जाए तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति एक साथ कई रिलेशनशिप में रहता है।
- किसी व्यक्ति के विवाह रेखा में आकर या विवाह रेखा स्थल पर आकर कोई अन्य रेखा मिल रही हो तो प्रेमिका के कारण उसका गृहस्थ जीवन नष्ट होने की संभावना रहती है।
- यदि प्रणय रेखा आरम्भ में पतली और बाद में गहरी होने का मतलब है कि किसी स्त्री अथवा पुरुष के प्रति आकर्षण एवं लगाव आरम्भ में कम था, किन्तु बाद में धीरे-धीरे प्रगाढ़ होता गया है।
- किसी की हथेली में विवाह रेखा एवं कनिष्ठका अंगुली के मध्य से जितनी छोटी एवं स्पष्ट रेखाएं होंगी, उस स्त्री या पुरुष के विवाहोपरान्त अथवा पहले उतने ही प्रेम सम्बन्ध होते हैं।
- विवाह रेखा आपके सुखी वैवाहिक जीवन के बारे में भी बताती है। यदी आपकी विवाह रेखा स्पष्ट तथा ललिमा लिए हुए है तो आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय होगा।
- गुरू पर्वत पर यदि क्रॉस का निशान लगा हो तो यह शुभ विवाह का संकेत होता है। यदि यह क्रॉस का निशान जीवन रेखा के नज़दीक हो तो विवाह शीघ्र ही होता है।

सूर्य शांति के अचूक उपाय

सूर्य की शांति के लिए प्रातः स्नान करने के बाद सूर्यदेव को जल अर्पित किया जाता है। इसके बाद सूर्य से संबंधित वस्तुओं का दान, जप, होम मंत्र धारण व सूर्य की वस्तुओं से जल स्नान करना भी सूर्य के उपायों में आता है। सूर्य की शाति करने के लिए इन पांच विधियों में से किसी भी एक विधि का प्रयोग किया जाता है। गोचर में सूर्य के अनिष्ट प्रभाव को दूर करने में ये उपाय विशेष रूप से उपयोगी हो सकते हैं।

सूर्य कुंडली में आरोग्य शक्ति व पिता के कारक ग्रह होते हैं। जब जन्म कुंडली में सूर्य के दुष्प्रभाव प्राप्त हो रहे हों या फिर सूर्य राहु-केतु से पीड़ित हों तो सूर्य से संबंधित उपाय करना लाभकारी रहता है, विशेषकर ये उपाय सूर्य गोचर में जब शुभ फल न दे रहा हों तो इनमें से कोई भी उपाय किया जा सकता है।

स्नान द्वारा उपाय

जब गोचर में सूर्य अनिष्टकारक हों तो व्यक्ति को स्नान करते समय जल में खसखस या लाल फूल या केसर डालकर स्नान करना शुभ रहता है। खसखस, लाल फूल या केसर ये सभी वस्तुएं सूर्य की कारक वस्तुएं हैं तथा सूर्य के उपाय करने पर अन्य अनिष्टों से बचाव करने के साथ-साथ व्यक्ति में रोगों से लड़ने की शक्ति का विकास होता है। सूर्य के उपाय करने पर उसके पिता के स्वास्थ्य में सुधार की संभावनाओं को सहयोग प्राप्त होता है। सूर्य की वस्तुओं से स्नान करने पर सूर्य की वस्तुओं के गुण व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करते हैं तथा उसके शरीर में सूर्य के गुणों में वृद्धि करते हैं।

सूर्य की वस्तुओं का दान

सूर्य की वस्तुओं से स्नान करने के अतिरिक्त सूर्य की वस्तुओं का दान करने से भी सूर्य के अनिष्ट से बचा जा सकता है। सूर्य की दान देने वाली वस्तुओं में तांबा, गुड़, गेहूं, मसूर दाल दान की जा सकती है। यह दान प्रत्येक रविवार या सूर्य संक्रांति के दिन किया जा सकता है। सूर्य ग्रहण के दिन भी सूर्य की वस्तुओं का दान करना लाभकारी रहता है। इस उपाय के अंतर्गत सभी वस्तुओं का एकसाथ भी दान किया जा सकता है। दान करते समय वस्तुओं का वजन अपने सामर्थ्य के अनुसार लिया जा सकता है। दान की जाने वाली वस्तुओं को व्यक्ति अपने संचित धन से दान करे तो अच्छा रहता है। जिसके लिए दान किया जा रहा है उसकी आयु कम होने या अन्य किसी कारण से अगर वह स्वयं वस्तु नहीं ले सकता है, तो उसके परिवार को कोई निकट व्यक्ति भी उसकी ओर से यह दान कर सकता है। दान करते समय व्यक्ति में सूर्य भगवान पर पूरी श्रद्धा व विश्वास होना चाहिए। आस्था में कमी होने पर किसी भी उपाय के पूर्ण शुभ फल प्राप्त नहीं होते हैं।

मंत्र जाप

सूर्य के उपायों में मंत्र जाप भी किया जा सकता है। सूर्य के मंत्रों में ऊं सूर्य आदित्यः मंत्र का जाप किया जा सकता है। इस मंत्र का जाप प्रतिदिन भी किया जा सकता है तथा प्रत्येक रविवार के दिन यह जाप करना विशेष रूप से शुभ फल देता है। प्रतिदिन जाप करने पर मंत्रों की संख्या 10, 20 या 108 हो सकती है। मंत्रों की संख्या को बढ़ाया भी जा सकता है तथा सूर्य से संबंधित अन्य कार्य जैसे हवन इत्यादि में भी इसी मंत्र का जाप करना अनुकूल रहता है। मंत्र का जाप करते समय व्यक्ति को शुद्धता का पूरा ध्यान रखना चाहिए। मंत्र जाप की अवधि में व्यक्ति को जाप करते समय सूर्य देव का ध्यान करना चाहिए। मंत्र जाप करते समय एकाग्रता बनाए रखना चाहिए तथा इसके मध्य में उठना हितकारी नहीं रहता है।

सूर्य यंत्र की स्थापना

सूर्य यंत्र की स्थापना करने के लिए सबसे पहले तांबे के पत्र या भोजपत्र पर विशेष परिस्थितियों में कागज पर ही सूर्य यंत्र का निर्माण कराया जाता है। सूर्य यंत्र में समान आकार के 9 खाने बनाए जाते हैं। इनमें निर्धारित संख्याएं लिखी जाती हैं। ऊपर के 3 खानों में 6, 1, 8 संख्याएं क्रमश- अलग-अलग खानों में होना चाहिए। मध्य के खानों में 7, 5, 3 संख्याएं लिखी जाती हैं तथा अंतिम लाइन के खानों में 2, 9, 4 लिखा जाता है। इस यंत्र की संख्याओं की ?यह विशेषता है कि इनका सम किसी ओर भी किया जाए उसका योगफल 15 ही आता है। संख्याओं को निश्चित खाने में ही लिखना चाहिए। तांबे के पत्र पर ये खाने बनवाकर इनमें संख्याएं लिखवा लेनी चाहिए या फिर भोजपत्र या कागज पर लाल चंदन, केसर, कस्तूरी से इन्हें स्वयं ही बना लेना चाहिए। अनार की कलम से इस यंत्र के खाने बनाना उत्तम होता है। सभी ग्रहों के यंत्र बनाने के लिए इन वस्तुओं व पदार्थों से लेखन किया जा सकता है। सूर्य यंत्र इस प्रकार है।

सूर्य हवन

उपरोक्त जो सूर्य का मंत्र दिया गया है उसी मंत्र को हवन में प्रयोग किया जा सकता है। हवन करने के लिए किसी जानकार पंडित की सहायता ली जा सकती है। सूर्य कुंडली में आरोग्य शक्ति व पिता के कारक ग्रह होते हैं। जब जन्म कुंडली में सूर्य के दुष्प्रभाव प्राप्त हो रहे हों या फिर सूर्य राहु-केतु से पीड़ित हों तो सूर्य से संबंधित उपाय करना लाभकारी रहता है, विशेषकर ये उपाय सूर्य गोचर में जब शुभ फल न दे रहा हों तो इनमें से कोई भी उपाय किया जा सकता है। इसके अलावा जब सूर्य गोचर में छठे घर के स्वामी या सातवें घर के स्वामी पर अपनी दृष्टि डाल उसे पीड़ित कर रहा हों, तब भी इनके उपाय करने से व्यक्ति के कष्टों में कमी होती है।

घर में कहां और कैसे रखें आईना

आईना, जिसके बगैर आपकी खूबसूरती अधूरी है समझिए। वह आईना ही है, जो आपकी खूबसूरती को आपके कॉन्फिडेंस के साथ जोड़े रखता है। लेकिन, वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि आईना यदि सही दिशा और सही स्थिति में हो तो आपका फायदा और न हो तो आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है। आइए, जानें घर में कहां और कैसे रखें इसे...

- आप जहां रह रहे हों या जहां आपका ऑफिस हो वहां उत्तर-पूर्व दिशा में दर्पण लगाना चाहिए। आप देखेंगे कि इसके लगाते ही आय में वृद्धि तो शुरू होगी ही साथ ही कमाई के रास्ते आनेवाली बाधाएं भी दूर होंगी।
- आईना लगाते समय यह जरूर ध्यान रखें कि उस आईने में किसी शुभ वस्तु का प्रतिबिंब नज़र आ रहा हो। यह आपके भाग्य में वृद्धि लाता है।
- आईना ऐसी जगह न हो, जिसके ठीक सामने आपके घर या ऑफिस की कोई खिड़की या दरवाजा हो।
- ध्यान रखिए कि किसी भी कमरे में चारों और आईना नहीं लगाना चाहिए। जानते हैं? घर में ऐसी व्यवस्था घर के लोगों में उलझन पैदा कर देती है।
- यदि घर का कोई हिस्सा ऐसा हो, जहां अक्सर अंधेरा ही छाया रहता है तो ऐसे जगह गोल आईना लगाकर रखें। यह निगेटिव एनर्जी को भगाने की क्षमता रखता है।
- यदि आपके बेडरूम में बेड के ठीक सामने कोई आईना हो तो उसे फौरन हटाएं, क्योंकि यह आपके शादीशुदा लाइफ में बाधाएं खड़ी कर सकता है।
- कहते हैं आईना जितना बड़ा और हल्का हो, उसे उतना ही बेहतरीन माना जाता है। घर में आईने की संख्या चाहे कितनी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन यह जरूरी है कि आईने ने अलग-अलग टुकड़ों को एकसाथ जोड़कर एक जगह न रखें, क्योंकि इस तरह के आईने में आपका शरीर खंडित नजर आएगा और यह शुभ नहीं माना जाता।
- वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि आईने के ढक कर रखना चाहिए। बेहतर है कि आईने को अपनी अलमारियों के अंदर फिट कराएं या फिर ऐसा ड्रेसिंग टेबल हो जिसका आईना उसे खोलने के बाद नज़र आता हो।

कभी घर न लाएं ये 5 चीजें

भारतीय वास्तु विज्ञान चाइनीज़ फेंगशुई से काफी मिलता जुलता है। यह प्राकृतिक शक्तियों को मनुष्य के लिए उपयोगी बनाने की एक कलात्मक परंपरा है। हम अक्सर सुनते आए हैं कि घर में क्या रखना अच्छा होता है और क्या रखना बुरा। आइए, आज आपको बताते हैं कि घर में कौन-सी 6 चीजें कभी नहीं रखनी चाहिए-

- **महाभारत की तस्वीरें या प्रतीक**: महाभारत को भारत के इतिहास का सबसे भीषण युद्ध माना जाता है। कहते हैं कि इस युद्ध के प्रतीकों, मसलन तस्वीर या रथ इत्यादि को घर में रखने से घर में क्लेश बढ़ता है। यही नहीं, महाभारत ग्रंथ भी घर से दूर ही रखने की सलाह दी जाती है।
- **ताजमहल**: ताजमहल प्रेम का प्रतीक तो है, लेकिन साथ ही वह मुमताज की कब्रगाह भी है। इसलिए ताजमहल की तस्वीर या उसका प्रतीक घर में रखना नकारात्मकता फैलाता है। माना जाता है कि ऐसी चीजें घर पर रखी होने से हमारे जीवन पर बहुत गलत असर पड़ सकता है। यह सीधे-सीधे मौत से जुड़ा है इसलिए इसे घर पर न रखें।
- **नटराज की मूर्ति**: नटराज नृत्य कला के देवता हैं। लगभग हर क्लासिकल डांसर के घर में आपको नटराज की मूर्ति रखी मिल जाती है। लेकिन नटराज की इस मूर्ति में भगवान शिव तांडव नृत्य की मुद्रा में हैं जो कि विनाश का परिचायक है। इसलिए इसे घर में रखना भी अशुभ फलकारक होता है।
- **डूबती हुई नाव या जहाज**: डूबती नाव अगर घर में रखी हो तो अपने साथ आपका सौभाग्य भी डुबा ले जाती है। घर में रखी डूबती नाव की तस्वीर या कोई शोपीस सीधा आपके घर के रिश्तों पर आघात करता है। रिश्तों में डूबते मूल्यों का प्रतीक है यह चिह्न। इसे अपने घरौंदे से दूर रखें।
- **फव्वारा**: फव्वारे या फाउन्टन आपके घर की खूबसूरती तो बढ़ाते हैं लेकिन इसके बहते पानी के साथ आपका पैसा और समृद्धि भी बह जाती है। घर में फाउन्टन रखना शुभ नहीं होता।